A Daily News Magazine
भोपाल
गुरुवार, 13 फरवरी, 2025

सुबह सवेरे

भोपाल एवं इंदौर से एक साथ प्रकाशित

वर्ष -22 अंक-164 नगर संस्करण, पृष्ठ -8, मूल्य रू.- 2

subahsaverenews@gmail.com
facebook.com/subahsaverenews
www.subahsavere.news
twitter.com/subahsaverenews

प्रसंगवश

क्या यह केजरीवाल की सियासत के अंत की शुरुआत है?

रजनीश कुमार

दिल्ली विधानसभा चुनाव में आम आदमी पार्टी की हार के बाद कई लोग अरविंद केजरीवाल की राजनीति के अंत की शुरुआत की घोषणा कर रहे हैं। आप के संस्थापक सदस्यों में से रहे प्रशांत भूषण ने चुनावी नतीजे आने के बाद आठ फ़रवरी को कहा कि यह आम आदमी पार्टी के अंत की शुरुआत है। क्या वाकई आम आदमी पार्टी के अंत शुरुआत हो गई है? इस घोषणा को हम पहले तथ्यों की कसौटी पर कसते हैं।

इस बार आदमी पार्टी को दिल्ली विधानसभा चुनाव में कुल 43.57 प्रतिशत मत मिले और उसे 70 में से 22 विधानसभा सीटों पर जीत मिली। दूसरी तरफ़ बीजेपी का वोट शेयर 45.56 प्रतिशत है और 48 सीटों पर जीत मिली। यानी बीजेपी को आम आदमी पार्टी से महज दो प्रतिशत ज़्यादा वोट मिले हैं और इसी दो फ़ीसदी के दम पर बीजेपी को आप से 26 सीटें ज़्यादा मिलीं। इसका मतलब है कि बीजेपी को आम आदमी पार्टी से जिन सीटों पर जीत मिली है, वहां लड़ाई एकतरफ़ा नहीं थी। आम आदमी पार्टी को वोट शेयर के मामले में बीजेपी से कोई बड़ी हार नहीं मिली है, लेकिन 2020 के दिल्ली विधानसभा चुनाव की तुलना में उसके वोट शेयर में बड़ी गिरावट ज़रूर आई है।

2020 के दिल्ली विधानसभा चुनाव में आम आदमी पार्टी का वोट शेयर 53.57 प्रतिशत था। यानी 2020 की तुलना में आप को 2025 के दिल्ली विधानसभा चुनाव में क़रीब 10 प्रतिशत वोट कम मिले। 2020 में इसी वोट शेयर के दम पर आप को 70 में से 62 सीटों पर जीत मिली थी। उसी तरह वोट शेयर को पैमाना माने तो बीजेपी को इस बार आप के खिलाफ़ मिली जीत बहुत बड़ी नहीं है, लेकिन 2020 की तुलना में बीजेपी का प्रदर्शन जबर्दस्त रहा है।

2020 के दिल्ली विधानसभा चुनाव में बीजेपी का वोट शेयर 38.51 प्रतिशत था, जो इस बार 7.3 प्रतिशत बढ़कर 45.56 फ़ीसदी हो गया और सीटें आठ से बढ़कर 48 हो गईं। 2015 और 2020 के दिल्ली विधानसभा चुनाव में बीजेपी आप के सामने फिसड्डी साबित हुई थी। उस दौर में ऐसा लगता था कि बीजेपी के लिए दिल्ली में आप को हराना टेढ़ी खीर है। ऐसे में आम आदमी पार्टी से बीजेपी का वोट शेयर दो फ़ीसदी ज़्यादा होने को आप के अंत की शुरुआत बताना, जल्दबाज़ी ही कहा जा सकता है।

दिल्ली में इस बार कांग्रेस का वोट शेयर 6.34 प्रतिशत रहा, लेकिन उसे एक भी सीट पर जीत नहीं मिली। आम आदमी पार्टी को इस बार कांग्रेस से 37 फ़ीसदी ज़्यादा वोट मिले हैं। ऐसे में जानकारों का कहना है कि कांग्रेस अगर आम आदमी पार्टी की हार पर खुश होती है तो उसे अपने प्रदर्शन के बारे में सोचना होगा।

नई दिल्ली विधानसभा सीट पर अरविंद केजरीवाल के खिलाफ़ कांग्रेस ने संदीप दीक्षित को अपना उम्मीदवार बनाया था। संदीप दीक्षित कहते हैं, मुझे लगता था कि केजरीवाल तीसरे नंबर पर रहेंगे। कांग्रेस को इतना कम वोट मिलेगा इसका अंदाज़ा नहीं था।

बीजेपी और उसकी दो सहयोगी पार्टियां जेडीयू के साथ लोक जनशक्ति पार्टी रामविलास का वोट शेयर जोड़ दें तो क़रीब 47 प्रतिशत हो जाता है। वहीं कांग्रेस और अरविंद केजरीवाल का वोट शेयर जोड़ दें तो 50 फ़ीसदी वोट हो जाता है। ऐसे में यह नहीं कहा जा सकता है कि बीजेपी को दिल्ली की जनता ने एकतरफ़ा जनादेश दिया है। ऐसे में क्या आप के अंत की घोषणा करना उचित है? सेंटर फोर द स्टडी ऑफ डेवलपिंग सोसाइटी में प्रोफ़ेसर संजय कुमार भारत की चुनावी राजनीति पर गहरी नज़र रखते हैं।

संजय कुमार कहते हैं, 'अरविंद केजरीवाल के लिए मुश्किल तो है लेकिन मुझे लगता है कि हताश नहीं होना चाहिए। बीजेपी से आम आदमी पार्टी का वोट शेयर महज दो प्रतिशत ही कम है, यह अरविंद केजरीवाल को आश्वस्त करता होगा कि वो लड़ाई से बाहर नहीं हुए हैं। लेकिन आप को हम भारत की बाक़ी क्षेत्रीय पार्टियों की तरह नहीं देख सकते हैं, क्योंकि क्षेत्रीय पार्टियों का राष्ट्रीय स्तर पर कोई लक्ष्य नहीं है। आम आदमी पार्टी को बीजेपी अपने प्रतिद्वंद्वी के रूप में देखती है। आम आदमी पार्टी का मक़सद राष्ट्रीय स्तर पर वर्चस्व बनाना है। अरविंद केजरीवाल को फिर से जेल जाना पड़ता है तो आम आदमी पार्टी के लिए अस्तित्व बचाने का सवाल खड़ा होगा। इसलिए कई लोग आम आदमी पार्टी के अंत की शुरुआत की घोषणा कर रहे हैं तो इसकी कुछ ठोस वजहें भी हैं।'

लेकिन आम आदमी पार्टी इन बातों से इत्तेफाक नहीं रखती है। आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयुक्त सचिव गोपाल इटालिया कहते हैं, 'बीजेपी के साथ सरकार की सारी मशीनरी थी, मीडिया था, धनबल और बाहुबल थे, इसके बावजूद उसे हमसे दो प्रतिशत ही ज़्यादा वोट मिले हैं। जो आम आदमी पार्टी के अंत की घोषणा कर रहे हैं, उन्हें थोड़ा सब्र रखना चाहिए। हम एक राष्ट्रीय पार्टी हैं। पंजाब में हमारी सरकार है। गुजरात में हमारी अच्छी पकड़ है।'

'राष्ट्रीय जनता दल के राज्यसभा सांसद मनोज झा भी मानते हैं कि लोग आम आदमी पार्टी को लेकर बहुत जल्दबाज़ी में हैं। जब बिहार में हमारी हार होती है तो इसी तरह की घोषणा आरजेडी को लेकर की जाती है। आरजेडी अब भी ज़िंदा है और आगे भी रहेगी। जनता ने बीजेपी को बहुमत दिया तो केजरीवाल को बाहर नहीं किया, बल्कि विपक्ष में जगह दी है।'

'2022 के पंजाब विधानसभा चुनाव में आम आदमी पार्टी को शानदार जीत मिली। सितंबर 2023 में निर्वाचन आयोग ने आम आदमी पार्टी को राष्ट्रीय पार्टी का दर्जा दे दिया। यह दर्जा दिल्ली, गोवा, पंजाब और गुजरात में आप को मिले वोट शेयर के आधार पर दिया गया था। अगर इंडिया गठबंधन भविष्य में फिर से एकजुट होता है तो आम आदमी पार्टी अग्रणी भूमिका में दिख सकती है। पंजाब यूनिवर्सिटी में राजनीति विज्ञान के प्रोफ़ेसर आशुतोष कुमार मानते हैं कि केजरीवाल सत्ता से ज़्यादा विपक्ष में रहकर सरकार को चुनौती देने के रूप में जाने जाते हैं। केजरीवाल को ये ज़्यादा अच्छे से पता है कि विपक्ष में कैसे रहना है। अब फिर से उनके पास मौक़ा है कि इस खूबी का इस्तेमाल करें और अतीत की ग़लतियों से सबक़ लें।'

(बीबीसी हिंदी में प्रकाशित लेख के संपादित अंश)

राज्य सरकार वंचित वर्ग के प्रत्येक व्यक्ति के जीवन में बदलाव लाने के लिए प्रतिबद्ध : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

प्रदेश के शहरी क्षेत्रों में गरीब परिवारों के लिए बनेंगे 10 लाख आवास

बाबा साहेब अंबेडकर ने संविधान के माध्यम से स्थापित की लोकतांत्रिक व्यवस्था

* पीएम का जीवन प्रत्येक युवा के लिए प्रेरणा स्त्रोत

भोपाल (नप्र)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने संत शिरोमणि गुरू रविदास की जयंती पर बधाई और शुभकामनाएं देते हुए कहा है कि राज्य सरकार वंचित वर्ग के प्रत्येक व्यक्ति के जीवन में बदलाव लाने के लिए प्रतिबद्ध है। सबको आगे बढ़ने का मौका मिले, सबकी आर्थिक स्थिति बेहतर हो, गरीबों की गरीबी दूर हो, युवाओं को रोजगार के अवसर, महिलाओं को सम्मान मिले, किसानों का मान बढ़ें और सभी लोग बराबरी से रहें, राज्य सरकार इस उद्देश्य से हर वर्ग के लिए योजनाएं और कार्यक्रम संचालित कर रही है। बाबा साहेब भीमराव आंबेडकर द्वारा बनाए गए संविधान में दी गई लोकतांत्रिक व्यवस्था के आधार पर प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी, जीवन की कठिन परिस्थितियों से संघर्ष करते हुए प्रधानमंत्री बनें। उनसे यह प्रेरणा मिलती है कि गरीब से गरीब परिवार के बच्चे भी प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री बन सकते हैं। बाबा साहेब भीमराव आंबेडकर ने समाज को शिक्षा, चिकित्सा, रोजगार और समानता का अधिकार दिया। जन-जन को इन सब अधिकारों की उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए राज्य सरकार निरंतर सक्रिय है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव बुधवार को संत शिरोमणि गुरु रविदास जयंती पर हिंदी भवन में आयोजित समारोह को संबोधित कर रहे थे।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने दीप प्रज्ज्वलन और कन्या-पूजन कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया और संत रविदास के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित की। नवयुवक अहिरवार समाज सुधार संघ भोपाल एवं चर्मकार विकास संघ भोपाल के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित कार्यक्रम में मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने स्मारिका और रविदास चालीसा का विमोचन किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव का आयोजनकर्ताओं ने गजमाला पहनाकर स्वागत कर स्मृति-चिन्ह भेंट किया। कार्यक्रम में भोपाल महापौर श्रीमती मालती राय, भोपाल दक्षिण-पश्चिम के विधायक श्री भगवानदास सबनानी, नगर निगम अध्यक्ष श्री किशन सूर्यवंशी, श्री रवींद्र यती और समाज बंधु उपस्थित थे।मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री मोदी 'सबका साथ-सबका विकास' की अवधारणा के साथ समाज के हर वर्ग के जीवन को बेहतर बनाने के लिए कृत संकल्पित हैं।

हिंदी भवन में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने संत शिरोमणि रविदास जयंती समारोह में स्मारिका 'जागृति' का विमोचन किया। मुख्यमंत्री ने संत शिरोमणि रविदास जी के चित्र पर पुष्प अर्पित कर माल्यार्पण किया।

सीएम बोले-

महल बनाकर देंगे

जो हमारे भाई छोटी गुमटी लगाकर मोची का व्यवसाय करते हैं। उनको नगर निगम द्वारा उठाकर कहीं भी फेंक दिया जाता है। वो बेचारे इतने लाचार हो जाते हैं कि उनके पढ़ने वाले जिन बच्चों की फीस उसी व्यवसाय से भरी जाती है। वो परेशान होते हैं। हम लोग महाराष्ट्र गए थे वहां की सरकार ने लोगों को अस्थाई पट्टे दिए। अगर किसी जगह से हटाना है तो कहीं स्थाई जगह दे दी जाती है। लेकिन यहां ऐसा नहीं हैं। यहां पर महापौर जी, विधायक जी और नगर निगम के अध्यक्ष बैठे हैं और प्रदेश के मुखिया बैठे हैं।

सीएम बोले- चिंता मत करो महल बनाकर देंगे

सीएम ने अपने संबोधन में कहा– आपने नगर निगम की जो परेशानी बताई। यहां महापौर नगर निगम अध्यक्ष, विधायक ये सब मिलकर समस्या हल करेंगे। इनके साथ मैं भी हूं। मेरा प्रयास है मप्र के सारे युवाओं के जीवन में बदलाव आना चाहिए। सबकी आर्थिक स्थिति बढ़ना चाहिए। सबको आगे बढ़ने का मौका मिलना चाहिए। सरकार का मतलब ही है गरीबों की गरीबी दूर करे, युवाओं को काम दे, महिलाओं को सम्मान दे। किसानों की आमदनी बढ़ाए। पूरे देश में ये डंका बज रहा है कि मप्र तेजी से आगे बढ़ रहा है। सीएम ने कहा–सभी गरीबों के जीवन में बेहतरी के लिए हम काम कर रहे हैं। गुमठी मांग रहे हैं हम गुमठी तो देंगे ही देंगे। लेकिन, गुमठी क्यों महल देंगे। महल बनाओ बढ़िया धूमधाम से रहो, बराबरी से रहो। क्या तकलीफ है। मेरा घर रविदास समाज के पास है

सीएम ने कहा– आज मोदी जी के नेतृत्व में गरीब आदमी सम्मान के साथ जी रहा है। मोदी जी खुद गरीबी से निकल कर आए हैं। स्टेशन पर चाय बेचते हुए, इस देश के लोकतंत्र को गौरवान्वित कर रहे हैं और तीसरी बार देश के प्रधानमंत्री बने तो आप और हमारे लोकतंत्र की ताकत से बने।

दिल्ली में कर्टेन रेजर कार्यक्रम में पहुंचे सीएम

इन्वेस्टर्स से वन-टू-वन चर्चा की, विदेशी राजदूतों के साथ करेंगे राउंड टेबल मीटिंग

भोपाल (नप्र)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव नई दिल्ली के ताजमहल होटल में एमपी-सीआईएस 2025 के कर्टेन रेजर कार्यक्रम में पहुंचे हैं। वे यहां देश-विदेश के इन्वेस्टर्स को मध्यप्रदेश में निवेश के लिए आमंत्रित करेंगे। उन्होंने प्रदेश में निवेश की संभावनाओं पर इन्वेस्टर्स से वन-टू-वन चर्चा की हैं।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव इस कार्यक्रम में निवेशकों को प्रदेश में निवेश की संभावनाओं और सरकार की औद्योगिक नीतियों एवं प्रतिबद्धता के बारे में जानकारी देंगे।कार्यक्रम की शुरुआत माधवकृष्ण सिंघानिया (चेयरमैन, सीआईआई नॉर्दर्न रीजन और डिप्टी मैनेजिंग डायरेक्टर एवं सीईओ, जेके सीमेंट) के स्वागत संबोधन से होगी। इसके बाद इन्वेस्ट एमपी जीआईएस-2025 पर विशेष कर्टेन रेजर वीडियो प्रस्तुत किया जाएगा, जो ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट की प्रमुख झलकियों को दर्शाएगा।

ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट 2025
24-25 फरवरी...भोपाल

अनुभव साझा करेंगे निवेशक– कार्यक्रम में शामिल होने वाले उद्योग जगत के प्रतिष्ठित प्रतिनिधि अपने अनुभव साझा करेंगे। प्रबंध निदेशक एमपी इंडस्ट्रियल डेवलपमेंट कॉर्पोरेशन चंद्रमौलि शुक्ला निवेशकों का स्वागत एवं आभार प्रकट करेंगे। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी 24 फरवरी को भोपाल में दो दिवसीय ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट 2025 का शुभारंभ करेंगे।

सुप्रभात

दिन पे हँसता हूँ कभी
रात पे हँसता हूँ मैं
अब तो खुद खुद के
ख़यालात पे हँसता हूँ मैं
पहले पहले तो ज़माने पे
हँसी आती थी
और अब यार के हालात पे
हँसता हूँ मैं
पहले रोता हूँ मेरे यार तेरी फुर्क़त में
बाद में वक्त ए मुलाक़ात पे
हँसता हूँ मैं
मेरी आदत तुझे मालूम नही है शायद
हँसने वाले तेरी हर बात पे हँसता हूँ मैं
कल मुझे तेरे जवाबों पे हँसी आती थी
और अब खुद के सवालात पे
हँसता हूँ मैं
कर दिए जिसने यहाँ मशअले
मसाईल कितने
यार आरिज़ तेरी उस ज़ात पे
हँसता हूँ मैं।

- अनवर क़ुरैशी

घुसपैठ रोकने नया विधेयक ला रही है केंद्र की सरकार

अवैध तरीकों से घुसने वालों की अब खैर नहीं, सख्त होंगे नए प्रावधान

नई दिल्ली (एजेंसी)। अमेरिका और ब्रिटेन सहित दुनिया के कई देश घुसपैठ को रोकने के लिए सख्त कदम उठा रहे हैं। अब भारत भी इस दिशा में बड़ा कदम उठाने जा रहा है। भारत में बिना वैध पासपोर्ट या वीजा के प्रवेश करने वालों को सख्त सजा दी जाएगी। इसके लिए केंद्र की नरेंद्र मोदी सरकार संसद में एक विधेयक ला रही है।

रिपोर्ट के मुताबिक, भारत में बिना वैध पासपोर्ट या वीजा के प्रवेश करने वाले किसी भी विदेशी नागरिक को अब अधिकतम पांच साल तक की जेल और 5 लाख रुपये तक का जुर्माना भुगतना पड़ सकता है। यदि कोई व्यक्ति जाली पासपोर्ट या यात्रा दस्तावेजों के साथ भारत में प्रवेश करता है, तो उसे कम से कम दो साल और अधिकतम सात साल की सजा हो सकती है, जबकि जुर्माना 1 लाख रुपये से लेकर 10 लाख रुपये तक हो सकता है। यह प्रावधान आप्रवासन और विदेशी विधेयक, 2025 का हिस्सा है, जिसे इस सत्र में लोकसभा में पेश किए जाने की तैयारी है।

सिख दंगा मामले में सज्जन कुमार दोषी करार

नई दिल्ली (एजेंसी)। 1984 के सिख दंगा मामले में सज्जन कुमार को दोषी करार दिया गया है। दिल्ली की राउज एवेन्यू कोर्ट ने इस मामले में फैसला सुनाया है।

सिख विरोधी दंगा मामले में सज्जन कुमार को दोषी करार दिया गया है। 1984 सिख विरोधी दंगे मामले में दिल्ली की राउज एवेन्यू कोर्ट ने कांग्रेस नेता सज्जन कुमार को सरस्वती विहार इलाके में दो लोगों की हत्या के लिए दोषी ठहराया। 1 नवंबर 1984 को सरस्वती विहार में जसवंत सिंह और उनके बेटे तरुणदीप सिंह की हत्या से जुड़े मामले में सज्जन कुमार आरोपी थे।

आज मोदी-ट्रंप की मुलाकात पर रहेगी दुनियाभर की नजर

- आज वॉशिंगटन में होने जा रही है मुलाकात, मजबूत होंगे भारत-अमेरिका रिश्ते

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की बहुप्रतीक्षित मुलाकात 13 फरवरी को वॉशिंगटन में होने जा रही है। इस हाई-प्रोफाइल बैठक पर दुनिया भर की नजरें टिकी हुई हैं, क्योंकि यह पीएम मोदी की दूसरी बार राष्ट्रपति बने ट्रंप के साथ पहली द्विपक्षीय बैठक होगी। बताया जा रहा है कि प्रधानमंत्री मोदी 12 फरवरी की शाम को वॉशिंगटन पहुंचेंगे। इसके बाद अगले दिन 13 फरवरी को व्हाइट हाउस में राष्ट्रपति ट्रंप के साथ उनकी अहम बैठक होगी। हालांकि, बैठक के सटीक समय को लेकर अभी आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। यह ऐतिहासिक बैठक पीएम मोदी और भारतीय विदेश मंत्रालय के आधिकारिक सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स पर लाइव प्रसारित होगी। इसके अलावा, कई प्रमुख टेलीविजन समाचार चैनल भी इस बैठक का व्यापक कवरेज देंगे। वहीं, व्हाइट हाउस के आधिकारिक पोर्टल पर भी इसके प्रसारण की संभावना जताई जा रही है। डोनाल्ड ट्रंप ने 20 जनवरी को अमेरिका के 47वें राष्ट्रपति के रूप में शपथ ली थी।

सुबह सवेरे

भोपाल ■ गुरुवार, 13 फरवरी 2025

जो अग्नि हमें गर्मी देती है, हमें नष्ट भी कर सकती है; यह अग्नि का दोष नहीं है।

चाणक्य नीति

हिमंता की 8 सेमीकंडक्टर कंपनियों के प्रमुखों से चर्चा

असम सीएम का सिंगापुर दौरा

दिसपुर (एजेंसी)। असम के मुख्यमंत्री हिमंता बिस्व सरमा 10 फरवरी को सिंगापुर पहुंचे। यहां उनकी सिंगापुर के राष्ट्रपति थर्मन शणमुगर्तनम से रणनीतिक सहयोग पर चर्चा हुई। असम सीएम ने बताया कि असम 2.0 के

रोडमैप में सिंगापुर का अहम योगदान रहने वाला है। असम के मुख्यमंत्री ने सिंगापुर के विदेश मंत्री विवियन बालकृष्णन से भी मुलाकात की और भारत की ईस्ट एशिया पॉलिसी के तहत दोनों देशों के मजबूत संबंध पर जोर दिया। हिमंता ने 8 सेमीकंडक्टर कंपनियों के प्रमुखों से बात की। हिमंता ने इन कंपनियों को राज्य की इलेक्ट्रॉनिक सिटी जागीरोड में संभावनाएं तलाशने के लिए न्योता दिया।

टीएमसी छोड़कर दोबारा कांग्रेस में लौटे अभिजीत

चार साल बाद हुई घर वापसी

कोलकाता (एजेंसी)। पूर्व राष्ट्रपति प्रणब मुखर्जी के बेटे अभिजीत मुखर्जी ने चार साल बाद राजनीतिक तौर से घरवापसी की है। बुधवार को

मुखर्जी एक बार फिर कांग्रेस में शामिल हो गए। 2021 के पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव के बाद वह तृणमूल कांग्रेस में शामिल हो गए थे। 2012 और 2014 में जंगीपुर से सांसद रहे अभिजीत मुखर्जी 2019 में लोकसभा चुनाव में हार गए थे। बता दें कि उनकी बहन शर्मिष्ठा मुखर्जी ने हाल में ही कांग्रेस नेतृत्व के खिलाफ मोर्चा खोल रखा था। अभिजीत मुखर्जी के कांग्रेस में शामिल होने के बाद पार्टी ने राहत की सांस ली है। पूर्व राष्ट्रपति प्रणब मुखर्जी के बेटे और पूर्व लोकसभा सांसद अभिजीत मुखर्जी ने लगभग चार साल तृणमूल कांग्रेस में बिताने के बाद कांग्रेस में वापसी कर ली है।

आंध्र प्रदेश की वर्किंग वूमन को बड़ा तोहफा

वर्क फ्रॉम होम के लिए किया पॉलिसी का ऐलान

अमरावती (एजेंसी)। आंध्र प्रदेश सरकार राज्य की कामकाजी महिलाओं को बड़ा तोहफा देने जा रही है। सीएम चंद्रबाबू नायडू ने ऐलान किया है कि सरकार महिलाओं को वर्क फ्रॉम होम देने के लिए स्कीम लाई है। सीएम नायडू ने कहा कि

इस फैसले के बाद प्रोफेशनल महिलाओं को वर्क लाइफ और फैमिली को बैलेंस करने में सुविधा होगी। सरकार के इस फैसले की एक्स पर जानकारी देते हुए आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू ने कहा कि कोविड-19 महामारी के बाद से रिमोट वर्किंग और हाइब्रिड मोड अधिक लोकप्रिय हो गए हैं।

चुनाव जीतने के लिए मुफ्त की रेवड़ियों पर 'सुप्रीम' नाराजगी

कहा-लोग काम नहीं करना चाहते, क्योंकि उन्हें 'फ्री' मिल रहा है

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने शहरी गरीबी उन्मूलन पर बुधवार को सुनवाई करते हुए सख्त टिप्पणी की है। शीर्ष अदालत ने कहा कि फ्रीबीज की वजह से लोग काम नहीं करना चाहते। लोगों को बिना काम किए पैसे मिल रहे हैं। ऐसे में उन्हें मुख्यधारा में लाना प्राथमिकता है। शीर्ष अदालत ने चुनाव जीतने के लिए मुफ्त चीजों की घोषणा करने की प्रथा पर कड़ी आलोचना की और कहा कि लोग ऐसे चुनावी वादों के कारण 'काम करने के लिए तैयार नहीं हैं' क्योंकि उन्हें मुफ्त राशन और पैसा मिलता है। शीर्ष अदालत ने पूछा कि क्या ऐसी आकर्षक घोषणाओं के कारण 'परजीवियों का एक वर्ग' पैदा हो रहा है। सर्वोच्च न्यायालय ने टिप्पणी करते हुए कहा कि मुफ्त राशन के कारण, जब चुनाव का ऐलान होता है, तो लोग काम करने को तैयार नहीं होते। उन्हें बिना कोई काम किए मुफ्त राशन मिल रहा है। कोर्ट ने कहा कि क्षमा करें, लेकिन इन लोगों को मुख्यधारा के समाज का हिस्सा न बनाकर, क्या हम परजीवियों का एक वर्ग नहीं बना रहे हैं। जस्टिस बीआर गवई और

जस्टिस ऑगस्टीन जॉर्ज मसीह की पीठ शहरी क्षेत्रों में बेघर व्यक्तियों के आश्रय के अधिकार से संबंधित मामले की सुनवाई कर रही थी। अटॉर्नी जनरल आर. वेंकटरमानी ने पीठ को सूचित किया कि केंद्र सरकार शहरी बेघर लोगों के लिए आश्रय के प्रावधान जैसे मुद्दों के समाधान के लिए शहरी गरीबी उन्मूलन मिशन को अंतिम रूप देने की प्रक्रिया में है। अदालत ने अटॉर्नी जनरल से कहा कि वह सरकार से पूछें कि शहरी गरीबी राहत कार्यक्रम कब शुरू होगा। मामले की सुनवाई छह सप्ताह बाद फिर से होगी। सुप्रीम कोर्ट की यह कड़ी टिप्पणी दिल्ली विधानसभा चुनाव के कुछ दिनों बाद आई है, जिसमें भाजपा और आप दोनों ने कई आकर्षक वादे किए थे, जिन्हें वे सत्ता मिलने के बाद पूरा करेंगे। आप के ऐसे वादों में महिला सम्मान योजना (प्रत्येक महिला को 2,100 रुपये मासिक सहायता), पानी के बिलों की माफी, पुरुष छात्रों के लिए मुफ्त बस यात्रा और सभी छात्रों के लिए मेट्रो किराए में 50 फीसदी की छूट शामिल थी। भाजपा ने महिलाओं को 2,500 रुपये मासिक सहायता, हर होली और दिवाली पर मुफ्त सिलेंडर देने का भी वादा किया। मध्य प्रदेश, हरियाणा और महाराष्ट्र जैसे राज्यों में भी इस तरह की मासिक वित्तीय सहायता के वादे किए गए थे, जिसने राज्य चुनावों में भाजपा की जीत पक्की की।

अखिल भारतीय रूपक महोत्सव में हुई तीन प्रस्तुतियां

यूथिका, मशकधानी और धर्मचक्र प्रवर्तनम नाटकों ने दर्शाया समाज का यथार्थ

भोपाल (नप्र)। भोपाल के रवींद्र भवन में चल रहे अखिल भारतीय रूपक महोत्सव के दूसरे दिन बुधवार को तीन प्रभावशाली नाटकों की प्रस्तुति हुई। जिसमें साहित्य, संस्कृति और समाज के विविध पहलुओं को सजीव रूप में दर्शाया गया। आचार्य रेवा प्रसाद द्विवेदी की नाटिका 'यूथिका', प्रो. राधावल्लभ त्रिपाठी द्वारा रचित हास्य व्यंग्य 'मशकधानी' और आचार्य वसंत कुमार भट्ट का नाटक 'धर्मचक्र प्रवर्तनम' की प्रस्तुति ने दर्शकों की खूब तालियां बटोरी।

मुख्य प्रस्तुतियां

इस दिन की शुरुआत केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय वेदव्यास परिसर बलाहार, हिमाचल प्रदेश द्वारा आचार्य रेवा प्रसाद द्विवेदी की नाटिका 'यूथिका' की प्रस्तुति से हुई। यह नाटिका मानवीय संवेदनाओं और समाज के महत्वपूर्ण रिश्तों को गहराई से उजागर करती है, जिसमें लात वंश की यूथिका और मान वंश के हर्ष के बीच प्रेम संबंध स्थापित होते हैं। नाटक के अभिनय ने दर्शकों को इस कथा के भावनात्मक पहलुओं से जोड़ लिया। इसके बाद, प्रो. राधावल्लभ त्रिपाठी द्वारा रचित हास्य व्यंग्य 'मशकधानी' का मंचन हुआ, जो मच्छरों के आतंक और उनके द्वारा व्यक्त की गई समस्याओं को व्यंग्यात्मक तरीके से दर्शाता है। यह नाटक दर्शाता है कि किस प्रकार सामान्य जीवन की दिनचर्या में हास्य उत्पन्न होता है। इसके अतिरिक्त, गुजरात विश्वविद्यालय के आचार्य वसंत कुमार भट्ट का नाटक 'धर्मचक्र प्रवर्तनम' भी इस दिन की महत्वपूर्ण प्रस्तुति था। कालीकट आदर्श संस्कृत विद्यापीठ, केरल ने इसे प्रस्तुत किया। भगवान इंद्र और शशपण्डित के संवाद पर आधारित इस नाटक ने दर्शाया कि किस प्रकार शशपण्डित इंद्र को प्रसन्न कर बुद्धत्व का वरदान प्राप्त करता है। इसके साथ ही, गुरुवायुर केरल से आए नाट्य दल ने कविवर राधा वल्लभ त्रिपाठी द्वारा रचित 'सुशीला' नाटक प्रस्तुत किया, जिसमें महिलाओं की पीड़ा और शक्ति को दर्शाया गया। सुशीला ने महिलाओं की शक्ति को पहचाना और उसे सशक्त रूप से प्रकट किया।

इसी श्रृंखला में भोपाल परिसर ने देवशुनी रूपक प्रस्तुत किया। ऋग्वेद की कथा पर आधारित इस रूपक में दर्शाया कि भ्रष्टाचार व अनैतिकता जगत में व्याप्त होने पर भगवान इंद्र किस प्रकार सृष्टि के पशु पक्षियों की सहायता से सत्य व मूल्य को पुर्नस्थापित करते हैं।

भारत ने इंग्लैंड को 142 रन से तीसरा वनडे हराया

सीरीज 3-0 से जीती, शुभमन गिल की सेंचुरी
हर्षित-अर्शदीप को 2-2 विकेट

अहमदाबाद (एजेंसी)। भारत ने इंग्लैंड को तीसरे वनडे में 142 रन के बड़े अंतर से हरा दिया। इसी के साथ टीम ने वनडे सीरीज में 3-0 से क्लीन स्वीप कर लिया। अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में बुधवार को इंग्लैंड ने बॉलिंग चुनी। भारत ने 356 रन बनाए। जवाब में इंग्लिश टीम 34.2 ओवर में 214 रन बनाकर ऑलआउट हो गई। भारत से ओपनर शुभमन गिल ने सेंचुरी लगाई। श्रेयस अय्यर ने 78, विराट कोहली ने 52 और केएल राहुल ने 40 रन बनाए। हर्षित राणा, हार्दिक पंड्या, अक्षर पटेल और अर्शदीप सिंह को 2-2 विकेट मिले। इंग्लैंड से एक भी बैटर फिफ्टी नहीं लगा सका, आदिल रशीद ने 4 विकेट लिए।

पुणे के बाद अब मुंबई में जीबीएस ने पसारे पांव

गुलियन बेरी सिंड्रोम से पहली मौत, मच गया हड़कंप

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र के पुणे में जीबीएस के तांडव के बाद अब संक्रमण मुंबई तक पहुंच गया है। मुंबई के नायर अस्पताल में भर्ती 53 साल के एक मरीज की मौत हो गई है। मुंबई में जीबीएस सिंड्रोम वायरस से मौत का यह पहला मामला है। मरीज वडाला इलाके का रहने वाला था और बीएमसी के बीएन देसाई अस्पताल में वार्ड बॉय के रूप में काम करता था। नायर अस्पताल से मिली जानकारी के अनुसार, वो काफी दिनों से बीमार था और उसका इलाज चल रहा था। वहीं नायर अस्पताल में एक नाबालिग लड़की भी भर्ती है, जिसे जीबीएस वायरस हुआ है। यह लड़की पालघर की रहने

वाली है और 10वीं कक्षा की छात्रा है। इससे पहले 6 फरवरी को भी जीबीएस सिंड्रोम वायरस की चपेट में आने से एक मरीज की मौत हो गई थी। वहीं, 26 जनवरी को महाराष्ट्र के पुणे में गुलियन-बैरे सिंड्रोम (जीबीएस) बीमारी से एक चार्टर्ड अकाउंटेंट का निधन हो गया था। वह डीएसके विश्वा इलाके में रहता था। जीबीएस एक न्योरोलॉजिक बीमारी है। स्वाइन फ्लू के तरह इस बीमारी के लक्षण होते हैं। जिसमें सर्दी, जुकाम और तेज बुखार आता है। इसके कारण मांसपेशियों में कमजोरी हो जाती है और शरीर के अंग सुन्न पड़ जाते हैं।

शिंदे को मिला अवॉर्ड तो जल-भुन गए संजय राउत

शरद पवार पर जताई नाराजगी

मुंबई (एजेंसी)। नई दिल्ली में महाराष्ट्र के पूर्व सीएम एकनाथ शिंदे को महादजी शिंदे राष्ट्र गौरव अवॉर्ड से सम्मानित किया गया। केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य की मौजूदगी में शरद पवार ने शिंदे को सम्मानित किया। सम्मान समारोह में गदगद एकनाथ शिंदे ने शरद पवार की जमकर तारीफ की। अवॉर्ड सेरेमनी में एकनाथ शिंदे ने शरद पवार की तारीफ करते हुए कहा कि राजनीतिक दायरे से अलग सबसे अच्छे रिश्ते कैसे रखे जाते हैं, यह पवार साहब से सीखा जा सकता है। शिंदे द्वारा गई शरद

पवार की ये तारीफ शिवसेना (उद्धव गुट) को पसंद नहीं आया। यूबीटी सांसद संजय राउत ने प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि सभी बिके हुए हैं। ऐसे अवॉर्ड तो खरीदे और बेचे जाते हैं। महाराष्ट्र सरकार में मंत्री संजय शिरसाट ने कहा कि शरद पवार ने शिंदे का सत्कार भी किया।

राम मंदिर के मुख्य पुजारी सत्येंद्र दास का निधन

बाबरी विध्वंस के वक्त रामलला को गोद में लेकर भागे थे, टीचर के बाद पुजारी बने

अयोध्या (एजेंसी)। अयोध्या में रामलला मंदिर के मुख्य पुजारी आचार्य सत्येंद्र दास का 80 साल की उम्र में निधन हो गया। बुधवार सुबह 7 बजे लखनऊ में उन्होंने आखिरी सांस ली। 3 फरवरी को ब्रेन हेमरेज के बाद उनको अयोध्या से लखनऊ रेफर किया गया था। आचार्य सत्येंद्र दास का पार्थिव शरीर अयोध्या के सत्य धाम गोपाल मंदिर आश्रम में अंतिम दर्शन के लिए रखा गया है। आचार्य सत्येंद्र दास के निधन पर सीएम योगी ने शोक जताया है। आचार्य सत्येंद्र दास को कल यानी 13 फरवरी को दोपहर 12 बजे जल समाधि दी जाएगी। सत्येंद्र दास 32 साल से रामजन्मभूमि में बतौर मुख्य पुजारी सेवा दे रहे थे। 6 दिसंबर, 1992 को बाबरी विध्वंस के समय वे रामलला को गोद में लेकर भागे थे। सत्येंद्र दास का जन्म संतकबीरनगर जिले में 20 मई, 1945 में हुआ था। यह जिला

अयोध्या से 98 किमी दूर है। वे बचपन से ही भक्ति भाव में रहते थे। उनके पिता अक्सर अयोध्या जाया करते थे, वह भी अपने पिता के साथ अयोध्या घूमने जाते थे। अयोध्या में उनके पिता अभिराम दास जी के आश्रम में आते थे। सत्येंद्र दास भी अभिराम जी के आश्रम में आने लगे थे। अभिराम दास वही थे, जिन्होंने राम जन्मभूमि में 22-23 दिसंबर 1949 में गर्भगृह में राम, लक्ष्मण, भरत, शत्रुघ्न और सीता जी की मूर्तियों के प्रकट होने का दावा किया था। इन्हीं मूर्तियों के आधार पर आगे की लड़ाई लड़ी गई। मूर्तियों के प्रकट होने के दावे और अभिराम दास जी की रामलला के प्रति सेवा देखकर सत्येंद्र दास बहुत प्रभावित हुए। उन्हीं के आश्रम में रहने के लिए उन्होंने संन्यास लेने का फैसला किया। सत्येंद्र दास ने 1958 में घर छोड़ दिया। उनके परिवार में दो भाई और एक बहन थीं। बहन का निधन हो चुका है।

संगम की बूंदों में उफनाया माघी पूर्णिमा का अनंत विश्वास, 2 करोड़ श्रद्धालुओं ने किया स्नान

प्रयागराज (एजेंसी)। महाकुंभ में माघ पूर्णिमा का स्नान जारी है। संगम से 15 किमी तक चारों तरफ श्रद्धालुओं की भीड़ है। शाम 6 बजे तक 2 करोड़ लोग स्नान कर चुके हैं। एक्टर सुनील शेट्टी ने भी संगम में डुबकी लगाई। उन्होंने कहा, आज वाकई मैंने गंगा नहा लिया।

भीड़ को देखते हुए 13 से 15 फरवरी तक प्रयागराज में 8वीं तक के स्कूल बंद रहेंगे। लेकिन, पढ़ाई ऑनलाइन होगी। इससे पहले श्रद्धालुओं पर हेलिकॉप्टर से 25 क्विंटल फूल बरसाए गए। काटजू रोड पर मस्जिद के बाहर जुटे नमाजियों ने भी श्रद्धालुओं पर पुष्पवर्षा की। महाकुंभ मेले से भीड़ जल्दी बाहर निकल जाए, इसलिए लेटे हनुमान मंदिर, अक्षयवट और डिजिटल महाकुंभ सेंटर को बंद रखा गया। आज महाकुंभ में कल्पवास भी खत्म हो गया। संगम स्नान के बाद करीब 10 लाख कल्पवासी यहां से विदा होने लगे। 13 जनवरी से अब तक 48.25 करोड़ से ज्यादा श्रद्धालु स्नान कर चुके हैं। अब 26 फरवरी को महाशिवरात्रि पर आखिरी स्नान पर्व होगा।

डीएम बोले- आसानी से पूर्णिमा का स्नान संपन्न हुआ-प्रयागराज के छ्रुरविंद्र कुमार मांदड़ ने कहा- आज पूर्णिमा का स्नान संपन्न हुआ है। श्रद्धालु रवाना हो रहे हैं। रेलवे स्टेशन, बस अड्डा और सड़कों को सुचारु रखने के लक्ष्य को हमने सफलता पूर्वक लागू किया है।

मायावती ने अपने समधी को ही बीएसपी से किया बाहर

लखनऊ (एजेंसी)। बहुजन समाज पार्टी सुप्रीमो मायावती ने बड़ा ऐक्शन लिया है। उन्होंने अपने भतीजे आकाश आनंद के ससुर अशोक सिद्धार्थ को बसपा से बाहर कर दिया है। राज्य सभा सांसद रहे सिद्धार्थ की डॉक्टर बेटी से आकाश की शादी हुई है। अशोक सिद्धार्थ के पिता बीएसपी संस्थापक कांशीराम जी के सहयोगी रहे हैं। मायावती ने इस बारे में एक्स पर जानकारी देते हुए लिखा- बीएसपी की ओर से ख़ासकर दक्षिणी राज्यों आदि के प्रभारी रहे डॉक्टर अशोक सिद्धार्थ, पूर्व सांसद व नितिन सिंह, ज़िला मेरठ को, चेतावनी के बावजूद भी गुटबाजी आदि की पार्टी विरोधी गतिविधियों में लिप्त होने के कारण पार्टी के हित में तत्काल प्रभाव से पार्टी से निष्कासित किया जाता है। अशोक सिद्धार्थ के बारे में कहा जाता है कि वह बसपा के ऐसे लो प्रोफाइल नेता हैं। वे पार्टी में पर्दे के पीछे रहकर काम करने को तवज्जो देते थे। चर्चाओं से हमेश दूर रहे हैं। उन्हें लंबे समय से मायावती के बेहद करीबी नेताओं में गिना जाता रहा हैं। मायावती की नजदीकी के कारण उन्होंने सरकारी नौकरी छोड़कर राजनीति में एंट्री ली। मायावती ने उन्हें पहले एमएलसी बनाया।

8 हजार से अधिक प्राइवेट स्कूलों की मान्यता अधर में लटकी

भोपाल (नप्र)। मध्य प्रदेश में स्कूल शिक्षा विभाग और राज्य शिक्षा केंद्र के नए नियमों के कारण प्रदेश में 8 हजार से अधिक प्राइवेट स्कूलों की मान्यता अधर में लटकी हुई है। 10 फरवरी को मान्यता की अंतिम तिथि थी फिर भी प्रदेश के 8 हजार से अधिक स्कूलों ने इसके लिए अप्लाई नहीं किया। जिसमें भोपाल के ही 232 स्कूल शामिल है।

ऐशबाग स्थित ब्लू बेल स्कूल के संचालक और प्रदेश संचालक मंच के कोषाध्यक्ष मोनू तोमर ने बताया कि 232 स्कूल ऐसे हैं जिन्होंने मान्यता के लिए आवेदन नहीं किया या फिर वो नए नियमों के आधार पर मान्यता लेने के लिए तैयार नहीं है। उन्होंने कहा कि उनके स्कूल में करीब 370 बच्चे पढ़ते हैं। स्कूल को मान्यता नहीं मिलने पर करीब 10 लाख बच्चों का भविष्य खतरे में पढ़ सकता है। ऐसे ही प्रदेशभर में करीब 8 हजार स्कूल और भी हैं जिन्होंने मान्यता के लिए आवेदन नहीं किया है।

कहा- पेरेंट्स भी जुड़ेंगे आंदोलन से- मान्यता के लिए सरकार के गाइडलाइन के नियमों के हिसाब से स्कूल की तरफ से अगर कुछ गलत डेटा दे दिया गया तो सरकार कभी भी कार्रवाई कर जेल भेज सकती है। सरकार के नियमों में स्कूलों को किसी तरह का कोई विकल्प नहीं दिया गया है। अगर पुराने नियमों पर सरकार स्कूलों को मान्यता नहीं दे

स्कूल के संचालक बोले- सरकार नहीं मानी तो पेरेंट्स करेंगे आंदोलन

सकती तो कम से कम उन्हें हां या ना का विकल्प तो दिया जाए। मोनू तोमर ने कहा कि नियमों में सरकार रजिस्टर्ड किरायानामे को खत्म करें। अगर वो ऐसा नहीं कर सकती है तो कम से कम कुछ व्यवस्था करें। नहीं तो हमें 6 या 8 महीने का समय दे ताकि हम कोई व्यवस्था कर सके। अगर मान्यता नियमों में संशोधन नहीं किया गया तो इस बार सरकार का सामना बच्चों के पेरेंट्स से है। स्कूल को मान्यता नहीं मिलने पर बच्चों के पेरेंट्स सरकार के खिलाफ आंदोलन करेंगे।

लड़ाई जारी रहेगी

एल स्क्वायर पब्लिक स्कूल की प्रिंसिपल ललिता मेवाड़ा ने कहा कि उनके स्कूल में करीब 180 बच्चे पढ़ते हैं। वहीं उन्होंने स्कूल की मान्यता के लिए आवेदन तो किया है लेकिन उसे लॉक नहीं किया है। उन्होंने कहा कि स्कूल की मान्यता की आखिरी तारीख (10 फरवरी) निकलने के बाद से 5 हजार का जुर्माना लगाया गया है। इसी के साथ अब आवेदन शुल्क 12 हजार से बढ़कर 17 हजार हो गया है। उन्होंने कहा कि हमारी चार प्रमुख मांगे है। जिसमें से 2 के लिए हम मान भी गए। लेकिन रजिस्टर्ड किरायानामा पूर्ण रूप से खत्म होना चाहिए। इसके साथ ही मान्यता के लिए पहले जैसे ही नियम रहे। इस सिलसिले में हम कोर्ट गए हैं कोर्ट के फैसले के बाद ही कुछ होगा। वहीं बच्चों की पढ़ाई पर कोई बुरा असर ना हो इसलिए अगर सरकार मान्यता के लिए तारीख बढ़ाएगी तो निश्चित रूप से मान्यता लेकर आगे की लड़ाई को जारी रखा जाएगा।

मंत्रालय में स्वास्थ्य शिविर का तीसरा दिन

छुट्टी के दिन सुरक्षाकर्मियों और उनके परिवारों की हुई निःशुल्क जांच

भोपाल (नप्र)। मंत्रालय में आयोजित 4 दिवसीय स्वास्थ्य शिविर का आज तीसरा दिन था। संत रविदास जयंती की छुट्टी होने के बावजूद शिविर में बड़ी संख्या में मंत्रालय के सुरक्षाकर्मी और उनके परिवार के सदस्य स्वास्थ्य जांच के लिए पहुंचे। चिकित्सकों की टीम ने सभी की विस्तृत स्वास्थ्य जांच की और आवश्यक दवाइयां भी नि:शुल्क दीं। शिविर के पहले दो दिन मंत्रालय के अधिकारियों और कर्मचारियों की जांच की गई थी। आज विशेष रूप से सुरक्षा अधिकारियों एवं कर्मचारियों और उनके परिवार के सदस्यों के लिए जांच की व्यवस्था की गई थी। चिकित्सकों ने बताया कि शिविर में ब्लड प्रेशर, शुगर, हृदय संबंधी बीमारियों की जांच के साथ-साथ सामान्य स्वास्थ्य परीक्षण भी किया गया।

सरकारी दफ्तरों में लगेंगे प्रीपेड बिजली मीटर

जिस महीने का बिल सबसे अधिक, उसकी दोगुनी राशि से करना होगा एडवांस रिचार्ज

भोपाल (नप्र)। प्रदेश में स्मार्ट बिजली मीटर लगाने में जुटे ऊर्जा विभाग ने अब प्रदेश के सभी विभागों के सरकारी दफ्तरों को मीटर लगाने के टारगेट में शामिल किया है। ऊर्जा विभाग ने तय किया है कि सभी सरकारी दफ्तरों में बिजली के स्मार्ट प्रीपेड मीटर लगाए जाएंगे और स्मार्ट मीटर लगाए जाने के बाद दफ्तर में अंधेरा न रहे, इसको लेकर वित्त विभाग से परमिशन भी दिलाई गई है और आहरण संवितरण अधिकारियों को एडवांस पेमेंट करने के अधिकार भी दिलाए गए हैं।

प्रदेश के सभी सरकारी दफ्तरों में अब पोस्टपेड बिजली मीटर निकालकर वहां प्रीपेड स्मार्ट मीटर लगाए जाएंगे। इन स्मार्ट मीटर्स को रिचार्ज करने का काम विभाग प्रमुख एडवांस राशि देकर कराएंगे। इसके बाद ऊर्जा विभाग इन विभागों मे बिजली सप्लाई करेगा।

इसके लिए वित्त विभाग की ओर से अनुमति दी गई है कि पिछले एक साल में जिस महीने में सबसे अधिक बिजली बिल आया है, उस महीने के बिल की राशि की दोगुनी राशि से प्रीपेड स्मार्ट मीटर को रिचार्ज किया जाएगा। प्रीपेड स्मार्ट मीटर लगाए जाने के बाद हर माह बिजली बिल जमा होते रहेंगे लेकिन अगर किसी कारणवश दिक्कत हुई तो छह माह तक किसी भी स्थिति में बिजली बिल जमा न होने पर भी बिजली कनेक्शन काटा नहीं जाएगा।

एनर्जी और फाइनेंस का ज्वाइंट ऑर्डर जारी- ऊर्जा विभाग के प्रस्ताव पर वित्त विभाग ने सभी विभागों के अधिकारियों को निर्देश जारी किए हैं कि वे अपने दफ्तर में लगाए जाने वाले प्रीपेड स्मार्ट मीटर को रिचार्ज करने का काम करेंगे। वित्त विभाग के प्रमुख सचिव मनीष रस्तोगी और ऊर्जा विभाग के अपर मुख्य सचिव नीरज मंडलोई द्वारा इसको लेकर जारी निर्देश में कहा गया है कि प्रीपेड स्मार्ट मीटर का रिचार्ज बगैर बिल आए कराना होगा।

ऐसे निकलेगा दोगुनी राशि का बिल

विभाग ने कहा है कि प्रीपेड मीटर रिचार्ज किए जाने के लिए पिछले वित्त वर्ष अप्रेल 2023 से मार्च 2024 के बीच जिस माह का बिल सबसे अधिक राशि का है उस राशि के दोगुने के बराबर एडवांस राशि आहरित की जा सकेगी और प्रीपेड मीटर को रिचार्ज किया जा सकेगा। इसके बाद सरकारी दफ्तरों में बगैर किसी गतिरोध के बिजली प्रदाय किया जा सकेगा। वित्त और ऊर्जा विभाग की ओर से यह संयुक्त आदेश सभी विभागों, राजस्व मंडल अध्यक्ष ग्वालियर, सभी संभागायुक्तों, विभागाध्यक्षों और कलेक्टरों को भेजा गया है और इस पर अमल के निर्देश दिए गए हैं।

1.50 लाख संविदा कर्मचारियों को बड़ा झटका

नहीं मिली 50 प्रतिशत आरक्षण और आयु में छूट

भोपाल(नप्र)। मध्यप्रदेश में 20 मार्च को होने वाली शिक्षक भर्ती परीक्षा को लेकर बड़ा विवाद हो गया है। इसमें नई 2023 की नीति के तहत संविदाकर्मियों को मिलने वाले 50 प्रतिशत आरक्षण और आयु सीमा में 5 वर्ष की छूट को नजरअंदाज कर दिया गया है। स्कूल शिक्षा विभाग ने परीक्षा नियम तैयार करते समय 5 जून 2018 की पुरानी नीति को आधार बनाया।

नई संविदा नीति को नजरअंदाज करने से लगभग 20 हजार संविदा कर्मचारी परीक्षा के लिए आवेदन नहीं कर सके। प्रभावित कर्मचारियों में कस्तूरबा गांधी विद्यालय की शिक्षिकाएं, बालिका छात्रावास की सहायक वार्डन, बीआरसी और बीएसी भी शामिल हैं। सभी प्रभावित कर्मचारी डीएड-बीएड सहित आवश्यक योग्यता रखते हैं।

हालांकि मध्य प्रदेश कर्मचारी चयन मंडल ने आवेदन की अंतिम तिथि 11 फरवरी से बढ़ाकर 20 फरवरी कर दी है, लेकिन संविदा कर्मचारियों की मूल समस्या का समाधान नहीं हुआ है। विशेषज्ञों का कहना है कि जब नई नीति में पुरानी सभी नीतियों को खत्म किया जा चुका है, तो पुरानी नीति के आधार पर नियमावली तैयार करना नियमों का उल्लंघन है। उल्लेखनीय है कि इससे पहले इस परीक्षा में ईडब्ल्यूएस (कमजोर आय वर्ग) के अभ्यर्थियों की अनदेखी का मामला सामने आ चुका है। दो दिन पहले ही इस मामले में हाईकोर्ट ने ईडब्ल्यूएस अभ्यर्थियों को आयुसीमा में छूट देने के निर्देश दिए हैं।

किसान ने किया सुसाइड

3 महीने से बिगड़ा हुआ था मानसिक संतुलन, पेड़ पर लटका मिला शव

भोपाल (नप्र)। भोपाल के ईटखेड़ी इलाके में एक किसान ने फांसी लगाकर खुदकुशी कर ली। मंगलवार रात पुलिस ने शव को पेड़ से उतारकर कब्जे में लिया और बुधवार को पोस्टमॉर्टम के बाद परिजनों को सौंप दिया। परिजनों के अनुसार, किसान पिछले तीन महीने से मानसिक तनाव में था और इलाज चल रहा था। थाना प्रभारी दुर्जन सिंह के मुताबिक, तखत सिंह जाट (36), निवासी रायपुर, खेती-किसानी करते थे। उनके परिवार में पत्नी और दो बच्चे हैं। परिजनों ने बताया कि वह कुछ पारिवारिक कारणों से तनाव में थे और उनका डॉक्टर आरएन साहू से इलाज चल रहा था।

अस्पताल जाने के बजाय खेत चले गए- मंगलवार को परिजन उन्हें डॉक्टर के पास ले जाने वाले थे। साला और भतीजे ने उन्हें तैयार होने के लिए कहा। वह तैयार होकर घर से निकले, लेकिन वापस नहीं आए। परिजनों को लगा कि वह खेत में बीड़ी पीने गए होंगे। जब काफी देर तक वापस नहीं लौटे, तो साला और भतीजा उन्हें देखने गए। वहां पहुंचने पर उन्होंने खेत में लगे पेड़ से शव लटका हुआ देखा। किसान ने गमछे से फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली थी। पुलिस ने मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी है। शुरुआती जांच में कोई सुसाइड नोट नहीं मिला है, लेकिन परिजनों के बयान के आधार पर आत्महत्या के कारणों की पड़ताल की जा रही है।

सौरभ, चेतन, शरद से फ्रीज प्रापर्टी का वेरिफिकेशन कराएगी ईडी

मनी लांड्रिंग मामले में हर एंगल पर होगी पूछताछ

भोपाल (नप्र)। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की टीम आरटीओ के पूर्व आरक्षक सौरभ शर्मा और उसके सहयोगियों शरद जायसवाल, चेतन सिंह गौर से अब उन सभी प्रॉपर्टीज का फिजिकल वेरिफिकेशन कराएगी जिसे ईडी ने अपनी जांच के दौरान सीज और फ्रीज किया है। इसके साथ ही इन प्रापर्टी के आय के स्त्रोतों पर ईडी का फोकस रहेगा।

कस्टडी के दौरान ईडी यह भी जानने का प्रयास करेगी कि मेंडोरी में इनोवा में मिले 11 करोड़ रुपए कैश और 52 किलो गोल्ड कहां से आया। सबसे अहम सवाल आयकर विभाग द्वारा जब्त गोल्ड की सप्लाई चेन जानने को लेकर है। बरामद गोल्ड पर ऑस्ट्रेलिया, स्विट्जरलैंड और दुबई के हॉलमार्क मिले हैं। ईडी ने 27 दिसम्बर 2024 और 17 जनवरी 2025 को सौरभ शर्मा, उनके परिवार के सदस्यों और उनके सहयोगियों शरद जायसवाल और चेतन सिंह गौड़ सहित अन्य के आवासीय परिसरों में छापे और तलाशी की कार्रवाई की थी। इस दौरान संपत्तियों, कंपनियों, फर्मों में किए गए निवेश और अन्य सस्पेक्टेड दस्तावेज बरामद किए गए। अब तक की जांच में यह पाया गया है कि सौरभ शर्मा और उनके परिवार, मित्रों, फर्मों के नाम पर लगभग 25 करोड़ रुपए की अचल संपत्तियों में निवेश किया गया है। वहीं 10 करोड़ रुपए की चल संपत्तियां जब्त और फ्रीज की गई हैं। इन सबके बारे में जानकारी जुटाने का काम ईडी करेगी।

सौरभ के वकील ने रिमांड का किया था विरोध- सौरभ शर्मा के वकील राकेश पाराशर ने कोर्ट में ईडी को रिमांड देने का विरोध किया था। इसके लिए पूछताछ और जांच में पूरा सहयोग करने की बात को आधार बनाया गया था। इसके बाद भी अलग से रिमांड पर लेने का मतलब नहीं था। कोर्ट ने उनकी आपत्ति पर ईडी से सवाल किया तो ईडी के वकील ने कहा कि अलग से कुछ मामलों में पूछताछ करनी है, इसलिए रिमांड चाहिए।

प्रदेश में आज से सर्दी का एक और दौर

2-3 डिग्री लुढ़केगा तापमान

भोपाल (नप्र)। मध्यप्रदेश में 13 फरवरी से सर्दी का एक और दौर आएगा। दो दिन तक पारे में 2 से 3 डिग्री की गिरावट होगी। प्रदेश के 5 बड़े शहर- भोपाल, इंदौर, ग्वालियर, उज्जैन और जबलपुर में पारा 10 डिग्री से नीचे जा सकता है।

अभी प्रदेश में रातें ज्यादा ठंडी नहीं है। सुबह और रात में

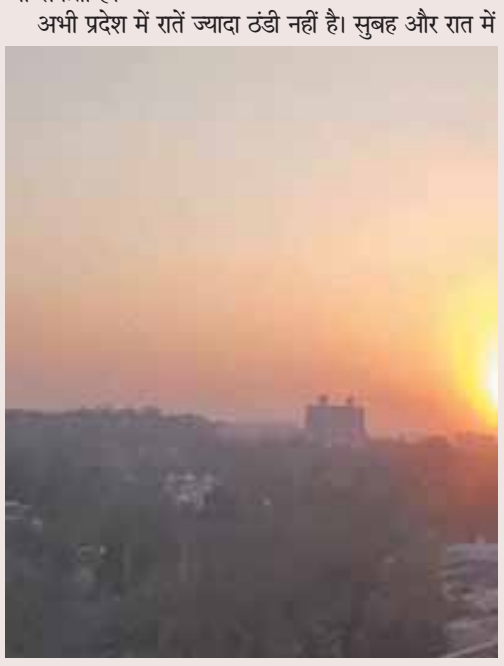

ही हल्की ठंड पड़ रही है। मंगलवार की रात की बात करें तो भोपाल में 15.7 डिग्री, इंदौर में 14.4 डिग्री, ग्वालियर में 11.3 डिग्री, उज्जैन में 11.5 डिग्री और जबलपुर में पारा 13.6 डिग्री दर्ज किया गया। वहीं, सिवनी सबसे गर्म रहा। यहां रात का तापमान 17 डिग्री तक पहुंच गया। छिंदवाड़ा, नर्मदापुरम, बैतूल, खरगोन, धार और सागर में पारा 15-16 डिग्री के बीच ही रहा।

इधर, दिन के तापमान में बढ़ोतरी देखने को मिली। भोपाल में सुबह से तेज धूप खिली रही। इस कारण लोग परेशान होते रहे। कई शहरों में दिन का तापमान 30 डिग्री के पार ही रहा।

मौसम बदलने की यह वजह

मौसम वैज्ञानिक वीएस यादव ने बताया, 8 फरवरी को एक वेस्टर्न डिस्टरबेंस (पश्चिमी विक्षोभ) उत्तर भारत पहुंचा था। इसके असर के कारण प्रदेश में उत्तर से सर्द हवाएं चल रही थी, जो अब लौट गई है। वहीं, हवा का रुख दक्षिणी हो गया है। इस कारण ठंडी हवा प्रदेश में नहीं आ रही और दिन-रात के तापमान में बढ़ोतरी हुई। 13 फरवरी से तापमान में फिर से गिरावट देखने को मिलेगी।

महाकाल मंदिर में प्रवेश का नया द्वार तैयार

15 फरवरी को सीएम करेंगे रूद्र सागर ब्रिज का लोकार्पण, शक्ति पथ से सीधे मिलेगी एंट्री

उज्जैन (नप्र)। 15 फरवरी से महाकाल मंदिर जाने वाले श्रद्धालुओं के लिए एक नया प्रवेश द्वार खुल जाएगा। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव 25 करोड़ की लागत से रूद्र सागर पर बने ब्रिज का लोकार्पण करेंगे। जिसके बाद श्रद्धालु शक्ति पथ से सीधे महाकाल मंदिर पहुंच सकेंगे। इससे चारधाम मंदिर से आने वाले श्रद्धालुओं के लिए करीब डेढ़ किमी की दूरी कम हो जाएगी।

महाकाल मंदिर आने वाले दर्शनार्थियों को अब एक नया प्रवेश द्वार मिलने जा रहा है। गणेश नगर हायर सेकेंडरी स्कूल के सामने बने ब्रिज की शुरुआत होने जा रही है। उज्जैन स्मार्ट सिटी कंपनी द्वारा ज्योतिर्लिंग महाकालेश्वर मंदिर के पीछे वाले हिस्से में रूद्र सागर के ऊपर शक्ति पथ से मानसरोवर तक जाने के लिए करीब ढाई वर्ष पहले मई-2022 में ब्रिज का काम शुरू किया गया था।

ब्रिज 200 मीटर लंबा और सात मीटर चौड़ा बनाया गया है। ब्रिज के मध्य 19 मीटर चौड़ी जगह

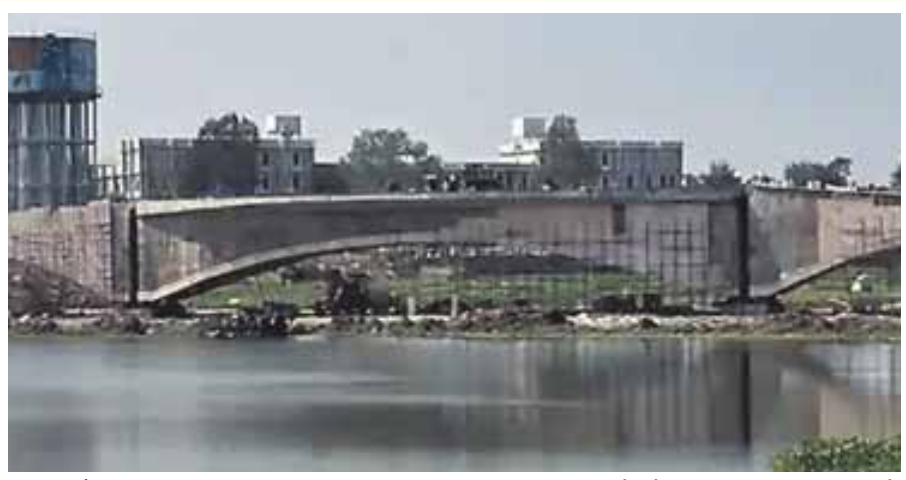

रखी गई है। ब्रिज का निर्माण 2023 नवंबर से पहले होना तय हुआ था। लेकिन करीब डेढ़ वर्ष देरी से इसका काम पूरा हो पाया है।

ब्रिज पर खड़े होकर लाइट एंड साउंड शो का मजा ले सकेंगे भक्त- 15 फरवरी से ब्रिज की शुरुआत होने के बाद श्रद्धालु सीधे मानसरोवर पहुंचेंगे। भक्त ब्रिज पर खड़े होकर जल्द ही महाकाल मंदिर में शुरू होने वाले लेजर लाइट एंड साउंड शो का भी मजा ले सकेंगे। यहां पांच सौ से अधिक श्रद्धालु एक साथ खड़े होकर महालोक का सुंदर दृश्य और लेजर लाइट एंड साउंड के शो देख सकेंगे। श्रद्धालु ब्रिज से भगवान शिव के प्राकट्य और उज्जयिनी की गौरव गाथा देख-सुन पाएंगे।

लोकार्पण के बाद भक्तों के लिए इसे खोल दिया जाएगा- उज्जैन कलेक्टर नीरज सिंह ने कहा कि महाकाल मंदिर के श्रद्धालुओं को नई सुविधा मिल पाएगी।

हालांकि 27 फरवरी को महाशिवरात्रि के दिन ये श्रद्धालुओं के लिए बंद रहेगा। ब्रिज का एक छोर चारधाम मंदिर स्थित पानी की टंकी के नजदीक माधवगंज हायर सेकेंडरी स्कूल के सामने तो दूसरा छोर महाकाल महालोक में बने फेसिलिटी सेंटर-2 के सामने रहेगा। भीड़ प्रबंधन की दृष्टि से भी ब्रिज काफी मददगार होगा।

संपादकीय

भाजपा में असंतोष के सुर

एक तरफ भारतीय जनता पार्टी एक के बाद एक राज्यों के किले जीतती जा रही है तो दूसरी तरफ पार्टी में भीतरी असंतोष भी बढ़ता जा रहा है। पार्टी में बगावत का झंडा बुलंद करने वाले ये नेता भाजपा के पुराने चावल हैं और पार्टी की वर्तमान कार्यशैली में खुद को उपेक्षित पा रहे हैं। असंतोष के स्वर यूं तो सभी भाजपा शासित राज्यों में है, लेकिन राजस्थान और हरियाणा में ये मुखरता से उभरे हैं। राजस्थान में पार्टी के पुराने नेता किरोड़ीलाल मीणा ने तो हरियाणा में अनिल विज ने बगावत का झंडा बुलंद कर दिया है। यूं दोनों राज्य सरकारों में मंत्री हैं, लेकिन उन्हे जो कुछ भी नवाजा गया है, उससे वो संतुष्ट नहीं हैं और सार्वजनिक रूप से अपनी ही पार्टी की आलोचना कर रहे हैं। शुरूआती नरमी के बाद भाजपा ने अब इन दोनों नेताओं को कारण बताओ नोटिस थमा दिए हैं। राजस्थान में दो 'लालों' का झगड़ा है। पार्टी के कद्दावर नेता और मंत्री किरोड़ीलाल मीणा मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा से शुरू से नाराज चल रहे हैं। उन्हें प्रदेश में कृषि मंत्री बनाया गया था, लेकिन वो इससे खुश नहीं हैं। मीणा ने अपना इस्तीफा भी मुख्यमंत्री को सौंप दिया था, जो राज्यपाल के पास लंबित है। यानी पार्टी और सरकार नहीं चाहती कि किरोड़ीलाल मीणा पद छोड़ें। उधर मीणा लगातार अपनी ही सरकार को घेरते रहे हैं। बताया जाता है कि मीणा को पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे का समर्थन है, जो खुद राज्य की फिर से मुख्यमंत्री बनना चाहती है, लेकिन आला कमान तवज्जो नहीं दे रहा है। इस बीच संगठन द्वारा पार्टी विरोधी बयानों के लिए मीणा को जो कारण बताओ नोटिस दिया गया था, उसका जवाब मीणा ने दे दिया है। उसमें कहा गया है कि वे पार्टी के अनुशासित सिपाही हैं। बीजेपी की परेशानी है कि डॉ. किरोड़ीलाल मीणा अनुसूचित जनजाति के बड़े नेता हैं। उन्हें निकालने का इस समुदाय में गलत संदेश जाएगा। क्योंकि पिछले चुनावों में यह बात सामने आई कि राज्य में मीणा वोट कांग्रेस की ओर खिसक रहे हैं। पार्टी चाहती है कि मीणा खुद ही भाजपा छोड़ दें, लेकिन राजनीति के चतुर खिलाड़ी मीणा वैसा भी नहीं कर रहे हैं। उन्हें पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने भी दिल्ली बुलाकर समझाने की कोशिश की, लेकिन वह नहीं माने। उधर कांग्रेस नेता सचिन पायलट की कोशिश है कि मीणा उनकी पार्टी में आ जाएं। उधर हरियाणा में बीजेपी ने मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी कैबिनेट के सबसे सीनियर मंत्री और विधायक अनिल विज को नोटिस जारी किया है। विज ने हाल ही में सीएम सैन और प्रदेश भाजपा अध्यक्ष मोहन लाल बडोली के खिलाफ सार्वजनिक रूप से तीखे बयान दिये हैं। इस नोटिस को लेकर विज ने अभी कोई प्रतिक्रिया नहीं दी है। सात बार विधायक रहे विज वर्तमान में सैनी मंत्रिमंडल में ऊर्जा, परिवहन और श्रम विभाग संभाल रहे हैं। उनकी महत्वाकांक्षा मुख्यमंत्री बनने की रही है, लेकिन पार्टी ने उन्हें इस बार भी केवल मंत्री बनाया। इसी तरह मप्र में भी वरिष्ठ मंत्री कैलाश विजयवर्गीय और प्रहलाद पटेल की नाराजी भी गाहे बगाहे सामने आ जाती है। हालांकि उन्होंने किसी तरह का सार्वजनिक बयान नहीं दिया है। यूपी में भी सीएम आदित्यनाथ और डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य के बीच खींचतान सामने आती रहती है। पार्टी के वरिष्ठ नेताओं के असंतोष की सार्वजनिक अभिव्यक्ति कांग्रेस में भले आम हो, लेकिन बीजेपी में वह असामान्य बात है। अगर इस पर समय रहते काबू नहीं पाया गया तो भाजपा भी अनुशासन के मामले में कांग्रेस की राह पर जा सकती है। अगर नेताओं में असंतोष जायज है तो उसे बातचीत से दूर किया जाना चाहिए।

हिंदुत्व पर दिल्ली से निकला एक संदेश

नजरिया

शाहिद नकवी

लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं।

भ्रष्टाचार के खिलाफ अन्ना आंदोलन से जन्मी आम आदमी पार्टी का दिल्ली विधानसभा चुनाव में खराब प्रदर्शन ने उस सपने को भी चकनाचूर कर दिया,जिसमें देश की जनता ने कभी साफ-सुथरी राजनीति की उम्मीद देखी थी ।अन्ना आंदोलन के वक्त देश के लोगो को लगा कि एक नया प्रयोग है और वैकल्पिक राजनीति की धारा बहेगी। इसी लिए लोग अपने काम धंधे छोड़ कर इससे जुड़े ।बच्चों ने अपने गुल्लक तोड़ कर इसे बढ़ाने के लिए चंदा दिया ।लेकिन आप के गठन के बाद से 2025 तक वह अपने वास्तविक उद्देश्य को भूलने के साथ ही प्रचलित राजनीति का हिस्सा बन गई ।शराब घोटाला और शीश महल में रहने की बात छोड़ भी दिया जाए तो भी अरविंद केजरीवाल उस किसी मानदंड पर खरे नहीं उतरे,जो उन्होंने रामलीला मैदान में महात्मा गांधी की फोटो के नीचे तय किए थे ।केजरीवाल का आम आदमी झुग्गी झोपड़ी वालों, रेहड़ी पटरी वालों,आटो ड्राइवर और दलितों के लिए वजूद में आया था ।उनके आम आदमी ने वादा किया था कि धर्म की राजनीति से उसका कोई वास्ता नहीं रहेगा।

सरकारी सुविधाएं नहीं लेंगे,जो बाद में उन्होंने दूसरों से ज्यादा ली। उनका आम आदमी जल्दी ही मजहबी हो गया ।धार्मिक स्थल उसके ऐजेंडा में शामिल हो गए। वह शिक्षा,चिकित्सा,विकास एवं बदलाव के मुद्दों को भूल कर वादों की खानापूर्ति पर उतर आया ।आम आदमी पार्टी के और उसके नेताओं के दफ्तरों से बापू की तस्वीर ही उतर गई। अगर देखा जाए तो दिल्ली विधानसभा चुनाव के नतीजे सिर्फ भाजपा की सफलता की नहीं बल्कि यह उस पार्टी के पतन की भी कहानी कह रहे हैं जिसके आईने में लाखों लोगों ने बदलाव का सपना देखा था ।दरअसल बड़ा कड़वा सच है कि रेत की नींव पर राजनीतिक महल की उम्र कितनी होती है? आम जनता एक अच्छी सरकार और विकास चाहती है,लेकिन राजनीति की धुंध में विकास ऐसा शब्द है,जो हमेशा खो जाता है ।स्वास्थ्य, शिक्षा, रोजगार, पीने का साफ पानी जैसे मुद्दे राजनीतिक अखाड़े में दम तोड़ देते हैं। आपको याद होगा कि 2005 के आसपास सूचना के अधिकार पर अरविंद केजरीवाल सक्रिय थे ।एक गंभीर लड़ाई लड़ रहे थे वह। तब सबने सोचना शुरू कर दिया कि काश,ऐसे लोग सक्रिय राजनीति में आ जाएं तो समाज, राज्य और देश की काया पलट सकती है।

सूचना के अधिकार पर सक्रिय लोग कुछ वर्ष के बाद अन्ना हजारे के आंदोलन के साथ लोकपाल के लिए सक्रिय दिखे। नौकरी करने वाले ढेर सारे लोगों ने नौकरी छोड़ दी। कॉलेज के विद्यार्थी तक अपनी पॉकेट खर्च बचाकर उन्हें ऑनलाइन चंदा भेज रहे थे। तब सब कुछ साफ-साफ था ।लेकिन क्या करें सत्ता का गणित कुछ ऐसा है कि उसमें सारी पारदर्शिता शून्य में बदल जाती है। चार हजार से अधिक वोटों से हारने वाले ये वही केजरीवाल हैं जिन्होंने मंच से कहा था,मेरे जिंदा रहते भारतीय जनता पार्टी दिल्ली में कभी चुनाव नहीं जीत सकती। ये अहंकार.वो भी राजनीति में।

चुनावों में मुस्लिम और दलित बहुल इलाकों में बड़ी जीत मिली थी,लेकिन इस बार दोनों ही इलाकों में आप से ये वोटर्स छिटकते नजर आए। दरअसल,दिल्ली में जब भी मुसलमानों पर संकट आया,आप मुखर होने की बजाय खामोश हो गई। इसके अलावा केजरीवाल ने बीच में कुछ ऐसे बयान भी दिए जो मुसलमानों को नागवार लगे। इसी लिए भाजपा के आने की सम्भावना के बाद भी चुनाव में मुसलमानों ने एकतरफा आप को सपोर्ट नहीं किया,जिसके कारण आप नजदीकी मुकाबले में पिछड़ गई। कांग्रेस से गठबंधन न करके भी आप ने बड़ी भूल की। दिल्ली में कांग्रेस भले ही कोई

हालांकि जनता में या कहिए समर्थकों को शुरू-शुरू में ये रास आया। केजरीवाल खुद को आंदोलन से उपजे नेता और कट्टर ईमानदार कहा करते थे। लेकिन अन्ना को दगा, राजनीति में न आने की कसम और मजबूत करीबियों का 'विश्वास' तो उन्होंने पहले ही खो दिया।

आप ने कैग की रिपोर्ट पर बहस कराने की बजाय इसे इग्नोर करने की कोशिश की। पूरे चुनाव में भ्रष्टाचार के मुद्दे की गूंज रही ।वहीं केजरीवाल सिर्फ लाभार्थी वोटरों के भरोसे थे ।केजरीवाल पिछले दो चुनाव से फ्री बिजली और पानी के जरिए अपनी राजनीति को आगे बढ़ा रहे थे। इसका ज्यादा फायदा उठाने वाला वर्ग मिडिल और लोअर क्लास के थे। दिल्ली के दंगल से पहले बीजेपी ने इन वोटरों को साध लिया ।पार्टी ने 12 लाख तक टैक्स फ्री कर अरविंद केजरीवाल का खेल कर दिया। वहीं आम आदमी पार्टी को पिछले 2 सीट जीतने में कामयाब न हुई हो और कई सीटों पर उसके उम्मीदवार अपनी जमानत तक नहीं बचा सके। लेकिन 14 सीटें ऐसी थी जहां कांग्रेस को मिले वोट आप की हार के अंतर से कहीं ज्यादा था। इसमें से कई सीटें मुस्लिम बाहुल्य थी,जहां मुसलमानों ने आप के बदले कांग्रेस को वोट कर दिया। अरविंद केजरीवाल और मनीष सिसोदिया की हार की वजह भी इन सीटों पर कांग्रेस उम्मीदवार ही थे। यहां तक की दिल्ली की मुख्यमंत्री आतिशी भी हारते हारते बची।

दिल्ली के नतीजों ने ये भी साबित कर दिया है कि देश की जनता को भाजपा के हिंदुत्व के अलावा और किसी का हिंदुत्व पसंद नहीं है ।जब उसे हिंदुत्व के मुद्दे पर ही अपनी सरकार चुन्नी है तो फिर भाजपा में क्या बुराई है जो खुल कर अपने को सनातन धर्म की रक्षक बताती है। देश में हिन्दुत्व की राजनीती में भाजपा अब इकलौती खिलाड़ी है,यहाँ तक कि उसने शिवसेना को भी बाहर कर दिया। कांग्रेस और अखिलेश यादव साफ्ट हिंदुत्व का प्रयोग कई बार कर चुके हैं लेकिन सफल नहीं हुए। केजरीवाल ने भी ऐसा ही प्रयोग कर रहे थे। दिल्ली में केजरीवाल की हार ये भी बता रही है कि देश में देश में क्षेत्रीय पार्टियों की पकड़ कमज़ोर हुई है। ओडिशा में नवीन पटनायक को बीजेपी ने पटखनी दी,बिहार में जेडीयू को जूनियर पार्टनर बना चुकी है, महाराष्ट्र में शिवसेना को कमज़ोर कर चुकी है,हरियाणा से आईएनएलडी निष्प्रभावी हो गया है, तेलंगाना में बीआरएस कमज़ोर हो चुकी है ।उत्तर प्रदेश और बिहार के कई प्रभावशाली छोटे दल पहले ही भाजपा के पाले में हैं। मज़ेदार बात ये है कि ये छोटे दल बड़े क्षेत्र में वोट बैंक रखते हैं लेकिन वह चुनावी जीत में इसे तभी बदल पाते हैं जब उनको भाजपा का साथ मिलता है। इस लिए वह भाजपा से सीटों की परफेक्ट सौदेबाजी नहीं कर पाते हैं ।अब कांग्रेस के पास मौका है कि वह दिल्ली और पंजाब में अपनी खोई हुई जमीन को फिर से वापस लेने की कोशिश करें। अरविंद केजरीवाल को मिली हार के बाद अब राहुल गांधी खुद को विपक्ष के सबसे बड़े चेहरे के रूप में आगे कर सकते हैं।

केजरीवाल की हार ने राहुल गांधी के लिए खुद को इंडिया ब्लॉक के स्वाभाविक नेता के रूप में स्थापित करने का रास्ता खोल दिया है ।वहीं केजरीवाल के भविष्य को लेकर भी राजनीतिक हलकों में चर्चा का दौर अभी से शुरू हो गया है। तरह तरह के कयास लगाए जा रहे हैं ।लेकिन ऐसा लगता नहीं कि बड़ी हार के बाद केजरीवाल पंजाब या फिर राज्यसभा का रूख करेंगे। वह दिल्ली में ही रह कर पार्टी के लिए मंथन करेंगे। लेकिन अब सबसे बड़ा सवाल यही है कि केजरीवाल अपनी लगभग खोई हुई,धूमिल हो चुकी छवि को कैसे सुधारेंगे। दरअसल जब आम आदमी पार्टी अगर खड़ी हुई थी,तो उसके पीछे अरविंद केजरीवाल की साख थी,जो उस समय किसी दूसरे राजनीतिज्ञों के पास नहीं थी ।एक मजबूत लीडरशिप थी। कट्टर ईमानदारी और इंसानियत का तमगा भी उनके पास था ।अरविंद केजरीवाल ने इसी के दम पर दिल्ली से लेकर पंजाब तक राज किया। फिर गुजरात में भी ताकत बढ़ाई। लेकिन अब उनकी इसी ताकत पर सवाल है। मॉडल स्टेट का सपना चकनाचूर हो गया है ।वह मोदी के गुजरात माडल का जवाब नहीं दे सके ।वे खुद अपनी सीट हार गए हैं। इसी लिए अब उनके सामने बड़ी चुनौती पंजाब,गोवा, गुजरात से लेकर अन्य राज्यों तक पार्टी को एकजुट बनाए रखने की बड़ी चुनौती होगी।

गुलियन-बैरी सिंड्रोम सरकार अलर्ट मोड पर

सेहत

अशोक भाटिया

लेखक स्वतंत्र पत्रकार हैं।

मुंबई शहर में गुइलेन-बैरे सिंड्रोम के कारण पहली मृत्यु की सूचना मिली है। इससे इस बीमारी से मरने वालों की संख्या आठ हो गई है। वडाला निवासी 53 वर्षीय मृतक की पहचान बीएन देसाई अस्पताल में वार्ड बॉय था। उन्हें नायरअस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उन्हें वेंटिलेटर पर रखागया, लेकिन रिपोर्टों के अनुसार अंततः उनकी बीमारी से मृत्युहो गई। कुछदिन पहले यह खबर सामने आई थी कि मुंबई में एक 64 वर्षीयमहिला इस बीमारी से संक्रमित हो गई है। यह मृत्यु इस सिंड्रोम से पीड़ित पहले रोगीके पता चलने के कुछ ही दिनों बाद हुई। इस महिला को दस्त और बुखार था। इसके बाद पक्षाघातहुआ, जो इस रोग का एक प्रमुख लक्षण है। एक रिपोर्ट के अनुसार, अकेलेपुणे में गिलियन-बैरे सिंड्रोम के संदिग्ध और पुष्ट मामलों की संख्या 197 तक पहुंच गई है। यह जानकारी पांच और मरीज पाए जाने के बाद सामने आई। महाराष्ट्र में कुल मौतों की संख्या आठ हो गई है।

महाराष्ट्र में गुलियन-बैरीसिंड्रोम इसके ज्यादातर मामले पुणे और इसके आस-पास के इलाकों में देखने को मिल रहे हैं। असम में भी इसके कुछ मामले सामनेआएं हैं। बता दें कि पहले राज्य के पुणे से ही गुइलेन-बैरे सिंड्रोम के मामलेसामने आ रहे थे। हालांकि, पुणे के बाद अब नागपुर में भी इस बीमारी के मरीज बढ़ रहे हैं। जानकारी के मुताबिक, दो मरीजों को वेंटिलेटर पर रखा गया है। गुइलेन-बैरे सिंड्रोम केमामले के सामने आने के बाद नागपुर सहित विदर्भ के सरकारी अस्पताल अलर्ट मोड पर आगए हैं। लोगों को डॉक्टर की सलाह बिना दवाई ना लेने की सलाह दी गई है।

इससे होने वाली मौतों की वजहसे लोगों में इसे लेकर डर का माहौल हैं। एम्स के पीडियाट्रिक न्यूरोलॉजिस्ट डॉक्टर विजयशर्मा बताते है कि गुलियन -बैरी सिंड्रोम जिसे शॉर्ट में जीबीएस कहते हैं एक रेयर न्यूरोलॉजिकल डिसऑर्डर है, जिसके मामले आमतौर पर हर एक लाख लोगों में से एक या दो में देखने को मिलते हैं। इसबीमारी में हमारा इम्यून सिस्टम ही हमारी पेरिफेरल नर्व्स पर हमला कर देता है।

दरअसल हमारा शरीर किसी इंफेक्शन से लड़ने के लिए जो एंटीबॉडीज बनाता है वो नसों के ऊपर की कवरिंग जिसे मायलिन शीथ कहते हैं उस पर हमला करने लगते हैं। जिसकी वजह से मांसपेशियां कमजोर हो जाती हैं और हमारे हाथ-पैर ठीक से काम करना बंद कर देते हैं। इस बीमारी को जीबीएस कहते हैं जो एक बहुत रेयर बीमारीहै। जीबीएस बीमारी संक्रामक नहीं है लेकिन यह बीमारी जिस कारण से हो रही है वो अगर बढ़ जाए तो जीबीएस के मरीजों की संख्या भी बढ़ने लगेगी। इसलिए यह आउटब्रेक ज्यादातर वॉटर बर्न इंफेक्शन, या गंदे हाथ का इस्तेमाल करने से या गंदे खाने से होता है। अगर इन वजह से आपको कोई इंफेक्शन होता है तो आपकी बॉडी उससे लड़ने के लिए एंटीबॉडी बनाती है। एंटीबॉडी उस इंफेक्शन का तो काम तमाम कर देती है,लेकिन फिर ये एंटीबॉडी हमारे शरीर में जो नर्व्स हैं उनको फॉरेन बॉडी समझ के उनपर भी अटैक करने लगती है। इस बीमारी को जीबीएस कहते हैं। आमतौर पर इस बीमारी में ब्रेन इंवॉल्वमेंट नहीं होता है। यह शुरू होता है पैरों की कमजोरी से और धीरे-धीरे फिर यह ऊपर की ओर बढ़ता है, जिससे हमें हाथों में भी कमजोरी महसूस होने लगती है फिर हमारे सांस लेने के रेस्पिरेटरी मसल्स को भी यह अफेक्ट करने लगता है, जिसकी वजह से मरीज को सांस लेने में दिक्कत होने लगती है, शरीर के दूसरे अंगों पर भी इसका असर पड़ सकता है। मान लीजिए आपको कैम्पिलोबैक्टर इन्फेक्शन या पेटइंटेस्टाइनल इंफेक्शन हुआ और आप उससे ठीक भी होने लगते हैं लेकिन उसके बाद जब एंटीबॉडी आपकी नर्व्स पर हमला करने लगती है, इसकी वजह से सबसे पहले जो जीबीएस के लक्षण नजर आते हैं वो हैं पैरों में कमजोरी, दर्द, खड़े होने में दिक्कत महसूस होना, चलने में दिक्कत होना।

डॉक्टर ने बताया कि इन्फेक्शन होने के हफ्ते दो हफ्ते बाद ही नर्व्स सिस्टम के कमजोर होने पर इसके लक्षण नजर आने लगते हैं, क्योंकि सर्दी, खांसी, पेट खराब जैसी बीमारियां तो आमतौर पर होती रहती हैं और ठीक भी हो जाती है। लेकिन जब मरीज को कमजोरी या दर्द होने लगे पैर में और यह कमजोरी हर दिन बढ़ रही हो तो उसे तुरंत डॉक्टर के पास जाना चाहिए। ये कमजोरी नीचे से ऊपर की ओर बढ़ती है। आमतौर पर इसकी शुरुआत पैरों से होती है फिर जांघों में उसके बाद कमर में फिर हाथों में महसूस होने लगती है। धीरे-धीरे सांस लेने में भी मरीज को तकलीफ महसूस होने लगती है क्योंकि इसका असर रेस्पिरेटरी मसल्स पर भी पड़ने लगता है। इस वजह से मरीज को वेंटिलेटर पर रखना पड़ता है। एक और इंपॉर्टेंटइन्वेस्टिगेशन है वो है नर्वकंडक्शन स्टडी। इसमें हम देखते हैं कि मस्तिष्क से जो इलेक्ट्रिकल एक्टिविटी आ रही है वो कितनी तेजी से हाथों और पैर के निचले हिस्सों में पहुंचती है। अगर उसकी स्पीड कम हो जाती और उसकी वोल्टेज भी कम होता है तो जीबीएस हो सकता है। इसके अलावा हम रीड की हड्डी में जो पानी होता है उसको निकाल भी जांच करते हैं कि जीबीएस है कि नहीं।

जैसा कि आपको बताया कि एंटीबॉडीज पेरिफेरल नर्व्स के ऊपर जो कवरिंग होती है उसे अटैक करने लगते हैं, तो वहां अगरहम इन एंटीबॉडीज को टिकने नहीं दे तो यह इसका एक इलाज है। इसके लिए हम लोग इंट्रावीनस इम्यूनोग्लोबुलिन देते हैं, ये नर्व के ऊपर जोकवरिंग के रिसेप्टर्स है उससे ये बना बनाया एंटीबॉडी अटैच हो जाता है, जिससे जो जीबीएस वाली एंटीबॉडी है वो वहां अटैच नहीं हो पाते हैं। इस तरह बीमारीको बढ़ने से रोक लिया जाता है। लेकिन जरूरी है कि ये इलाज जल्दी शुरू किया जाए ताकि ज्यादा फायदा हो सके और इससे हमलोग इस बीमारी की गंभीरता को भी कम कर सकते हैं। यह एक सबसे इंपॉर्टेंट शुरुआती इलाज है इसके अलावा और भी कई इलाज है।

एक इलाज है प्लाज्मा फेरेसिस इसमें हम मरीज के खून को निकाल के स्पेशल फिल्टर से गुजारने के बाद फिर पंप बैक कर देते हैं। इस तरह जीबीएस वाले एंटीबॉडीज को हटा लिया जाता है। इसके अलावा इलाज के लिए हम कभी-कभी स्टेरॉयड का भी इस्तेमाल करते हैं। स्टेरॉइड इंफ्लेमेशन को कम करता है जिससे जीबीएस वाले एंटीबॉडी की संख्या कम होने लगती है। जीबीएस के यह तीन मुख्य इलाज हैं जिससे हम बीमारी की गंभीरता को कम कर सकते हैं।

इस बीमारी से ठीक होने में हफ्तों से महीने लग सकते हैं। ये डिपेंड करता है कि पेशेंट की बॉडी कितनी जल्दी रिकवर हो रही है या जोमाइलिन की परत डैमेज हो चुकी है वह कितने जल्दी ठीक होरही है। जीबीएस की कोई वैक्सीनेशन नहीं है लेकिन हमारा शरीरइंफेक्शन से लड़ने के लिए जो एंटीबॉडीज बनाता है जो बादमें माइलिन शीथ को डैमेज करने लगती है उन एंटीबॉडीज कीसंख्या या क्वांटिटी कम करने के लिए हम लोग इम्यूनोग्लोबुलिन का इस्तेमाल करते हैं जो काफी महंगा होता है। लेकिन यह जीबीएस की वैक्सीन नहीं है। गुइलेन-बैरे सिंड्रोम से बचने के उपाय के बारे में डॉक्टर बताते है कि घर का बना खाना खाएं। बाहर खाने से बचें।उबाल कर या फिल्टर करके पानी पिएं। हाथों को अच्छी तरह धोने के बाद ही खाना खाएं। अगर आपको शरीर में कमजोरी, दर्द या झनझनाहट महसूस हो, तो तुरंत डॉक्टर से संपर्क करें। साफ-सफाई का ख्याल रख के पेट खराब या गैस्ट्रो इंटेस्टाइनल इंफेक्शन और कॉमन फ्लू वायरस जैसे रेस्पिरेटरी इंफेक्शन से बचने की कोशिश करें।

महाराष्ट्र में सरकार जीबीएस को लेकर काफी गंभीर हो गई है। हाल की एक बैठक में मेडिकल एजुकेशन मिनिस्टरहसन मुश्रीफ ने कहा कि इस मामले में राज्य सरकार द्वारा एसओपी तैयार किया गया है। पुणे , नागपुर और सोलापुर में ही जीबीएस के मामले सामने आए हैं। दूषित पानी की वजहसे जीबीएस बीमारी फैल रही है। इस बीमारी से निपटने के लिए एक टास्क फोर्स का भीगठन किया गया है। केंद्र सरकार की टीम के साथ मिलकर राज्य सरकार की स्वास्थ्य विभाग की टीम काम कर रही है। अधिकारियों द्वारा इसे लेकर कहा जा रहा है कि इस बीमारी से डरने की कोई जरूरत नहीं है।

हमारा परिचय है बातचीत का तौर-तरीका

दृष्टिकोण

राजेंद्र बज

लेखक स्तंभकार हैं।

परस्पर बातचीत का तौर तरीका, प्रयुक्त शब्दावली और मुखमंडल के हाव भाव के चलते आदमी के संपूर्ण व्यक्तित्व का काफी हद तक पता चल जाता है। परस्पर संबंधों की प्रगाढ़ता भी इसी आधार पर सुनिश्चित होती है। आदमी के अंतर्मन की पहचान कराने में बातचीत के अंदाज की निर्णायक भूमिका रहा करती है । कभी किसी से हुई बातचीत हमारे अपने जीवन की दशा और दिशा को ही बदल दिया करती है। बातचीत ही एक ऐसा माध्यम है जिसके आधार पर हम अपने मन की बात सामने वाले से मना सकते हैं। वैसे यह सब इतना आसान नहीं होता। दरअसल बातचीत की कला में पारंगत होना, हर किसी को अपने-अपने क्षेत्र में विशिष्ट मुकाम तक ले जाने में सहायक सिद्ध होता है।

सामान्य तौर पर बातचीत का कोई पूर्व निर्धारित विषय नहीं होता। बात पर से बात निकल जाती है और देखते ही देखते दूर तक चली जाती है। निर्धारित विषय पर बातचीत आदमी के ज्ञान एवं कौशल के स्तर का निर्धारण करती है। लेकिन कथन की प्रभावशीलता तो बातचीत के हुनर पर ही निर्भर करती है। अन्यथा महत्वपूर्ण बात भी सामान्य तौर पर लेने में आ जाती है। हर किसी बात में बात का क्रमिक विकास अत्यंत महत्वपूर्ण होता है। प्रारंभिक औपचारिकताओं के पश्चात विषय की महत्ता के अनुरूप क्रमबद्ध तरीके से कही गई बात अपना व्यापक प्रभाव छोड़ती है बातचीत का सिलसिलेवार होना अत्यंत महत्वपूर्ण स्थान रखता है। इसके अभाव में कोई भी बातचीत सार्थक नहीं हो सकती।

कुछ लोग साधारण से साधारण बात को भी इस अंदाज से कह जाते हैं कि सामने वाले पर उसका गहरा प्रभाव पड़ता है। और कुछ ऐसे भी होते हैं जो बड़ी से बड़ी बात को बहुत ही सहजता के साथ कह जाते हैं। केवल और केवल ज्ञान ही पर्याप्त नहीं होता। ज्ञान के साथ-साथ उसका प्रस्तुतिकरण भी बहुत अधिक मायने रखता है। व्यवहार में देखा गया है कि अलग-अलग क्षेत्र के प्रकांड विद्वान भी बातचीत की प्रक्रिया में अपनी विद्वता के अनुरूप छाप नहीं छोड़ पाते। इसके विपरीत कुछ ऐसे भी होते हैं जो अपूर्ण ज्ञान एवं कौशल के बावजूद अपनी कथन शैली से सामने वाले को अपना मुरीद बना लेते है। कभी-कभी देशकाल और परिस्थिति भी बातचीत के स्वरूप को सुनिश्चित करने में सहायक सिद्ध होती है। आजकल के बाजारवादी युग में सेल्समैनशिप का महत्व दिनोंदिन बढ़ता जा रहा है। इसी तर्ज पर किसी के सम्मुख अपनी बात रखना, अपने विचारों की गंभीरता पर बल देना और अपनी धारणा से सामने वाले की धारणा अपने अनुरूप बनाना, यह सब वाकचातुर्य पर ही निर्भर करता है। दरअसल विद्वता का मान भी तब ही हुआ करता है जब विद्वतापूर्ण बातों को सलीके के साथ प्रस्तुत किया जाए। अन्यथा सुनी और पढ़ी गई मुद्दे की बात भी किसी को समझ में नहीं आ सकती। ऐसे में लेखन हो या वार्तालाप, सर्वथा निरर्थक सिद्ध हो जाता है। हर एक बातचीत एक दूसरे के अंतर्मन में एक दूसरे के स्थान को भी रेखांकित करती है। आदमी परस्पर बातचीत करते हुए ही एक दूसरे को गहराई से समझ सकता है।

सामान्य तौर पर बातचीत की शुरुआत औपचारिक रूप से होती है, लेकिन विषय पर विषय और विषय में से विषय निकलकर बातचीत को सार्थक कर देते हैं। वैसे कभी-कभी बातचीत निरर्थक भी हो सकती है, लेकिन ऐसी बातचीत भी उभय पक्ष द्वारा एक दूसरे को समझने का मार्ग प्रशस्त कर जाती है। कहा जाता है कि किसी आदमी का बाहरी व्यक्तित्व कुछ भी हो, लेकिन जब वह अपने मुखारविंद से जो शब्द प्रस्फुटित करता है, वह क्या है और कैसा है, यह पता चलने लगता है। बातचीत परस्पर काम की हो या बिना काम की हो , लेकिन हर एक बातचीत एक दूसरे के बारे में बहुत कुछ उद्घाटित करती है। बातचीत का हर एक शब्द और हर एक लहजा बहुत कुछ कह जाता है। कई बार यह जरूरी नहीं होता कि एक ही बार में कोई बातचीत किसी निश्चित निष्कर्ष पर पहुंचे। कुछ एक मामलों में अनेक स्तर पर बातचीत की प्रक्रिया को मूर्त रूप दिया जाता है। ऐसी स्थिति में हर स्तर की बातचीत की सार्थकता क्रमबद्ध तरीके से परवान चढ़ा करती है। लेकिन ऐसी बातचीत आमतौर पर राजनीतिक या व्यावसायिक ही हुआ करती है। फिर भी ऐसी बातचीत, बातचीत के सामान्य स्वरूप के अनुरूप ही हुआ करती है। किसी भी विषय अथवा संदर्भ के चलते की गई बातचीत में बात में से बात निकलते हुए किसी भी मुकाम तक जा सकती है। इसलिए बातचीत के तौर तरीके में प्रत्युत्पन्नमति का भाव भी अत्यंत महत्वपूर्ण होता है।

जब कहीं कोई बात उलझ जाती है, बातचीत के माध्यम से सुलझाने का प्रयास किया जाता है। लंबे समय से अनसुलझी समस्याओं को सुलझाने की दिशा में बातचीत का सिलसिला अनवरत रूप से चला करता है। इसके चलते समस्या चाहे न भी सुलझे, लेकिन समस्या के सुलझने के आसार बने रहते है। सार यह कि परस्पर बातचीत की प्रक्रिया गंभीर से गंभीर विषय पर गंभीर सोच की परिचायक होती है। एक प्रकार से बातचीत का सिलसिला आखिरकार किसी न किसी मुकाम पर पहुंचता ही है। दरअसल बातचीत का सिलसिला जारी रहे तो अनावश्यक तनावों से भी मुक्ति मिल सकती है।

स्वामी, सुबह सवेरे मीडिया एल.एल.पी. के लिए प्रकाशक एवं मुद्रक उमेश त्रिवेदी द्वारा श्री सिद्धीविनायक प्रिंटर्स, प्लॉट नं. 26-बी, देशबंधु परिसर, प्रेस कॉम्पलेक्स, जोन-1, एम.पी.नगर, भोपाल, म.प्र. से मुद्रित एवं डी-100/46, शिवाजी नगर भोपाल से प्रकाशित।

प्रधान संपादक
उमेश त्रिवेदी
कार्यकारी प्रधान संपादक
अजय बोकिल
संपादक (मध्यप्रदेश)
विनोद तिवारी
वरिष्ठ संपादक
पंकज शुक्ला
प्रबंध संपादक
अरुण पटेल
(सभी विवादों का न्याय क्षेत्र भोपाल रहेगा)
RNI No. MPHIN/ 2003/ 10923,
Ph. No. 0755-2422692, 4059111
Email- subahsaverenews@gmail.com

'सुबह सवेरे' में प्रकाशित विचार लेखकों के निजी मत हैं। इनसे समाचार पत्र का सहमत होना आवश्यक नहीं है।

व्यंग्य

सुदर्शन कुमार सोनी

लेखक व्यंग्यकार हैं।

घसीटा लिखावट डॉक्टर का मूलभूत अधिकार

शीर्ष कोर्ट ने एक मेडिको लीगल केस की सुनवाई में डॉक्टर की पोस्टमार्ट्म रिपोर्ट अपठनीय होने से किसी निष्कर्ष तक पंहुचने में हो रही कठिनाई के कारण टिप्पणी की कि डॉक्टरों की लिखावट भयावह व खतरनाक है। मरीज के बाद अब जज भी इससे परेशान हैं। आम मरीज लाख कोशिश कर ले पर अपने डॉक्टर के पर्चे का लिखा पढ़ नही पाएगा। पर केमिस्ट की दुकान पर जाते ही वह फटाक से लिखी दवाईयां निकालकर आपके सामने रख देता है। कई बार तो वह पर्चा ठीक से पढ़ता भी नही है। बस उस पर एक तिरछी नजर मारता है। केमिस्ट में ऐसा क्या खास है कि जो आम आदमी नही बूझ पाता उसे पलक झपकते सूझ जाता है। कह सकते हैं कि डॉक्टर का पर्चा एक ऐसी शार्टहैंड भाषा में लिखा जाता है जिसे कि केमिस्ट रूपी स्टेनो ही पढ़ पाता है। डॉक्टर की घसीटा लिखाई चाय की प्याली में तूफान की तरह पर्चे में आया भूचाल है। डॉक्टर की लिखावट तूफान की हवा समान है जो कि मरीज के पकड़ में नही आती। गंगाधर ने एक बार गूगल लेंस से डॉक्टर के पर्चे का स्कैन किया तो मैसेज आया नथिंग इज हियर। कई बार तो बाद में डॉक्टर स्वयं भी अपना लिखा नही समझ पाता। वह उल्टे मरीज से पूछता है कि केमिस्ट ने कौन सी दवा दी।

डॉक्टर जब तक केवल मेडिकल छात्र था तब तक तो उसकी लिखावट सही रहती है। आखिर उसे परीक्षा भी तो पास करना थी। लिखावट बिगड़ने का ऐब उसके प्रिस्क्रिप्शन लिखना शुरू होने के बाद ही लगता है। क्योंकि अब उसे कोई परीक्षा नही देना है।

उडी़सा हाईकोर्ट ने भी फरवरी 2024 में एक मेडिको लीगल केस में इस बात का संज्ञान लेकर सरकार को आदेश दिए थे कि डॉक्टरों को साफ व स्वच्छ शब्दों में या केपिटल अक्षरों में लिखने के निर्देश जारी किए जाए। उस समय भी पीठासीन जज महोदय एक स्नेक बाईट की पोस्टमार्ट्म रिपोर्ट में चिकित्सक की घसीटा अपठनीय लिखाई के कारण केस का फैसला नही कर पा रहे थे। डॉक्टरस् डे पर मरीजों के लिए पर्चे पढ़ने की एक प्रतियोगिता आयोजित होनी चाहिए। पर इसमें केमिस्टस् का भाग लेना प्रतिबंधित होगा। जो पर्चा पढ़ लेगा डॉक्टर कम्युनिटी उसका सम्मान करने के साथ ही साल भर मुफ्त में इलाज करेगी।

गंगाधर एक दो ऐसे विरले डॉक्टरों को भी जानता है कि जिनका लिखा पर्चा आम मरीज आराम से पढ़ लेता है। मेडिकल बिरादरी इन्हे धिक्कारती होगी। केमिस्ट को भी ऐसे पर्चे देखकर फीलगुड नहीं होता।

मरीज के लिए मोहन जोदडो़ हडप्पा की लिपि की तरह ही डॉक्टर का पर्चा होता है कि मरीज सदियों से इसे समझने की असफल कोशिश कर रहा है। जिन डॉक्टरों व केमिस्ट के बीच दांत काटी रोटी होती है। ऐसे डाक्टरों के पर्चे को केमिस्ट पढ़ता ही नही बस पर्चे के घसीटा साहित्य की एक फोटो सी अपनी आंखों में खेंचता है और दवा सांय से चलती हवा के माफिक आपके सामने पेश हो जाती है ।एक तरह से यह एक कोड भाषा होती है जो कि केमिस्ट रूपी सीक्रेट एजेंट ही समझ सकते हैं। केमिस्ट वो शख्स है जिसने की डॉक्टरों की घसीटा लिखाई में पीएचडी की हो। एआई के सामने भी भारतीय डॉक्टर का पर्चा लाया जाए तो एरर 404 का मैसेज आएगा।

गंगाधर तो सोचता है कि यदि डॉक्टर अपनी प्रेमिका को प्रेम पत्र लिखता होगा तो वह पढ़वाने समीप के केमिस्ट के पास जाती होगी। बैंकरस् बताएं कि क्या डॉक्टर के लिखे चैक सबसे ज्यादा निरस्त होते हैं ? भारत में सारे कानून भी ऐसी जटिल भाषा में बने हैं कि उनको पढ़ते ही आम आदमी सिरदर्द की दवा खोजने लगता है। अतः इसे समझने वो कानून के डॉक्टर वकील के पास जाए। वकील व डॉक्टर में वैसे अंतर मात्र 6 फीट का ही होता है। वकील की एक भूल से मुविक्कल जमीन के 6 फीट ऊपर लटक तो डॉक्टर की एक भूल से 6 फीट नीचे दफन हो जाता है। इंजीनियर का भी तो एक ट्रेड सीक्रेट होता है। एस्टीमेट व मूल्याकंन उसके या दूसरे इंजीनियर के अलावा और कोई नहीं समझ सकता।

चलती ट्रेन में लिखने वाले टीटी तक की लिखावट आसानी से समझ में आ जाती है। पर कुर्सी पर बैठ कर लिखने वाले डॉक्टर की नही। हर ट्रेड का एक सीक्रेट होता है। तो ये घसीटा लिखाई भी एक ट्रेड सीक्रेट है वैसे भी अब मेडिकल प्रोफेशन एक ट्रेड ही है।

मुद्दा

नृपेन्द्र अभिषेक नृप

लेखक स्तंभकार हैं।

हास्य या अश्लीलता? जब कॉमेडी मर्यादा लांघने लगे

हास्य का उद्देश्य केवल हँसी-मज़ाक करना नहीं होता, बल्कि वह समाज में तनाव कम करने, लोगों को जोड़ने और मानवीय संवेदनाओं को हल्का करने का एक महत्वपूर्ण साधन भी होता है। भारतीय हास्य परंपरा हमेशा सभ्यता और शालीनता के दायरे में रही है। चाहे वह हरिशंकर परसाई की व्यंग्यात्मक शैली हो या राजू श्रीवास्तव के सामाजिक मुद्दों पर आधारित चुटकुले, इनमें कहीं भी अश्लीलता, द्विअर्थी संवाद या अभद्र भाषा का प्रयोग नहीं था। इसके बजाय, ये हास्य कलाकार समाज की कमजोरियों को इस तरह उजागर करते थे कि लोगों को अपनी ही कमियों पर हँसने की प्रेरणा मिलती थी। लेकिन आज के दौर में कुछ स्टैंड-अप कॉमेडियन हास्य को सिर्फ एक भौंडे मजाक में बदल रहे हैं, जिसमें मर्यादा, शिष्टता और नैतिकता को दरकिनार कर दिया गया है।

भारत में हास्य और व्यंग्य की परंपरा सदियों पुरानी है। यह न केवल मनोरंजन का साधन रहा है, बल्कि समाज में व्याप्त विकृतियों और विसंगतियों पर तीखा प्रहार करने का एक सशक्त माध्यम भी रहा है। हिंदी साहित्य में भारतेन्दु हरिश्चन्द्र, हरिशंकर परसाई, शरद जोशी और काका हाथरसी जैसे लेखकों ने हास्य-व्यंग्य की परंपरा को समृद्ध किया, तो मंचीय कवियों में सुरेंद्र शर्मा और शैल चतुर्वेदी जैसे नाम लोकप्रिय हुए। इसके बाद फिल्म और टेलीविजन के दौर में जॉनी वॉकर, महमूद, राजू श्रीवास्तव, सुनील ग्रोवर और कपिल शर्मा जैसे कलाकारों ने हास्य को जन-जन तक पहुँचाया। लेकिन बीते कुछ वर्षों में, विशेषकर सोशल मीडिया और स्टैंड-अप कॉमेडी के उभार के साथ, एक नई प्रवृत्ति सामने आई है-हास्य के नाम पर बढ़ती हुई अश्लीलता। रणवीर इलाहाबादी जैसे कुछ स्टैंड-अप कॉमेडियन का विवाद इस प्रवृत्ति का सबसे ताज़ा उदाहरण है।

हास्य का उद्देश्य केवल हँसी-मज़ाक करना नहीं होता, बल्कि वह समाज में तनाव कम करने, लोगों को जोड़ने और मानवीय संवेदनाओं को हल्का करने का एक महत्वपूर्ण साधन भी होता है। भारतीय हास्य परंपरा हमेशा सभ्यता और शालीनता के दायरे में रही है। चाहे वह हरिशंकर परसाई की व्यंग्यात्मक शैली हो या राजू श्रीवास्तव के सामाजिक मुद्दों पर आधारित चुटकुले, इनमें कहीं भी अश्लीलता, द्विअर्थी संवाद या अभद्र भाषा का प्रयोग नहीं था। इसके बजाय, ये हास्य कलाकार समाज की कमजोरियों को इस तरह उजागर करते थे कि लोगों को अपनी ही कमियों पर हँसने की प्रेरणा मिलती थी। लेकिन आज के दौर में कुछ स्टैंड-अप कॉमेडियन हास्य को सिर्फ एक भौंडे मज़ाक में बदल रहे हैं, जिसमें मर्यादा, शिष्टता और नैतिकता को दरकिनार कर दिया गया है।

पिछले कुछ वर्षों में स्टैंड-अप कॉमेडी का एक नया स्वरूप उभरा है, जिसमें कलाकार मंच पर खड़े होकर अपनी व्यक्तिगत ज़िंदगी, सेक्स, रिश्तों और राजनीति पर तीखे कटाक्ष करते हैं। हालांकि यह शैली पश्चिमी देशों में अधिक प्रचलित रही है, लेकिन भारत में भी इसे तेजी से अपनाया जाने लगा है। कुछ स्टैंड-अप कॉमेडियन, दर्शकों को हँसाने के लिए अपशब्दों, गालियों और सेक्सुअल कंटेंट का सहारा लेने लगे हैं। वे मानते हैं कि जब तक वे चौंकाने वाली बातें नहीं कहेंगे, तब तक लोग हँसेंगे नहीं। रणवीर इलाहाबादी का मामला इसी कड़ी में जुड़ा है, जहाँ उन पर लोगों के भावनाओं को ठेस पहुँचाने और अभद्र भाषा के प्रयोग के आरोप लगे हैं। यह विवाद इस बात को दर्शाता है कि समाज में एक बड़ा वर्ग ऐसा भी है जो इस तरह की कॉमेडी को अनुचित मानता है।

भारत एक सांस्कृतिक रूप से संवेदनशील देश है। यहाँ परिवार के साथ बैठकर मनोरंजन का आनंद लेने की परंपरा रही है। टेलीविजन पर आने वाले हास्य शो, जैसे 'द ग्रेट इंडियन लाफ्टर चैलेंज' या 'कॉमेडी नाइट्स विद कपिल', भले ही कभी-कभी व्यंग्यात्मक होते हैं, लेकिन उनमें परिवार के साथ बैठकर देखने लायक सामग्री होती थी। हालाँकि, कुछ ऑनलाइन स्टैंड-अप कॉमेडियन अपने शो में इस सीमा को पार कर जाते हैं और सीधे-सीधे गाली-गलौच व यौन सामग्री परोसने लगते हैं। पश्चिमी देशों में यह प्रथा आम हो सकती है, लेकिन भारतीय समाज में इसे स्वीकार करना आसान नहीं है। यहाँ आज भी अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का अर्थ सामाजिक मर्यादाओं के भीतर ही देखा जाता है। जब हास्य की सीमा पार करके वह अश्लीलता और अभद्रता में बदल जाता है, तो यह समाज में असहजता और असहमति को जन्म देता है।

आजकल डिजिटल प्लेटफॉर्म्स और सोशल मीडिया ने मनोरंजन के नए आयाम खोल दिए हैं। यूट्यूब, इंस्टाग्राम, और ओटीटी प्लेटफॉर्म्स पर कंटेंट क्रिएटर्स को सेंसरशिप का डर नहीं रहता, इसलिए वे खुलकर बोलते हैं। उन्हें पता है कि विवादित कंटेंट से उनकी लोकप्रियता बढ़ेगी और उनके वीडियो अधिक वायरल होंगे। ऐसे में, कई कॉमेडियन यह तर्क देते हैं कि उनकी कॉमेडी एक तरह की 'सत्य बोलने की कला' है, लेकिन वास्तव में वे केवल सनसनीखेज और उत्तेजक सामग्री परोसकर अपनी लोकप्रियता बढ़ाने की कोशिश करते हैं। कुछ कॉमेडियन तर्क देते हैं कि जब बॉलीवुड की फिल्मों में द्विअर्थी संवाद और अश्लीलता को जगह दी जाती है, तो स्टैंड-अप कॉमेडी को क्यों रोका जाए? लेकिन यह तर्क उचित नहीं है, क्योंकि किसी भी माध्यम में यदि समाज की नैतिकता और मर्यादा को ताक पर रखकर मनोरंजन किया जाएगा, तो यह समाज के लिए दीर्घकालिक रूप से हानिकारक होगा।

भारतीय समाज में हास्य की एक समृद्ध परंपरा रही है, जिसे बनाए रखना आवश्यक है। अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का यह अर्थ नहीं कि समाज में असभ्यता को बढ़ावा दिया जाए। कला और अभिव्यक्ति का कार्य समाज को जोड़ना है, न कि उसे बांटना या भड़काना। कॉमेडी को भी इस बात का ध्यान रखना होगा कि वह मनोरंजन के नाम पर नैतिकता और सभ्यता की सीमा न लांघे। सरकार और डिजिटल प्लेटफॉर्म्स को भी इस दिशा में कदम उठाने होंगे। यदि फिल्मों और टीवी कार्यक्रमों के लिए सेंसर बोर्ड हो सकता है, तो स्टैंड-अप कॉमेडी और ऑनलाइन कंटेंट के लिए भी कुछ दिशा-निर्देश बनाए जाने चाहिए, ताकि हास्य अभद्रता की सीमा को पार न करे।

हास्य का उद्देश्य केवल हँसाना नहीं, बल्कि समाज में सकारात्मकता और जागरूकता लाना भी होता है। लेकिन जब यह हास्य अश्लीलता और अभद्रता में बदल जाता है, तो यह अपना मूल उद्देश्य खो देता है। भारत में हास्य को हमेशा एक उच्च स्थान प्राप्त रहा है, लेकिन वर्तमान में कुछ स्टैंड-अप कॉमेडियन इसे गंदे चुटकुलों, गालियों और असभ्य बातों का माध्यम बना रहे हैं। यह प्रवृत्ति समाज के नैतिक मूल्यों को नुकसान पहुँचा सकती है।

अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता और मनोरंजन के अधिकार का सम्मान करते हुए भी, यह आवश्यक है कि हास्य की मर्यादाओं का पालन किया जाए। यदि कॉमेडी समाज को जोड़ने और स्वस्थ मनोरंजन देने का काम करे, तो वह वास्तव में अपने उद्देश्य को पूरा करेगी। लेकिन यदि यह केवल विवाद और सनसनीखेजता पर आधारित हो, तो यह न केवल हास्य की गरिमा को ठेस पहुँचाएगी, बल्कि समाज में एक नकारात्मक प्रभाव भी डालेगी। इसलिए, हास्य को हमेशा शालीनता और गरिमा के साथ प्रस्तुत किया जाना चाहिए, ताकि यह समाज के लिए सकारात्मक ऊर्जा का स्रोत बना रहे।

विश्व रेडियो दिवस

डॉ. रमेश ठाकुर

रेडियो के प्रति अभिरुचि नहीं होगी कभी कम?

सरकार भारत सरकार रेडियो के नाम मुकर्रर है आज का दिन। सालाना 13 फरवरी को न सिर्फ भारत में, बल्कि समूचे संसार में 'अंतर्राष्ट्रीय रेडियो दिवस' के रूप में मनाया जाता है। यूनेस्को में 3 नवंबर, 2011 को आयोजित हुई 36वीं आमसभा में इस दिन को मान्यता प्रदान की गई। मार्डन समय में टीवी-डिजीटल के दौर में भी रेडियो ने अपनी जगह बनाई हुई है। मौजूदा पीढ़ी बेशक थोड़ी बहुत अंजान हो, लेकिन संसार रेडियो को सुनकर ही बड़ा हुआ है। इसलिए उसकी अहमियत को जानता हैं। पिछले वर्ष-2024 की थीम 'सूचना देने, मनोरंजन करने और शिक्षित करने वाली एक सदी' थी जिसका उद्देश्य रेडियो के उल्लेखनीय अतीत, प्रासंगिकता वर्तमान और गतिशील भविष्य पर व्यापक प्रकाश डालना था। वहीं, इस वर्ष-2025 की थी है, 'रेडियो के अद्वितीय मूल्य की ओर ध्यान आकर्षित करना'।

इस दिवस पर मुहर तभी लगी थी, जब स्पेन रेडियो अकादमी' ने 13 फरवरी को 'विश्व रेडियो दिवस' मनाने का प्रस्ताव सबसे पहले रखा था। इसके पीछे उनकी सोच थी कि रेडियो दिवस जैसे खास दिन के जरिए रेडियो के प्रति लोगों में जागरूकता फैलाई जाती रहेगी। हालांकि, विभिन्न तरह की सूचना और मनोरंजन की असंख्य विधाएँ कितनी ही क्यों न उपलब्ध हो जाएं, रेडियो की प्रासंगिकता कभी कम नहीं होगी। 13 फरवरी वह तारीख थी, जब 1946 में अमेरिका में पहली बार रेडियो ट्रांसमिशन से संदेश भेजा गया था और संयुक्त राष्ट्र ने रेडियो की शुरुआत करी। विश्व के ऐसे कई छोटे मुल्क हैं, जो अब भी काफी पिछड़े हुए हैं, वो सूचनाओं के आदान-प्रदान के लिहाज से आधुनिक युग में भी रेडियो पर ही निर्भर हैं। 2012 में पहले विश्व रेडियो दिवस के सम्मान में, लाइफलाइन एनर्जी, फ्रंटलाइन एसएमएस, एसओएएस रेडियो और एम्पावर हाउस ने लंदन में एक बड़ा सेमिनार भी आयोजित किया गया था।

भारत में आजादी के दशकों तक संचार का प्रमुख जरिया रेडियो रहा। टीवी-सिनेमा का विस्तार 80-90 के दशक बाद आरंभ हुआ। उससे पहले तक जनमानस के मनोरंजन और सूचनाओं का साधन रेडियो था। गाना सुनना, समाचार सुनना, स्वर चित्रहार, अच्छी-बुरी सभी सूचनाएं रेडियो से ही मिलती थीं। लाइव मैच की कमेंट्री हो, या सरकारी कामकाज, खेतिबाड़ी, रोजगार आदि की जानकारी का भी एक मात्र साधन रेडियो ही था। देश ने बदलाव की अंगड़ाई जब से लेनी शुरू की, तो बहुत कुछ पीछे छूट गया। पहली दस्तक टीवी के जरिए 'ब्लैक एंड बाईट' के रूप में हुई। कलर टीवी का आगाज कुछ वर्षों बाद हुआ। बावजूद इसके लोगों की अभिरुचि रेडियो से कभी कम नहीं हूई।

हां, इतना जरूर हुआ 'आल इंडिया रेडियो' ने निजी टीवी की चकाचौंध में कई प्रादेशिक स्तर के कार्यक्रमों और रेडियो स्टेशनों को समेट जरूर दिया। वो ऐसा वक्त था। जब, दर्शक तेजी से टीवी की ओर दौड़ रहे थे, लेकिन एक वर्ग तब भी ऐसा था जिसका मन रेडियो से नहीं डगमगाया? उन्होंने सदैव रेडियो को ही प्राथमिकता दी, उनके लिए रेडियो ना सिर्फ संगीत का रंगमंच रहा, बल्कि, मन का संचार, आत्मा का संगीत और भावनाओं की अभिव्यक्ति जैसा था। वक्त चाहे कितना ही क्यों न बदले, लेकिन रेडियो का वजूद हमेशा जिंदा रहेगा।

रेडियो को सुनने वालों की अभी भी कोई कमी नहीं? नित नए निजी रेडियो एफएम खुल रहे है और बंद होते हैं। नए-पुराने ज़माने के गाने लोग आज भी मोबाइल के जरिए एफफम पर सुनते हैं। वो जानते हैं कि जो मजा रेडियो में है वह चलचित्र में नहीं?

केंद्र सरकार रेडियो के प्रचार, प्रसार-प्रसारण पर अब ज्यादा ध्यान दे रही है। तभी, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी खुद अपना पसंदीदा प्रोग्राम 'मन की बात' रेडियो पर करते हैं। रेडियो दिवस के मनाने की पीछे भी एक लंबी कहानी है। असल मायनों में हिंदुस्तान को ही रेडियो का जनक माना जाता है। इसके पीछे एक लॉजिक है, एक जमाने में अफगानिस्तान, नेपाल और एशिया के मुल्कों के शासक-राजा सिर्फ भारतीय रेडियो को ही सुना करते थे। क्योंकि वो भारतीय एनाउंसरों के प्रस्तुतियों के दीवाने होते थे। कह सहते हैं कि हमसे ही प्रेरणा लेकर उन्होंने अपने देशों में रेडियो का प्रसार करवाया। रेडियो की सबसे प्रसिद और खनकती सुरीली आवाज अमीन साहनी की होती थी जिसे श्रोता कभी नहीं भूल पाएंगे, उनका पिछले वर्ष ही देहांत हुआ। वह रेडियो के सबसे बड़े प्रेमी कहे जाते थे।

पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने इमरजेंसी की घोषणा रेडियो के जरिए की थी। मॉर्डन जमाना भी रेडियो के महत्व और जरूरत से वाकिफ है। गत कुछ वर्षों से विश्व के देश रेडियो की ओर ज्यादा ध्यान देने लगे हैं। तभी, 2023 में, विश्व रेडियो दिवस का विषय 'रेडियो और शांति' रखा गया जिसका उद्देश्य शांति को बढ़ावा देना और संघर्ष को रोकने के लिए स्वतंत्र रेडियो के महत्व पर ध्यान केंद्रित करना था। वहीं, कोरोना काल में वर्ष-2021 में, 'नई दुनिया, नया रेडियो थीम निर्धारित की गई जिसका मकसद थी, कोविड-19 महामारी द्वारा लाए गए परिवर्तनों को अपनाने और आकार देने में रेडियो की भूमिका पर केंद्रित थी। रेडियो को तवज्जो देने का ये सिलसिला यूं ही जारी रखने की दरकार भी है। रेडियो की महत्ता कभी कम नहीं होनी चाहिए।

बसंत ऋतु पर विशेष

डॉ. लोकेन्द्रसिंह कोट

लेखक स्तंभकार हैं।

रांझा-रांझा करदी वे मैं आपे रांझा होई

एक जिन सूत्र है - प्रेम को अगर ठीक से समझा, तो उसमें यह समाहित है कि दूसरे का ध्यान रखना। प्रेम का अर्थ ही होता है कि दूसरे का ध्यान रखना। तुम किसी के गले लगना चाहते हो, लेकिन दूसरा लगना चाहता है या नहीं? इतना काफी नहीं है कि तुम गले लगना चाहते हो। शुभ है कि तुम्हारे हृदय में गले लगने का भाव जगा। धन्यभागी हो!!

लेकिन इतने से जरूरी नहीं है कि दूसरे को तुम्हारे कंधे लगना ही पड़ेगा यह तो प्रेम न हुआ, तब तो बलात्कार हुआ तुमने दूसरे से जबर्दस्ती की, यह तो हिंसा हो गई यह तो प्रेम के बहाने हिंसा हो गई। प्रेम तो रत्ती-रत्ती भर संभलकर चलता है, इंच-इंच संभलकर चलता है प्रेम तो यह देखता है कि दूसरा कितने दूर तक चलने को राजी है, उससे इंचभर ज्यादा नहीं चलता। क्योंकि प्रेम का अर्थ ही यह है कि दूसरे का खयाल रखना। दूसरा साध्य है साधन नहीं!! प्रेम सदा द्वार पर दस्तक देता है। पूछता है भीतर आ सकता हूँ? अगर इंकार आए तो प्रतीक्षा करता है, नाराज नहीं हो जाता है। क्योंकि यह दूसरे की स्वतंत्रता है। दूसरे का स्वत्व है कि वह तुम्हारे गले लगे या ना लगे। तुम्हे प्रेम का अवतरण हुआ है और जरूरी नहीं उसे भी हो तुम्हारे भीतर प्रेम फैलना षुरू हुआ है, उसे तुम्हारे प्रेम का पता भी नहीं है और हो सकता है कि दूसरा प्रेम के नाम पर धोखा खा चुका हो तो हो सकता है उसके लिए एक और धोखा पैदा हो रहा हो।

कितने सिमट गए हैं हम कि प्रेम पर आख्यान करना पड़ता है, प्रेम को समझाना पड़ता है, आप ही प्रेम हो यह बताना पड़ता है..... जिस विषय की चर्चा करनी पड़े मतलब उसकी कमी है कहीं न कहीं। कमी भी इसलिए महसूस होती है क्योकि इसके बगैर काम भी नहीं चलना है, जीवन नहीं चलना है। जीवन के चलाने के लिए कई बातें आवश्यक हैं लेकिन उसके चलायमान पहियों में यदि प्रेम की चिकनाई नहीं होगी, तो सहजता नहीं बनावटीपन हावी हो जाएगा। सब कुछ चल रहा है का आभास करवाया जाएगा परंतु इस चलने और और प्रेम की चिकनाई के साथ चलने में जमीन आसमान का फर्क है। आपसी रगड़ खाते रिश्तों में प्रेम की चिकनाई एक अनिवार्यता है वरना रूखे और नीरस संबंधों की डोर के हिज्जे-हिज्जे हमें जीने भी नहीं देते हैं। उनमें से रिस-रिस कर तनाव बहता रहता है।

प्रेम के रूप भी उतने ही हैं जितनी हमारी भावनाएँ हैं..... अनंत है प्रेम और उस पर लिखी हजारों किवदंतियां। प्रेम साकार होता है भावनाओं के रथ पर चढकर। अभिव्यक्त होता है और नहीं भी। जहाँ प्रेम में मांग उठी वह प्रेम, प्रेम ही नहीं रह जाता है। मैं तुझसे प्रेम करता हूँ क्योंकि तू सुंदर है, मैं तुझसे प्रेम करता हूँ क्योंकि तुने मैंरा काम किया, मैं तुझसे प्रेम करता हूँ क्योकि तुने मुझे संभाला, मैं तुझसे प्रेम करता हूँ क्योंकि तू मुसीबत में मेरे काम आया.....। यह है, इसलिए मैं तुझे प्रेम करता हूँ..... मांग.... मांग..... इससे प्रेम नहीं व्यापार की अनुगूँज सुनाई देती है और जहाँ व्यापार है वहाँ सुख और दुख का मेला लगेगा ही। कभी आप इन सब से यूँ ही उक्ता जाओगे। इसलिए वेदों की रिचाओं में भी यह लिखा गया है कि अपेक्षाएँ ही दुख का कारण हैं। जहाँ व्यापार है वहाँ निश्चित रूप से अपेक्षाएँ होंगी और निश्चत रूप से दुख भी होगा। प्रेम में कहाँ दुख होता है प्रेम तो बना ही है सुख का पर्यायवाची। मीरा का प्रेम कहाँ मांग की कसौटियों पर टांगा गया, जो बह निकला बगैर किसी मांग के वही प्रेम था। मेरे तो गिरधर गोपाल..... प्रेम की पराकाष्ठा और उसमें सुध-बुध भी खो देना, जहर पी लेना, कथित सामाजिक मर्यादा को त्याग देना, दिवानगी लेकर बस घूमना....। कहाँ है वह प्रेम जो अनवरत बहता था मीरा के पास से। कोई मांग नही कोई व्यापार नहीं.... प्रेम और सिर्फ प्रेम...। यह प्रेम दुर्लभ हो गया इसलिए प्रेम को आज समझाना पड़ रहा है, आख्यान करने पड़ रहे हैं।

अक्सर प्रेम और धोखे और उससे उपजे अवसाद को एक साथ पिरोया जाता है। अब समझ नहीं आता है कि आपको प्रेम हुआ है या आपको कोई प्रेम कर रहा है या नहीं, इनमें से किस बात के लिए आप व्यथित हैं। यदि आपको कोई से प्रेम की मांग है तो यह आपकी सीमाओं के बाहर है क्योंकि यह सामने वाले की इच्छा पर निर्भर करता है लेकिन यदि आपको किसी से प्रेम है तो आपके लिए कोई सीमाएँ नहीं हैं, आप स्वतंत्र हैं और जितना चाहे उतना प्रेम किसी को भी कर सकते हैं। असल प्रेम रोग तो अब शुरू होता है कि मुझे तुमसे प्रेम है इसलिए तुम मुझे भी प्रेम करो। यही बंधन है और हमें घसीटकर प्रेम की परिभाषा से बाहर कर देता है। और इसके बाद भी हम चीखते रहते हैं कि हम प्रेम में हैं....जबकि हम यहाँ भी सौदा ही कर रहे होते हैं। आप प्रेम कीजिये और खुश रहिये.... मांग उठी कि मैने तो उसके लिए यह किया.... वह किया..... उसने क्या दिया तो यकीन मानिये आप व्यापारी हैं, प्रेम के संवाहक नहीं....। ऐसा प्रेम हमारे अंदर प्रतिस्पर्धा और ईर्ष्या को जन्म देता है। इसी जबह पर आत्मियता से यदि हम जुड़े हैं तो यही प्रेम हमारे अंदर निखार लाता है।

यदि आप यह कहते हैं कि आप ईश्वर से प्रेम करते हैं क्योकि वह महान है। लेकिन किसी पल आपको पता चले कि ईश्वर यदि एक साधारण इंसान है आपकी तरह तो आपके प्रेम का क्या होगा? आपका प्रेम खत्म हो जाएगा। इसी जगह पर यदि आप ईश्वर से इसलिए प्रेम करते हैं क्योकि वह आपका अपना है तो आपका प्रेम बगैर शर्तों का है, इसलिए वह जैसा भी हो आपके लिए प्रेम ही रहेगा। यह अपनेपन से उपजा प्रेम स्वयं से प्रेम करने के समान है और स्वयं से हम कभी भी नफरत नहीं कर सकते हैं, प्रेम ही करते हैं।

अब कई बार लगता है कि कई बार व्यक्ति स्वयं से प्रेम नहीं करते हैं और गलत कदम तक उठा लेते हैं। लेकिन यकीन मानिये वे स्वयं से सर्वाधिक प्रेम कर रहे होते हैं और स्वयं को आदर्श बनाने में लगे होते हैं परंतु अपेक्षाओं पर खरा नहीं उतरकर खुद से भागते है। यदि प्रेम किसी व्यक्ति, वस्तु और परिस्थिति पर निर्भर है तो वह प्रेम कामचलाउ ही रहेगा, क्योकि व्यक्ति, वस्तु और परिस्थिति हमेशा एकसी नहीं रहती है बदलती रहती है। प्रेम यदि व्यक्ति, वस्तु और परिस्थिति से आजाद है और सिर्फ अपनेपन के भाव लिए है तो वह प्रेम चिरस्थाई या निष्काम प्रेम है। इस संसार की मांएँ ऐसा ही प्रेम करती हैं। व्यक्ति, वस्तु और परिस्थिति से प्रभावित नहीं होता है उनका प्रेम। उनकी संतान कैसी भी हो वे उससे प्रेम करती हैं क्योकि उस प्रेम में उनका उनका अपनत्व बँधा है। उसके गुस्से में भी प्रेम ही होता है, उसकी डॉट में भी प्रेम का अंष होता है।

प्रेम सबसे पहले हमारे अस्तित्व के लिए भी चुनौती है क्योकि हम अपना मैं खोकर ही हम हो सकते हैं, प्रेम हो सकते हैं। समुद्र की एक लहर जब समुद्र में मिल जाती है तो वह भी समुद्र ही बन जाती है फिर उसका अपना कोई वजूद नहीं होता है..... यही प्रेम का अंतिम सत्य है। यदि यह अंतिम सत्य नहीं है तो फिर आप सौदागर है, आप प्रेम में नहीं हैं। मैं से ही उपजता है अहंकार और यही वह बड़ा भाई है जिसके छोटे भाई बहन हैं, जिद, स्वार्थ!!

कभी आपने देखा होगा जब आप ध्यानस्थ हुए होंगे तो एक पल के लिए आप विचार षून्य हो गए होंगे। अंदर से बिल्कुल खाली, सब कुछ मौन.... ऐसे पल में जब आप कुछ नहीं होते हैं तभी आपके अंदर से उभरता है सच्चा प्रेम.... न किसी से राग, न द्वेष...। जब भी हम खुद को भर लेते हैं ना तो हमारे अंदर सारे अहंकार समाने लगते हैं लेकिन यदि खाली होते हैं तो निरहंकार होते हैं और सर्वत्र होता है प्रेम। एक बच्चे को देखिये वह कितना खाली होता है, पल में रत्ती और पल में माशा, जीवन यही सब खेल तमाशा। वह रोता भी है तो दिल खोलकर, हँसता भी है तो दिल खोलकर, खाना-पीना, गुस्सा होना सब कुछ लेकिन अगले ही पल वह सब कुछ भूलकर खाली हो ताजा है.... जैसे कुछ हुआ ही नहीं.... उसकी रूखसारों से अभी आंसू भी नहीं गिरे होते हैं और वह हँस कर दिखा देता है। वहीं एक वयस्क उन्ही आंसूओं को जीवन भर घसीटते रहता है और शिकायतें करता रहता है। प्रेम का तो आशय है अपने प्रेम में डूब जाना और करते हम उल्टा हैं सामने वाले को अपने प्रेम में डूबोने का अक्षम्य अपराध करते रहते हैं और फिर प्रेम को बदनाम करते रहते हैं।

बकौल शायर, ''से इश्क़ नहीं आसां बस इतना समझ लीजे/एक आग का दरिया है और डूब कर जाना है।'' हम तो पानी में भी डूबने में घबराते हैं और फिर यहाँ तो आग है....। लगता कुछ विरोधाभासी है परंतु देखा जाय तो आग के दरिया में डूबने और अंदर के अहम् को भस्म कर जो कुछ बचेगा वह खालिस होगा, पवित्र होगा.... प्रेम होगा। इसे एक सुफी संत ने भी गहराई से महसूस किया है, ''तुझ हरजाई की बाँहों में और प्रेम परीत की राहों में/मैं सब कुछ बैठी हार वे।'' सब कुछ हारना प्रेम है...जीत प्रेम नहीं है....। अपने को हारना ही प्रेम की ओर कदम रखना है। इस हारने के लिए भी जिगरा चाहिये..... इसके लिए भी साहस चाहिये.... तब प्रेम फलीभूत होता है। आप जब सबकुछ खो देते हैं और एक आषा जगने लगती है कि अब कुछ मिलेगा तो उसे भी फिर से भस्म करना होता है। हमारे अंदर की थोड़ी छुपी-छुपी सी आस भी हमें छोड़नी होती है तब प्रेम उदय होता है। जब आप आप नहीं रहते और सामने वाला बन जाते हो..... मैं ही तू बना जाता है, तब बात बनती है। रांझा-रांझा करदी वे मैं आपे रांझा होई। बस फिर रांझा ही बचता है, हीर बचती ही नहीं है। जब तक हीर रांझा न बन जाए और रांझा हीर न बन जाए तब तक प्रेम हुआ ही नहीं है।

गोपियों ने भी कृष्ण में खुद को विलीन कर लिया। विलीन करना ही प्रेम का पहला लक्षण है। जो विलीन नहीं हुआ अपने आप को बचा लिया, जो साहस नहीं कर पाया, जो मांग में पड़ा रहा, अपने आप को विसर्जित नहीं कर पाया वह प्रेम को कभी नहीं समझ पाएगा। जो जीत गया वह अधूरा रह गया और जो हार गया उसे सारा जहान मिल गया।

प्रेम तो ईश्वर भी हमसे करता है और ऐसा करता है कि जिसकी सीमा नहीं। उसकी नकल भी हम नहीं कर पाए। उसने एक मौसम नहीं रखा कई मौसम बनाएँ ताकि तू खुश रह सके, उसने एक फल बना कर नहीं छोड़ा, हर रंग, आकार, स्वाद के फल रचे, अंगूर से लेकर तरबूज तक ताकि तू खुश रहे..... उसने धरती बनाई थोडा सा डालने पर वह हमारे भंडार भर देती है, सिर्फ इसलिए कि तू खुश रह.... हम तो जरा सा जल चढ़ा कर खुश हो जाते हैं परंतु वह बारिश भर हमारा अभिषेक करता रहता है, ताकि तू खुश रह... सब कुछ, सब कुछ उसने रचा इसलिए कि तू खुश रह.... क्योकि वह सिर्फ प्रेम करना जानता है.... बदले में कुछ नहीं....। हम है कि शिकायतों से भरे बैठे रहते हैं.... जो है उसमें हमारा पेट भरता नहीं है.... हमारी मांगें हमें कहीं सौदागर तो कहीं हमें भिखारी ही बना कर छोड़ देती है। हमें बनना होगा ईश्वर की तरह, हमें बनना होगा एक बच्चे की तरह, हमें बनना होगा मां की तरह.... निस्वार्थ प्रेम के लिए।

संक्षिप्त समाचार

पानी नहीं मिलने पर उपसरपंच को पीटा

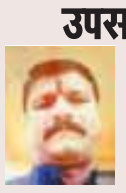

बैतूल । आमला थाना अंतर्गत ग्राम के रास्ता पर रोककर उपसरपंच के साथ मारपीट करने वालों पर आमला पुलिस ने मामला दर्ज किया है। आमला पुलिस ने बताया कि बीती रात रंभाखेड़ी उपसरपंच उमेश गड़ेकर खेत से अपने घर रम्भाखेड़ी जा रहे थे। तभी रास्ता रोककर ग्राम के ही ऋषि गड़ेकर और श्याम गड़ेकर ने उनसे पानी नहीं मिलने पर विवाद कर उन पर लकड़ी और चाकू जैसी चीज से हमला किया।जिससे उनके सिर, हाथ की कलाई और पेट पर चोट आई है। पुलिस ने उमेश गड़ेकर की रिपोर्ट पर उनकी एमएलसी करवाकर आरोपियों ऋषि और श्याम गड़ेकर पर बीएनएस की विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज किया है। उपसरपंच उमेश गड़ेकर ने बताया कि बीती रात आरोपियों ने उनका रास्ता रोककर पूछा कि पानी क्यों नहीं दिया।मैने कहा कि वॉलमेन सुबह दे देगा। इस पर आरोपियों ने उनसे गाली गलौज कर मारपीट शुरू कर दी और पानी नहीं मिलने पर जान से मारने की धमकी दी है। मारपीट के दौरान लोगों ने बीच बचाव नहीं किया होता, तो उनकी जान भी जा सकती थी। सब इंस्पेक्टर डीएस पठारिया ने बताया कि नल में पानी नहीं आने पर दो लोगों ने रंभाखेड़ी उपसरपंच उमेश गड़ेकर के साथ मारपीट की। इस मामले में ऋषि और श्याम गड़ेकर पर मामला दर्ज कर विवेचना की जा रही है।

आदिवासी लड़की से लव मैरिज की तो काटे जाएं हाथ-पैर, बैतूल में 'मांझी सरकार' की मांग

बैतूल । बैतूल में 'मांझी सरकार' ने पुलिस के आगे मांग की है कि अगर कोई गैर आदिवासी लड़का आदिवासी लड़की के साथ लव मैरिज करता है तो उसके हाथ और पैर काटे जाने चाहिए।

मध्य प्रदेश के बैतूल में 'मांझी सरकार' ने पुलिस से मांग की है कि अगर कोई गैर-आदिवासी लड़का, आदिवासी लड़की को बहला-फुसलाकर उससे शादी करता है तो उसके हाथ और पैर काट देना चाहिए। बैतूल में मांझी सरकार के कार्यकर्ताओं ने विरोध प्रदर्शन करते हुए रैली निकालकर एडिशनल एसपी को इस मांग से जुड़ा ज्ञापन सौंपा. उन्होंने मांग की है कि अगर आदिवासी समाज की लड़की को कोई गैर-आदिवासी लड़का बहला-फुसलाकर शादी कर लेता है तो वह सजा का भागी होगा. उसके हाथ पैर काट देना चाहिए. इसके साथ ही आदिवासी लड़की का जाति प्रमाण पत्र निरस्त कर देना चाहिए।

दरअसल, हाल ही में आदिवासी समाज की लड़की गैर आदिवासी लड़के के साथ चली गई थी। इस लड़की को वापस लाने उसके माता पिता के साथ मांझी सरकार के सैनिक विष्णुपुर गांव गए तो दोनों पक्षों में विवाद हो गया और मारपीट हो गई। लड़के के पक्ष ने मांझी सैनिकों के खिलाफ चोपना थाने में मामला दर्ज कराया था। मामला दर्ज होने से मांझी सरकार के सैनिक नाराज हो गए और उन्होंने सोमवार को विरोध प्रदर्शन कर रैली निकाली। मांझी सरकार के सैनिकों का आरोप है कि उनके ऊपर झूठा मामला दर्ज किया गया है। इस मामले की निष्पक्ष जांच कराई जाए।

समर्पण दिवस पर भव्य आयोजन, भाजपा कार्यकर्ताओं ने दिखाया एकात्म मानववाद का संकल्प

बैतूल/भौरा। भाजपा कार्यकर्ताओं ने मंगलवार को विधायक गंगा सज्जन सिंह उइके के निवास पर पंडित दीनदयाल उपाध्याय की पुण्यतिथि को समर्पण दिवस के रूप में मनाया। कार्यक्रम का शुभारंभ विधायक श्रीमती उइके ने पंडित दीनदयाल उपाध्याय एवं भारत माता के छायाचित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलित कर किया। इस अवसर पर विधायक गंगा उइके ने पार्टी को 50 हजार रुपये की समर्पण राशि अर्पित की और कहा कि पंडित दीनदयाल उपाध्याय का अंत्योदय का विचार हमें समाज के अंतिम व्यक्ति तक विकास पहुंचाने की प्रेरणा देता है। भाजपा कार्यकर्ता इसी भावना के साथ कार्य कर रहे हैं, और मैं भी अपनी ओर से इस विचारधारा को आगे बढ़ाने के लिए समर्पित हूं। इस अवसर पर भाजपा के वरिष्ठ नेता सूर्यकांत सोनी ने कहा कि पंडित दीनदयाल उपाध्याय ने एकात्म मानववाद का जो दर्शन दिया, वह आज भी हमारी कार्यप्रणाली का मार्गदर्शक सिद्धांत है। भाजपा इसी विचारधारा को लेकर समाज के हर वर्ग की सेवा कर रही है। कार्यक्रम में भाजपा कार्यकर्ताओं और पदाधिकारियों ने भी अपनी सामर्थ्यानुसार समर्पण राशि अर्पित की। इस कार्यक्रम में सरपंच मीरा धुर्वे, राजेंद्र साहू, उत्तम वर्मा, जय किशोर मिश्रा, सुनील राठौर, अमित महतो, डॉ. एम.के. सिकदार, नीरज पांडे, लादूराम यादव, दिलीप यादव, आशीष शुक्ला, पप्पू यादव, सुरेंद्र राठौर, अखिलेश राय, संजू धुर्वे, कन्हैया लाल राठौर, पिंटू राठौर सहित बड़ी संख्या में भाजपा कार्यकर्ता और स्थानीय लोग उपस्थित रहे।

कोसमी औद्योगिक एरिया में 6 साल पहले बनाई 3 करोड़ की सड़क, लेकिन उद्योग नहीं लगे, अब हो रहा अतिक्रमण, हटवाने नहीं चिंता

बैतूल। कोसमी औद्योगिक एरिया में फोरलेन के बगल में खाली जमीन पर 6 साल पहले 2018 में नई इंडस्ट्रीज डेवलप करने की प्लानिंग की थी। 2018 में 3 करोड़ खर्च कर सीसी सड़क बनाने और बिजली व्यवस्था के इंतजाम किए थे। उस समय आवंटन प्रक्रिया पर उठे सवालों के बाद यहां पर आज तक यह जगह खाली पड़ी है। यहां पर सड़कें शराबियों के पार्टियां करने और संदिग्ध लोगों के वाहन खड़े करने के काम आ रही हैं। यहां पर इंडस्ट्रीज की चिमनियां तो नहीं जली, लेकिन अतिक्रमण पैर पसारने लगा है, शाम के समय जरूर अतिक्रमणकारी चूल्हे धुआं करते हैं।

कोसमी औद्योगिक एरिया 1973-74 में डेवलप किया था। उस समय बड़ी औद्योगिक ईकाईयों के क्वाटर्स बनाने के लिए फोरलेन के बगल में काफी जमीन खाली रखी गई थी। 2018 में दोबारा आवंटन करने इस जमीन पर सड़क, नाली और बिजली के इंतजाम करने पूरी साइट को डेवलप किया गया। इसके बाद आवंटन प्रक्रिया कुछ लोगों के ऑब्जेक्शन के बाद अटक गई। शाम होते ही शराबी आ जाते हैं यहां और सीसी सड़क पर शराब की महफिलें सजती हैं। यहां पूरी सड़क पर कांच की बोतलों के टुकड़े पड़े रहते हैं। यहां पर झोंपड़ियां ओर टेंट लगने लगे हैं। और अतिक्रमण बढ़ते ही जा रहा है।

सड़क नाली और बिजली की व्यवस्था पर फिरा पानी- यंहा कुल 116 उद्योग को आवंटन हुआ था, जिसमें से 85 औद्योगिक इकाइयां ही चालू हो सकी था, औद्योगिक इकाइयां का चालू औद्योगिक एरिया 248 एकड़ जमीन पर डेवलप किया था। उसमें से ही जमीन 116 औद्योगिक इकाईयों को दी गई थी। इनमें से एक-एक करके औद्योगिक इकाइयां बंद होती गईं। आज केवल 85 औद्योगिक इकाइयां ही चालू हालत में हैं। इस तरह यहां पर कारोबार बेहद कम है। इस तरह के मिले हालात पर जब हमारे संवाददाता ने यहां का मुआयना किया तो इससे सटी केवल दो फैक्ट्री ही चालू हालत में मिलीं। यहां पूरी तरह सन्नाटा था। यहां पर डिस्पोजेबल ग्लास बनाने वाली फैक्ट्री चालू हालत में मिली, वहीं दूसरी फैक्ट्री मैकेनिक वर्कशॉप की थी, जिस पर जीप और कारों में पेंटिंग हो रही थी। फोरलेन से सटी अन्य जमीन खाली थीं। इस जमीन पर झोंपड़े जरूर दिखाई दिए। यहां पर जिला व्यापार एवं उद्योग केन्द्र की ओर से किसी को भी मॉनिटरिंग के लिए तैनात नहीं किया गया था। यहां सीसी सड़क पर कुछ कारें भी संदिग्ध हालत में खड़ी थीं और इसी के साथ शराबी यहां पर शराब पीते हुए भी मिले।

दो जगहों पर होता मिला कारोबार.... आज बुधवार दोपहर और शाम के समय हमारे संवाददाता ने दो बार इंडस्ट्रियल एरिया का निरीक्षण किया। तो इस दौरान केवल दो इंडस्ट्रीज में कारोबार होता हुआ मिला। डिस्पोजेबल ग्लास की फैक्ट्री और वाहनों की पेंटिंग की फैक्ट्री चालू हालत में पाई गई।

इनका कहना...

जमीन को सुरक्षित किया जाएगा। पूर्व में औद्योगिक क्षेत्र की खाली जमीनों का जो आवंटन किया गया था। उस प्रक्रिया के दौरान कुछ लोगों ने ऑब्जेक्शन लिया था। यह मामला कोर्ट में है। इस जमीन को सुरक्षित रखने और यहां पर अतिक्रमण रोकने प्रयास किए जाएंगे। यहां व्यवस्था बनवाई जाएगी।

- रोहित डाबर, महाप्रबंधक, जिला व्यापार एवं उद्योग केन्द्र

केंद्रीय राज्यमंत्री दुर्गादास उईके तथा विधायकों के प्रयास लाए रंग

प्रथम किस्त के रूप में एक करोड़ से भी अधिक की राशि की अंतरित

बैतूल. केंद्रीय राज्यमंत्री व क्षेत्रीय सांसद दुर्गादास उईके तथा जिले के विधायकों के अथक प्रयासों से जिले में स्वीकृत 36 नवीन आंगनबाड़ी भवनों को प्रथम किस्त के रूप में एक करोड़ से भी अधिक की राशि अंतरित की गई है। इस संबंध में जिला पंचायत सीईओ ने बताया कि जिला स्तर से स्वीकृत 36 आंगनवाड़ी भवनों के लिए महिला बाल विकास विभाग द्वारा प्रथम किश्त 2.90 लाख की राशि प्रति आंगनवाड़ी के मान से प्राप्त हुई है। उक्त राशि संबंधित ग्राम पंचायतों के बैंक खातों में अंतरित की गई है। उन्होंने निर्माण एजेंसी ग्राम पंचायतों को समय सीमा में गुणवत्तापूर्ण कार्य किए जाने तथा सक्षम अधिकारियों को निरीक्षण किए जाने के निर्देश दिए हैं।

इन केंद्रों में आंगनबाड़ी भवनों की मिली स्वीकृति :जारी आदेश के अनुसार स्वीकृत नवीन 36 आंगनवाड़ी भवनों में शाहपुर जनपद पंचायत के आंगनबाड़ी बरेठा-2, खोकरा-2, बीजादेही-2 और 3 केंद्र शामिल है। प्रभात पट्टन जनपद पंचायत के सिवनपानी, चिचंडा, कोडियाढाना, हिवरखेड-2, माजरी-2 केंद्र तथा आमला जनपद पंचायत की जामुनबिछवा, देवगांव, खेड़ली बाजार केंद्र शामिल है। घोड़ाडोंगरी जनपद पंचायत के खैरवानी, शक्तिगढ़-2, नारायणपुर, आमडोह, खाखरा-1, जूवाझर तथा बैतूल जनपद पंचायत की पीपलढ़ाना, कोसमी-2, लापाझिरी-2, रातामाटी-2, सिंगनवाडी, बडोरा 4 और 5 केंद्र शामिल है। इसी प्रकार भैंसदेही जनपद पंचायत के बोरीखापा, बासनेरखुर्द-2, सरई, लायावानी-2, चिल्कापुर-2 कुकुर केंद्र तथा आठनेर जनपद पंचायत के बरखेड़-2, चौगढ़ 1 और 2 एवं मुलताई जनपद पंचायत की आंगनबाड़ी कामथ-1 केंद्र शामिल है।

अनजान लिंक पर क्लिक न करें : एसपी

सेफ क्लिक सायबर जागरूकता पर नुक्कड़ नाटक संपन्न

बैतूल। अभियान प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ़ एक्सीलेंस जेएच कॉलेज में राष्ट्रीय सेवा योजना के तत्वावधान में नुक्कड़ नाटक के माध्यम से साइबर पर जागरूक किया एवं हस्ताक्षर अभियान चलाया। कार्यक्रम प्राचार्य डॉ मीनाक्षी चौबे के संरक्षण जिला संगठक डॉ.सुखदेव डोंगरे, कार्यक्रम अधिकारी डॉ.गोपाल प्रसाद साहू के मार्गदर्शन में और एसपी निश्चल झारिया, एडिशनल एसपी कमला जोशी, महिला बाल विकास गौतम अधिकारी, साइबर सेल अधिकारी अश्विनी चौधरी, दीपेंद्र सिंह के आतिथ्य में संपन्न हुआ। इस मौके पर एसपी ने बताया कि साइबर क्या होता है एवं उसे कैसे बचा जा सकता है और एडिशनल एसपी ने बताया कि सेफ क्लिक क्या होता है। हमें और समाज में लोगों को जागरूक करना है। उन्होने कहा कि जिससे कोई भी अनजान लिंक पर क्लिक न करें और कोई भी फ्रॉड कॉल आने पर आप तुरंत साइबर सेल नंबर 1930 पर कॉल करके सूचित करें। इस कार्यक्रम को सफल बनाने में वरिष्ठ स्वयंसेवक अंजली नागोरे, आयुष घिंडोडे, अक्षय मालवी, आयुष नागोरे, इश्तियाक अली, दीपाली गायकवाड, पलक राजगौड, कामिनी खवसे, कीर्ति अडलक, खुशी पारखे,पार्थ पिंपलापुरे, आकाश दुबे, नितीन पवार, दयाराम सिरसाम, हेमा रैकवार,अनुज धुर्वे, दुर्गा प्रसाद मोरले, तनिष्क चौकीकर, पूजा कापसे स्वयंसेवकों का सराहनीय योगदान रहा।

आमला विधायक डॉ.पंडाग्रे ने हरी झंडी दिखाकर स्लज वाहन को दी रवानगी

जिले में ग्रामीण क्षेत्र के लिए पहले स्लज वाहन का किया शुभारंभ

बैतूल। आमला विधायक डॉ. योगेश पंडाग्रे ने बुधवार को जिला पंचायत परिसर में स्लज वाहन को हरी झंडी दिखाकर रवानगी दी। यह स्लज वाहन आमला जनपद पंचायत की ग्राम पंचायत हरन्या में स्वच्छ भारत मिशन ग्रामीण फेस-2 के अंतर्गत निर्मित एफएसटीपी फीकल स्लज ट्रीटमेंट प्लांट के संचालन एवं स्थायित्व के लिए उपयोगी होगा। उल्लेखनीय है कि ग्राम पंचायत हरन्या के पास ट्रीटमेंट प्लांट बन चुका है, जिससे 19 ग्राम पंचायतों के 41 ग्रामों को लाभ तो मिलेगा ही। इसके अतिरिक्त आसपास की अन्य ग्राम पंचायतों के ग्रामीणों को भी स्लज वाहन एवं एफएसटीपी का लाभ प्राप्त होगा। अब ग्रामीण क्षेत्र में भी मलीय कचरा प्रबंधन एफएसटीपी सेप्टिक टैंकों, गड्?ढे वाले शौचालयों या अन्य ऑनसाईड स्वच्छता प्रणालियों से मलीय कचरे को खाली करना, शौचालय से कचरे के सुरक्षित संरोधन, मलीय कचरे के मशीनीकृत संग्रह, उपचार सुविधा के लिए इसके परिवहन की सुविधा का लाभ ले सकेंगे।

एफएसटीपी से पर्यावरण होगा स्वच्छता: इस अवसर पर विधायक डॉ. योगेश पंडाग्रे ने स्लज टैंकर एवं एफएसटीपी के संचालन के लिए ग्राम पंचायत एवं प्रशासन को बधाई दी। उन्होंने कहा कि ग्रामीण क्षेत्र में एफएसटीपी निर्मित होने से पर्यावरण स्वच्छता के साथ-साथ जो प्राइवेट वेन्डर द्वारा स्लज को यहां- वहां खुले में फेंक दिया जाता था, उसकी भी निगरानी अब संभव हो सकेगी। स्लज टैंकर के उपलब्ध होने से जहां एफएसटीपी के संचालन में सुगमता आई है, वहीं ग्राम पंचायत की आय में वृद्धि एवं ग्राम पंचायत को आत्मनिर्भर बनाने में भी प्लांट का योगदान है।

ग्रामीण सेप्टिक टैंक खाली कराने ग्राम पंचायत की ले सकेंगे सेवा:मुख्य कार्यपालन अधिकारी अक्षत जैन द्वारा वाहन एवं एफएसटीपी के सतत संचालन के लिए डिमांड जनरेशन, क्षमतावृद्धि एवं बजटिंग हेतु मार्गदर्शन प्रदान किया गया। साथ ही क्षेत्र की जनता से अपील की गई कि निर्मित सेप्टिक टैंक जिनको 3 वर्ष से अधिक समय हो चुका है, वे अपना सेप्टिक टैंक खाली कराने के लिए ग्राम पंचायत की सेवाएं ले सकते है। उल्लेखनीय है कि पर्यावरण, स्वच्छता एवं स्वस्थ्य जीवन के लिए सभी सेप्टिक टैंकों एवं एकल गड्ढों को 3 से 5 वर्ष के अंतराल में नियमित रूप से खाली कराया जाना अनिवार्य है। इस अवसर पर जिला पंचायत सदस्य श्री महेश मर्सकोले, भाजपा ग्रामीण मण्डल अध्यक्ष श्री यशवंत यादव, महामंत्री श्री सतीश साहू, नगर मण्डल के कोषाध्यक्ष श्री प्रदीप सिंह ठाकुर, सरपंच श्री सचिन दिनेश साहू, जनपद पंचायत आमला के सहायक यंत्री, उपयंत्री, स्वच्छ भारत मिशन के ब्लॉक समन्वयक सहित अन्य अधिकारी कर्मचारी उपस्थित थे।

बिना नोटिस गुमठी-ठेला दुकानदारों को हटाने के आरोप

शिवसेना ने नपा को दिया 7 दिन का अल्टीमेटम, उचित समाधान न होने पर आंदोलन की चेतावनी

बैतूल। कोठीबाजार क्षेत्र में वर्षों से अपनी गुमठी और ठेले लगाकर जीवन यापन कर रहे दुकानदारों के खिलाफ अतिक्रमण की कार्रवाई को अमानवीय बताते हुए शिवसेना ने कलेक्टर को ज्ञापन सौंपा। शिवसेना ने मांग की है कि सभी दुकानदारों को स्थाई रूप से विस्थापित किया जाए और उनके नुकसान की भरपाई की जाए। ज्ञापन में कहा गया है कि 80 से 85 दुकानदारों से वर्ष 2005 में नगर पालिका द्वारा विस्थापन के नाम पर 5 हजार रुपये जमा कराए गए थे, लेकिन आज तक उनके लिए कोई स्थायी व्यवस्था नहीं की गई।

शिवसेना के जिलाध्यक्ष प्रदीप जायसवाल ने कहा नगर पालिका की अचानक की गई कार्रवाई एक बड़ा संकट बन गई है। बिना किसी पूर्व सूचना या नोटिस के नगर पालिका परिषद बैतूल ने इन दुकानदारों को बलपूर्वक हटाने की प्रक्रिया शुरू कर दी। दुकानों को हटाने के लिए जेसीबी मशीनों का उपयोग किया गया, जिससे दुकानों को तोड़कर मलबे में तब्दील कर दिया गया।

प्रभावित दुकानदारों ने अपनी दुकानों को स्वयं हटाने के लिए थोड़ा समय मांगा गया था, लेकिन नगर पालिका ने उनकी बात नहीं सुनी और तोड़फोड़ जारी रखी। इस प्रक्रिया में कई दुकानदारों को भारी आर्थिक नुकसान झेलना पड़ा। उन्हें मानसिक, शारीरिक और आर्थिक तौर पर गंभीर क्षति पहुंची है। उनके नुकसान की भरपाई की जाए। दुकानदारों ने यह भी आरोप लगाया कि उन्हें बार-बार मौखिक रूप से विस्थापित किया गया, लेकिन उनकी स्थायी जगह तय नहीं की गई। अभिनंदन सरोवर के पीछे विस्थापित किए गए दुकानदारों का कहना है कि वहां भी मल्टीप्लेक्स कॉम्प्लेक्स बनाने की योजना है, जिससे उन्हें फिर से हटाया जाएगा। शिवसेना ने मांग की है कि जब तक मल्टीप्लेक्स कॉम्प्लेक्स का निर्माण कार्य पूरा नहीं हो जाता, तब तक उन्हें उनकी पुरानी जगह पर स्थापित किया जाए। ये दुकानदार रोज कमाने-खाने वाले हैं और उनके परिवारों की अजीविका पूरी तरह से इस व्यवसाय पर निर्भर है।

रोगी कल्याण समिति के नए सदस्यों ने मरीजों को बांटे फल

बैतूल/भौरा। शाहपुर के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में मंगलवार को रोगी कल्याण समिति के नवीन नामांकित सदस्य अनुराधा रोहित वर्मा और आशीष शुक्ला द्वारा मरीजों को फल वितरण किया गया। इस अवसर पर उन्होंने अस्पताल में महिला चिकित्सक की नियुक्ति की आवश्यकता को लेकर मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी (सीएमएचओ) बैतूल को पत्र प्रेषित किया।

लोकायुक्त में एसपी रहा हूं लिखकर दें कार्रवाई करुंगा : आईजी

विप्र समाज ने ज्ञापन सौंपा, आरोपियों पर हुआ ईनाम घोषित..

नर्मदापुरम। आईपीएल सट्टेबाजी की गिरफ्त में फंसकर आत्महत्या करने वाले अमित उपाध्याय, अमित दीवान के मामले को लेकर विप्र समाज पर पहाड़ टूट चुका है ..फिर विप्र समाज को आगे रखकर राजनीति करने वाले विधायक विपरीत परिस्थिति में भी उनका साथ नहीं दे रहे.. इसे लेकर विप्र समाज काफी

नाराज़ हैं.. तीन दिन पहले विप्र समाज के प्रतिनिधि मंडल ने उनसे मुलाकात कर मामले में नामजद आरोपीयों की गिरफ्तारी और उन पर कड़ी कार्रवाई करने की मांग की थी, विधायक जी ने प्रतिनिधि मंडल को आश्वासन दिया था वे एसपी और आईजी से मुलाकात करेंगे पर एसपी और आईजी से उन्होंने मुलाकात तो नहीं की, अलबत्ता 11 फरवरी को उनके द्वारा 5 फरवरी को लिखे गए पुलिस अधीक्षक के नाम वाला पत्र सोशल मीडिया पर जरुर खबर बनकर आई आया। 5 फरवरी के लिखे पत्र को दबाकर रखने का आखिर क्या लाभ उसे लेकर कहा जा रहा है कि ऐसे पत्र लिखे जाने पर अगर कार्रवाई हो सकती है तो फिर अवैध शराब बिक्री को लेकर लिखे विधायक के पत्र पर कारवाई क्यों नहीं हो पाई..? विषम परिस्थिति में जिन्होंने आज आईजी से मुलाकात की और उन्हें ज्ञापन देकर बात समझाई, कंडक्टरी से पारी शुरू करने वाले विधायक प्रतिनिधि अपराधिक गतिविधियों में शामिल बताए गए, प्रकाश शिवहरे के पास आय से अधिक संपत्ति होने की बात आईजी को कही गई। यहां तक कहा गया है कि संबंधित कोतवाली परिसर स्थित दक्षिणेश्वर काली मंदिर प्रांगण से अवैध गतिविधियां संचालित करते है। आईजी साहब ने प्रतिनिधि मंडल की बात गंभीरता से सुनकर दो टूक शब्दों में कहा लिखकर दे कड़ी कारवाई करुंगा में लोकायुक्त, में एसपी रहा हूं। मामले में कड़ी कार्रवाई करने के निर्देश जिन्होंने तुंरत एसपी को दिए। देहात पुलिस ने नामजद इस मामले में आठ आरोपी बनाए गए हैं जो पुलिस की गिरफ्त में नहीं लेकिन कहीं न कहीं पुलिस की नजरों में जरूर है जिनकी गिरफ्तारी के लिए बढ़ रहे दबाव के चलते पुलिस ने सभी पर दस,दस हजार का इनाम घोषित कर दिया, सोशल मीडिया वाल पर जबकि विधायक और उनके परिजन के नगर में लग चुके होर्डिंग की तस्वीरों में आईपीएल सट्टेबाज की तस्वीर साफ-साफ दिखाई दे रही हैं।

कांग्रेस जिलाध्यक्ष बैठेंगे धरने पर..

कांग्रेस जिलाध्यक्ष शिवकांत पाण्डेय उर्फ़ गुड्डन भैया आईपीएल सट्टेबाजी में नामजद आरोपीयों की शीघ्र गिरफ्तारी को लेकर धरने पर बैठेंगे यह बात उन्होंने आज पूछे जाने पर कहीं है। श्री पाण्डेय ने बताया कि जिले में गलत काम हो रहे हैं यह विधायक खुद बोल रहे हैं कि जिले में रेत का अवैध खनन बेरोकटोक हो रहा, अवैध शराब बिक रही लेकिन ताज्जुब पुलिस गलत कामों को रोक नहीं पा रही, जब उनसे पूछा गया कि उनके साथ धरने पर क्या कांग्रेस प्रत्याशी गिरजा शंकर शर्मा बैठेंगे..? इस बारे में उनकी चुप्पी कुछ नहीं कहकर भी बहुत कुछ कह देती है जो क्षेत्र में कांग्रेस पार्टी का होना नहीं होना जाहिर करता है। बहरहाल उन्होंने बताया तीन दिन पहले एसपी साहब से फोन पर उन्होंने चर्चा की और आरोपियों की गिरफ़्तार करने को कहा था पर आरोपियों की गिरफ्तारी नहीं होने पर वे धरना प्रदर्शन के लिए तो बाध्य हैं।

पानी की समस्या को लेकर ग्रामीणों के साथ कुएं पर पहुंचे कलेक्टर, बोरिंग और गहरीकरण के दिए निर्देश

कलेक्टर ने संवेदनशीलता से मौके पर किया निराकरण मौके पर अवैध अतिक्रमण को हटवाया

बैतूल। कलेक्टर नरेन्द्र कुमार सूर्यवंशी ने बुधवार को तहसील आमला का सघन भ्रमण कर यहां आमजनों की समस्याएं गंभीरता से सुनी और उनका संतुष्टिपूर्वक समाधान किया। उन्होंने आमला के तीन गांवों की पेयजल संबंधी समस्याओं का संवेदनशीलता के साथ मौके पर ही निराकरण किया। कलेक्टर को अपनी समस्याओं के समाधान के लिए अपने बीच पाकर ग्रामीण प्रसन्न हुए और कलेक्टर को त्वरित निराकरण के लिए धन्यवाद दिया। इस दौरान एसडीएम आमला शैलेंद्र बडोनिया सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहें।

अवैध अतिक्रमण की शिकायत पर मौके स्थल पर करवाया सीमांकन : सबसे पहले कलेक्टर श्री सूर्यवंशी आमला के ग्राम हसलपुर पहुंचे। उन्होंने वहां सुनिल नागले की शिकायत का समाधान किया। सुनील ने बताया कि खसरा नंबर 77 में अवैध अतिक्रमण कर कब्जा कर लिया हैं। जिससे काफी समस्याएं हो रही हैं। जिस पर कलेक्टर श्री सूर्यवंशी ने राजस्व अमले के माध्यम से आवेदक के सामने मौका स्थल का सीमांकन कराया। जिस पर आवेदक संतुष्ट हुआ और उन्होंने अपनी शिकायत के निराकरण के लिए कलेक्टर का आभार माना। इस दौरान सरपंच ग्राम पंचायत हसलपुर श्रीमती सरस्वती बेले भी उपस्थित रही।

अवैध कॉलोनाइजर पर आपराधिक प्रकरण दर्ज कराएं : इस दौरान कलेक्टर ने मौके पर अवैध कॉलोनी का निर्माण पाए जाने पर कॉलोनाइजर्स और सभी मकान मालिकों को नोटिस देने के निर्देश दिए। उन्होंने निर्देशित किया कि कॉलोनाइजर के विरुद्ध एफआईआर कराएं। ग्राम पंचायत द्वारा कॉलोनी को एनओसी नहीं दी जाए और टीएनसीपी द्वारा ले आउट का प्रकाशन न किया जाए। उप पंजीयक द्वारा रजिस्ट्री न किया जाए और एमपीईबी द्वारा विद्युत कनेक्शन भी नहीं दिया जाए। कलेक्टर श्री सूर्यवंशी ने एसडीएम आमला को अपने क्षेत्र में ऐसी सभी कॉलोनियों को चिन्हित कर प्रभावी कार्रवाई करने के निर्देश दिए।

नल जल योजना की बोरिंग पर हुए अतिक्रमण को तत्काल हटवाया : ग्राम हसलपुर के ही युवक दीपक गड़ारे ने कलेक्टर श्री सूर्यवंशी को बताया कि ग्राम के ही एक व्यक्ति द्वारा नल जल योजना की बोरिंग पर अतिक्रमण कर लिया गया है। उसके द्वारा किसी को भी बोरिंग का पानी नहीं दिया जाता है। स्थानीय आंगनवाड़ी को भी पानी उपलब्ध नहीं हो पा रहा हैं। जिसके कारण पानी को लेकर काफी समस्या हो रहीं हैं। जिस पर कलेक्टर श्री सूर्यवंशी ने एसडीओ पीएचई पर नाराजगी जाहिर की और तत्काल मौके से अतिक्रमण को हटवाया। जिससे ग्रामीणों को बोरिंग से पानी मिलना शुरू हुआ।

अस्थाई विद्युत कनेक्शन देकर नल योजना को चालू कराया, स्थाई विद्युत कनेक्शन के भी निर्देश : इसके बाद कलेक्टर श्री सूर्यवंशी ग्राम काजली पहुंचे, जहां ग्राम के ही लाल खातरकर ने बताया कि ग्राम में नल जल योजना के अंतर्गत पाइप लाइन डाली गई हैं। लेकिन विद्युत कनेक्शन के अभाव में काफी समय से पानी नहीं दिया जा रहा हैं। जिससे ग्रामीणों को काफी समस्याएं हो रहीं हैं। उक्त शिकायत पर सुनवाई कर कलेक्टर श्री सूर्यवंशी ने पंचायत मद से तत्काल अस्थाई विद्युत कनेक्शन देकर नल योजना को चालू करने के निर्देश एसडीओ पीएचई को दिए। उन्होंने निर्देशित किया कि पंचायत मद से शीघ्र स्थाई कनेक्शन देने की भी कार्यवाही की जाएं।

ग्रामीणों के साथ कुएं पर पहुंचे कलेक्टर, बोरिंग और गहरीकरण के दिए निर्देश: इस दौरान ग्राम काजली में ग्राम रंभाखेड़ी के ग्रामीणों ने गाँव में पानी की समस्या बताई। जिस पर कलेक्टर ग्रामीणों के साथ ग्राम रंभाखेड़ी पहुंचे जहां पंचायत भवन में ग्रामीणों ने कलेक्टर को पानी की गंभीर समस्या के बारे में बताया। जिस पर कलेक्टर श्री सूर्यवंशी ने ग्रामीणों के साथ मौके पर जाकर कुएं की स्थिति देखी।

उपनेता प्रतिपक्ष हेमंत कटारे पत्नी, भाई और बहू पर एफआईआर

भोपाल में प्लॉट आवंटन मामले में ईओडब्ल्यू का एक्शन; दो अधिकारियों पर भी केस

भोपाल (नप्र)। मध्यप्रदेश विधानसभा के उपनेता प्रतिपक्ष हेमंत कटारे पर आर्थिक अपराध प्रकोष्ठ (ईओडब्ल्यू) ने बुधवार को एफआईआर दर्ज की है। मामला भोपाल के आईएसबीटी प्रोजेक्ट में प्लॉट आवंटन में गड़बड़ी से जुड़ा है। इस मामले में लंबी जांच के बाद हेमंत कटारे, उनकी पत्नी, भाई योगेश कटारे और बहू समेत 7 लोगों को नामजद आरोपी बनाया गया है। भोपाल विकास प्राधिकरण (बीडीए) के तत्कालीन सीईओ केपी राही, ओएसडी मनोज वर्मा, मेसर्स हाई स्पीड मोटर्स और अन्य पर भी एफआईआर दर्ज की गई है। आरोप है कि इन अधिकारियों ने साठगांठ कर कटारे परिवार को नियम विरुद्ध प्लॉट का आवंटन किया। इस मामले की शिकायत भोपाल के हर्षवर्धन नगर निवासी सीआर दत्ता ने की थी। शिकायत के आधार पर

ईओडब्ल्यू ने जांच कर भोपाल विकास प्राधिकरण के नियमों के खिलाफ जाकर एक निजी कंपनी को जमीन आवंटन का मामला उजागर किया था। बुधवार को हेमंत कटारे, योगेश कटारे, मीरा कटारे और रुचि कटारे पर धारा 120 बी, 420, 468, 471 भादवि के तहत एफआईआर दर्ज की है।

हाई स्पीड मोटर्स में पार्टनर हैं हेमंत और परिवार- जांच में सामने आया कि मेसर्स हाई स्पीड मोटर्स के पार्टनर्स हेमंत कटारे, योगेश कटारे, मीरा कटारे, रुचि कटारे ने बीडीए के तत्कालीन सीईओ केपी राही, ओएसडी, मनोज वर्मा और अन्य आरोपियों के साथ आपराधिक षड्यंत्र रचा। अधिकारियों ने अपने पद का दुरूपयोग करते हुए मेसर्स हाई स्पीड मोटर्स को भूमि का आवंटन, आवंटित भूमि के उपयोग के प्रकार में परिवर्तन किया। इसी के साथ भूमि की राशि का निर्धारण अवैध रूप से लाभ पहुंचाने के उद्देश्य से किया गया। प्लॉट की कीमत भी बिना निविदा के मनमाने तरीके से तय की गई।

कटारे बोले- आरोप झूठे, ईओडब्ल्यू दबाव बनाने का टूल,आरोप झूठे इस मामले में हेमंत कटारे ने कहा है कि मुझ पर और मेरे परिवार पर लगाए गए सभी आरोप झूठे हैं। उन्होंने एक वीडियो जारी कर कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने ईओडब्ल्यू को ब्लैकमेलिंग का टूल बना रखा है। विपक्ष की आवाज को दबाने के लिए इस प्रकार के झूठे प्रकरण दर्ज करवाते हैं। जब मैं पहली बार विधायक बना तब भी मुझे पर 6 झूठे प्रकरण दर्ज हुए थे। बाद में कोर्ट ने सभी आरोपों को खारिज भी कर दिया था।

कटारे ने कहा- मैं इस मामले को कोर्ट के समक्ष लेकर जाऊंगा और मुझे पूरा भरोसा है कि मैं एक बार फिर दोष मुक्त साबित होऊंगा। सरकार के खिलाफ बोलते ही अगर मैं आरोपी बन जाता हूं, तो मैं विधानसभा से लेकर हर जगह सरकार के खिलाफ बोलूंगा और इनके काले कारनामे उजागर करूंगा।

उप मुख्यमंत्री ने महाकुंभ तीर्थयात्रियों को भोजन और पानी का किया वितरण

व्यवस्थाओं का किया निरीक्षण

भोपाल। उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल ने महाकुंभ जा रहे तीर्थयात्रियों के लिए रीवा बाईपास में हरिहरपुर में लगाये गये शिविर में पहुंचकर व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया तथा तीर्थयात्रियों को भोजन एवं पानी का वितरण किया। इस अवसर पर उन्होंने तीर्थयात्रियों से संवाद करते हुए रीवा जिले एवं मध्यप्रदेश में की गयी समुचित व्यवस्थाओं की जानकारी ली। तीर्थयात्रियों ने उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल से कहा कि मध्यप्रदेश सरकार एवं मुख्यमंत्री डॉ. यादव के निर्देश पर तीर्थयात्रियों

के लिए जगह-जगह भोजन, पानी, चाय, बिस्किट, फल एवं दूध का वितरण किया जा रहा है जिससे हम लोगों को कहीं भी कोई परेशानी नहीं हो रही है। रीवा जिले में भी आपके मार्गदर्शन में सभी व्यवस्थाएं की गयी हैं जिससे बड़ी संख्या में यात्रीगण विभिन्न सेवाएं प्राप्त कर रहे हैं। उप मुख्यमंत्री ने शिविर स्थल में लगाये गये चिकित्सा कैंप का भी निरीक्षण किया। उल्लेखनीय है कि सामाजिक संगठनों के सहयोग से विन्ध्य में तीर्थयात्रियों के लिए नि:शुल्क भोजन, पानी की व्यवस्था की गयी है। इसके साथ ही चिकित्सा व अन्य आवश्यक व्यवस्थायें भी की गयी हैं।

बुरहानपुर में बनी पिस्टल ले जा रहे आगरा के दो तस्कर गिरफ्तार

बुरहानपुर (नप्र)। जिले की खकनार थाना पुलिस ने पाचोरी गांव में बनी अवैध पिस्टलों की तस्करी करते फिर उत्तर प्रदेश के आगरा जिले के दो तस्करों को गिरफ्तार किया है। उनके पास से दो देसी पिस्टल, दो मैग्जीन और एक मोबाइल बरामद किया गया है। आरोपितों के नाम मुकुल सिंह पुत्र प्रताप सिंह भारती 26 वर्ष निवासी राजपुर चुंगी के पास चौराहा आगरा और रूबेन पुत्र नसी सिंह जाटव 29 वर्ष निवासी सेक्टर दस, आवास विकास कालोनी आगरा बताए

गए हैं।

इनमें से एक आरोपित मुकुल सिंह के खिलाफ थाना न्यू आगरा में वर्ष 2018 में दुष्कर्म व मारपीट और वर्ष 2020 में थाना हिरपर्वत में आर्म्स एक्ट का प्रकरण पहले से दर्ज है।

पुलिस ने बुधवार दोपहर दोनों को न्यायालय में प्रस्तुत किया। जहां से एक दिन की रिमांड पर लेकर पूछताछ की जा रही है।

थाना प्रभारी अभिषेक जाधव ने बताया कि आगरा के मुख्य तस्करों ने दोनों को मोहरे के रूप में उपयोग किया है। प्रारंभिक पूछताछ के अनुसार उन्हें पंद्रह-बीस हजार रुपये अतिरिक्त देने का लालच देकर हथियार लाने के लिए पाचोरी भेजा गया था।

सौजन्य भेंट राज्यपाल मंगुभाई पटेल से संस्कृति, पर्यटन धार्मिक न्यास और धर्मस्व राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) धर्मेन्द्र सिंह लोधी ने आज राजभवन में सौजन्य भेंट की।

राज्यपाल मंगुभाई पटेल से केंद्रीय दूरसंचार मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने राजभवन में सौजन्य भेंट की।

माल्यार्पण उप मुख्यमंत्री जगदीश देवड़ा ने शुजालपुर में संत रविदास जयंती पर मूर्ति पर माल्यार्पण किया।

भोपाल में राज्यपाल से मिले सिंधिया

नरोत्तम मिश्रा, मंत्री करण सिंह वर्मा के घर भी पहुंचे, बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष को लेकर सरगर्मी बढ़ी

भोपाल (नप्र)। केन्द्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया बुधवार शाम भोपाल पहुंचे। एयरपोर्ट पर सिंधिया का स्वागत करने जल संसाधन मंत्री तुलसी सिलावट, खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति मंत्री गोविंद सिंह राजपूत, विधायक डॉ. प्रभुराम चौधरी, कृष्णा घाड़गे पहुंचे। एयरपोर्ट से सिंधिया राजभवन पहुंचे और राज्यपाल मंगू भाई पटेल से मुलाकात की।

ज्योतिरादित्य सिंधिया चार इमली में स्थित पूर्व गृह मंत्री डॉ. नरोत्तम मिश्रा के घर पहुंचे। यहां नरोत्तम मिश्रा ने सिंधिया का स्वागत किया। दोनों नेताओं के बीच करीब 15 मिनट तक चर्चा हुई। इसके बाद सिंधिया नरोत्तम के पड़ोसी राजस्व मंत्री करण सिंह वर्मा के घर भी पहुंचे। यहां उन्होंने राजस्व मंत्री से बातचीत की।

सिंधिया केन्द्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान के निवास पर भी पहुंचे। यहां शिवराज ने दोनों बेटों की शादी का न्योता दिया।

प्रदेश अध्यक्ष के चुनाव को लेकर सरगर्मी बढ़ी- बीजेपी के संगठन चुनाव में 65 हजार बूथ समितियों का गठन हो चुका है। अब तक 1300 मंडल अध्यक्षों में से करीब 11सौ मंडल अध्यक्षों के चुनाव हो चुके हैं। सभी 62 जिला अध्यक्षों के चुनाव हो चुके हैं। अब सबकी नजरें प्रदेश अध्यक्ष के चुनाव पर टिकी हुई हैं। सिंधिया की भोपाल में नरोत्तम से हुई मुलाकात के बाद प्रदेश अध्यक्ष के चुनाव को लेकर सरगर्मी बढ़ गई है।

नरोत्तम बोले- मैं किसी अध्यक्ष की रेस में नहीं हूं

प्रदेश अध्यक्ष की सरगर्मी के बीच सिंधिया से हुई मुलाकात पर पूर्व गृह मंत्री डॉ नरोत्तम मिश्रा ने कहा- अभी कोई रायशुमारी नहीं चल रही। पहले भी मैं कई बार कह चुका हूं। मैं किसी अध्यक्ष की दौड में नहीं हूं। पार्टी बस काम देती रहे। सिंधिया जी हमारे पार्टी के वरिष्ठ नेता हैं हम मिलते रहते हैं। ऐसे ही पार्टी काम देती रहे। आलाकमान ने पहले जॉइनिंग का काम दिया, फिर महाराष्ट्र, दिल्ली दे दिया। संगठन की प्रक्रिया है। प्रदेश अध्यक्ष के चुनाव को लेकर कहा- बूथ समितियां हो गई, मंडल हो गए, जिला हो गया अब प्रदेश होगा। दिल्ली है जरा दिल्ली निबटे।

पुलिस आरक्षक भर्ती के लिए रोजगार कार्यालय का लाइव पंजीकरण आवश्यक नहीं

जबलपुर (नप्र)। सुप्रीम कोर्ट ने मध्य प्रदेश हाई कोर्ट के उस आदेश को उचित तरह से निरूपित किया है, जिसके जरिए व्यवस्था दी गई थी कि पुलिस आरक्षक भर्ती के लिए रोजगार कार्यालय का लाइव पंजीकरण आवश्यक नहीं है। हाई कोर्ट के आदेश के विरुद्ध मध्य प्रदेश शासन ने सुप्रीम कोर्ट में विशेष अनुमति याचिका दायर की थी। सुप्रीम कोर्ट ने राज्य शासन की विशेष अनुमति याचिका निरस्त कर दी। मामले की सुनवाई के दौरान आरक्षक पद पर चयनित उम्मीदवारों की ओर से दलील दी गई कि याचिकाकर्ताओं के आवेदन के समय रोजगार कार्यालय का लाइव पंजीकरण कार्ड नहीं होने के कारण उनकी उम्मीदवारी निरस्त कर दी गई थी।

काचीगुड़ा-पटना-काचीगुड़ा कुंभ मेला विशेष ट्रेन

● भोपाल मंडल के इटारसी स्टेशन से होकर गुजरेगी

भोपाल। रेल प्रशासन द्वारा श्रद्धालुओं एवं यात्रियों को सुगम, सुरक्षित एवं आरामदायक यात्रा उपलब्ध कराने के उद्देश्य से कुंभ मेला विशेष ट्रेनें संचालित की जा रही हैं। इसी कड़ी में, गाड़ी संख्या 07103/07104 काचीगुड़ा-पटना-काचीगुड़ा कुंभ मेला विशेष ट्रेन (01-01 ट्रिप) चलाई जा रही है, जो भोपाल मंडल के इटारसी स्टेशन पर ठहरकर गंतव्य तक जाएगी।

गाड़ी संख्या 07103 काचीगुड़ापटना कुंभ मेला विशेष ट्रेन (01 ट्रिप)
गाड़ी संख्या 07103 काचीगुड़ापटना कुंभ मेला विशेष ट्रेन दिनांक 22 फरवरी 2025 (शनिवार) को काचीगुड़ा स्टेशन से शाम 16.45 बजे प्रस्थान कर, अगले दिन दोपहर 13.10 बजे इटारसी एवं मार्ग के अन्य स्टेशनों से होते हुए तीसरे दिन रात 01.45 बजे प्रयागराज छिवकी एवं तीसरे दिन सुबह 10.30 बजे पटना स्टेशन पहुंचेगी।

गाड़ी संख्या 07104 पटना-काचीगुड़ा कुंभ मेला विशेष ट्रेन (01 ट्रिप)
गाड़ी संख्या 07104 पटना-काचीगुड़ा कुंभ मेला विशेष ट्रेन दिनांक 24 फरवरी 2025 (सोमवार) को सुबह 11.30 बजे पटना स्टेशन से प्रस्थान कर, उसी दिन शाम 18.30 बजे प्रयागराज छिवकी, अगले दिन सुबह 07.00 बजे इटारसी एवं मार्ग के अन्य स्टेशनों से होते हुए तीसरे दिन सुबह 07.00 बजे काचीगुड़ा स्टेशन पहुंचेगी।

गाड़ी के हाल्ट
रास्ते में यह गाड़ी दोनों दिशाओं में बोलारम, मेडचल, कामारेड्डी, निजामाबाद जंक्शन, बसर, धर्माबाद, उमरी, मुदखेड, नांदेड़, पूर्णा जंक्शन, बासमत, हिंगोली डेक्कन, वाशिम, अकोला जंक्शन, मलकापुर, खंडवा जंक्शन, इटारसी जंक्शन, पिपरिया, नरसिंहपुर, जबलपुर, कटनी, मैहर, सतना, मानिकपुर जंक्शन, प्रयागराज छिवकी, पं. दीन दयाल उपाध्याय जंक्शन, बक्सर, आरा, दानापुर स्टेशनों पर रुकेगी।

स्कूल में छात्राओं से पैर दबवाती शिक्षिका का वीडियो आया सामने

सिवनी (नप्र)। मध्यप्रदेश के सिवनी में जनजातीय कार्य विभाग शासकीय अनुसूचित जनजाति इंग्लिश मीडियम कन्या आश्रम से हैरान करने वाला वीडियो सामने आया है। वीडियो में नन्ही-नन्हीं छात्राओं की देखभाल करने वाली छात्रावास वार्डन और शिक्षिका सुजाता नागदेवे (मड़के) कथित तौर पर कक्षा में बच्चों से पैर दबवाती दिखाई दे रही हैं। कक्षा में लगे सीसीटीवी कैमरों में पूरी घटना कैद होने की बात कहीं जा रही है।

यह है पूरा मामला

बच्चों से पैर दबवाती शिक्षिका का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है, जो दो-तीन दिन पुराना बताया जा रहा है। आश्रम में अध्ययनरत नन्हीं छात्राओं से इस बात की जानकारी मिलने के बाद अभिभावकों ने 11 फरवरी मंगलवार की शाम सिवनी नगर के बारापत्थर स्थित इंग्लिश मीडियम कन्या आश्रम पहुंचकर घटना का विरोध दर्ज कराते हुए हमकर हंगामा किया। मामला संज्ञान में आने के बाद सहायक आयुक्त सतेन्द्र मरकाम के निर्देशन पर मंडल संयोजक मौके पर पहुंचकर अभिभावकों, बच्चों के बयान दर्ज किए हैं। मंडल संयोजक ने प्रकरण का जांच प्रतिवेदन अधिकारियों को आगे की कार्रवाई के लिए भेज दिया है। सहायक आयुक्त का कहना है कि मामले में कन्या आश्रम की वार्डन व शिक्षिका पर जांच प्रतिवेदन अनुसार कार्रवाई की जा रही है।

मुझे कोई प्राब्लम नहीं... आप लोग मुझे हटवा दीजिए- मंगलवार शाम विरोध दर्ज कराने पहुंचे अभिभावकों से शिक्षिका से कहासुनी एक अन्य वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। इसमें शिक्षिका से छात्राओं के अभिभावक कक्षा में पैर दबवाने पर सवाल पूछ रहे है, जिसे शिक्षिका द्वारा सिरे से नकारा दिया। वो अभिभावकों से कहती दिख रही है कि आप अगर मुझे हटाना चाहते हो, तो हटवा दीजिए। आप लोगों को लग रहा है कि मैं आपके बच्चों के लायक नहीं हूं.. अच्छे देखभाल नहीं कर पा रही हूं... तो हटवा दीजिए। कोई प्राब्लम नहीं है मुझे। गलत इल्जाम मत लगाओ। गलत इल्जाम लगता है तो बुरा लगता है। इतना ही नहीं वीडियो में महिला यह भी कहती दिख रही है कि मैं ही तो हटूंगी, ज्यादा से ज्यादा क्या होगा। और कुछ होगा? मैं यहां से हटकर कहीं और नौकरी करूंगी।

कांग्रेस हुई हमलावर, निशाने पर भाजपा सरकार

शिक्षिका का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार ने भाजपा सरकार पर निशाना साधा है। उन्होंने इंटरनेट मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर लिखा कि सिवनी में आदिवासी छात्रावास में छोटी बच्चियों से पैरों की मालिश करवाती शिक्षिका का वीडियो बेहद शर्मनाक है! पैर दबवाने वाली सुजाता मरके पहले भी निलंबित हो चुकी हैं, फिर भी ट्राइबल विभाग में नियम विरुद्ध प्रतिनियुक्ति क्यों की जा रही हैं?

देवी समान बेटियों का अपमान किया जा रहा है भाजपा सरकार में आदिवासियों का सम्मान तो कभी नहीं हुआ, अब देवी समान बेटियों का भी अपमान किया जा रहा है। आखिर आदिवासी बच्चों के साथ यह शोषण कब रुकेगा?

मनु श्रीवास्तव आईएएस ऑफिसर्स एसोसिएशन के अध्यक्ष

● सुलेमान का कार्यकाल दिसंबर में हुआ था खत्म; कार्यकारिणी भी बनी

भोपाल (नप्र)। एमपी आईएएस ऑफिसर्स एसोसिएशन की नई कार्यकारिणी का गठन कर लिया गया है। नई कार्यकारिणी में अपर मुख्य सचिव मनु श्रीवास्तव को आईएएस ऑफिसर्स एसोसिएशन का नया अध्यक्ष चुना गया है। आपसी सहमति के माध्यम से गठित की गई कार्यकारिणी ने अपना काम भी संभाल लिया है। अब तक अपर मुख्य सचिव मो. सुलेमान एसोसिएशन के अध्यक्ष की जिम्मेदारी संभाल रहे थे। दिसंबर में हुई आईएएस सर्विस मीट के बाद एमपी आईएएस ऑफिसर्स एसोसिएशन की कार्यकारिणी का कार्यकाल 31 दिसंबर को खत्म हो गया था। एसोसिएशन का कार्यकाल तीन साल का होता है। इसके चलते पिछले दिनों आईएएस अफसरों ने नई कार्यकारिणी के चयन को लेकर बैठक की और नए अध्यक्ष के रूप में अपर मुख्य सचिव मनु श्रीवास्तव को जिम्मेदारी सौंपी गई। इसके साथ ही एसोसिएशन में नए पदाधिकारियों का भी चयन किया गया है।

रश्मि अरुण शमी बनी उपाध्यक्ष

बताया जाता है कि एसोसिएशन के अन्य पदाधिकारियों में रश्मि अरुण शमी को उपाध्यक्ष, अविनाश लवानिया को सचिव और केवीएस चौधरी कोलसानी को संयुक्त सचिव बनाया गया है। कार्यकारिणी सदस्यों में आईएएस विवेक पोरवाल, सुदाम खाड़े, इलैया राजा टी., निशांत वरवड़े, संजीव सिंह, अनुभा श्रीवास्तव, कौशलेंद्र विक्रम सिंह, गिरीश शर्मा, चंद्रमौलि शुक्ला और प्रीति मैथिल नायक को शामिल किया गया है। गौरतलब है कि 2022 में हुई आईएएस सर्विस मीट के बाद 2024 में 20 और 21 दिसंबर को आईएएस सर्विस मीट हुई थी। साल 2023 में विधानसभा चुनाव और इसके बाद नई सरकार के गठन के चलते एसोसिएशन ने आईएएस सर्विस मीट का कार्यक्रम टाल दिया था।

संत शिरोमणि रविदास जी के विचारों को शालेय पाठ्यक्रम में किया जा रहा है शामिल: मुख्यमंत्री

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि संत शिरोमणि गुरू रविदास जी ने 'जात-पात पूछे न कोई-हरि को भजे सो हरि को होई' जैसे उदात्त विचारों से समाज को छुआछूत, सामाजिक असमानता, आडम्बर और अंधविश्वास के विरूद्ध जागरूक किया। उन्होंने परतंत्रता और विदेशी आक्रांताओं के आतंक से प्रभावित वातावरण में भक्ति, समानता और सद्भाव के साथ अपनी यात्रा आरंभ की। काशी में माँ गंगा के घाट से आरंभ यात्रा में राजवंश के व्यक्ति भी उनके शिष्य बनें। मीरा बाई द्वारा भगवान श्रीकृष्ण की भक्ति में जीवन व्यतीत करना संत रविदास जी की प्रेरणा से ही संभव हुआ। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि संत रविदास जी की भावनाओं और विचारों को जन-जन तक ले जाने के उद्देश्य से उनके विचारों को शालेय पाठ्यक्रम में शामिल किया जा रहा है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने संत रविदास जी की जयंती पर प्रदेशवासियों को मीडिया के माध्यम से शुभकामनाएं देते हुए उक्त विचार व्यक्त किए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि भगवान श्री राम और भगवान श्रीकृष्ण, संत रविदास जी की भक्ति के आधार थे। उन्होंने राम नाम के जाप का संदेश देते हुए बताया कि भगवान व्यक्ति के भीतर है और भक्ति के लिए किसी आडम्बर की आवश्यकता नहीं है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी, संत रविदास जी के दर्शन के आधार पर भारत को विश्व में आदर्श देश के रूप में स्थापित कर रहे हैं। राज्य सरकार भी इस दिशा में कार्यरत है। सागर में संत रविदास जी को समर्पित ?धाम का निर्माण जारी है। उज्जैन सहित राज्य के जिन स्थानों पर संत रविदास जी के चरण पड़ें हैं, उन्हें तीर्थ के रूप में विकसित किया जाएगा।

20 इलाकों में अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई

● ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट को लेकर हटाया अतिक्रमण; अवैध कब्जे तोड़े

भोपाल (नप्र)। ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट (जीआईएस) से पहले भोपाल में अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई हो रही है। बुधवार को नगर निगम ने 20 बड़े इलाकों से अतिक्रमण हटाया। जिन होटलों में मेहमान रहेंगे, उसके आसपास अवैध कब्जे तोड़ गए। वार्ड-50 स्थित रेडिशन होटल के पास से कच्चे-पक्के निर्माण हटाए गए। वहीं, जेसीबी और डंपर की मदद से सड़क किनारे पड़ी रेत और गिट्टी जब्त की गई। कुछ छप्पर भी तोड़े गए। सेवाय कॉम्प्लेक्स के पास 5 गुमठियों को तोड़कर स्थल का समतलीकरण किया गया। वहीं, दुकान के सामने स्थित प्याऊ को भी शिफ्ट किया गया। यहां रखें गाड़ियों के करीब 60 बड़े टायरों को भी शिफ्ट किया गया।

कार्रवाई के दौरान अवैध क्यॉरी, कंडम ऑटो, घर के सामने से सामान, कट-आउट, छप्पर, कबाड़े का सामान, ठेले, गुमठी, रेत गिट्टी व अन्य अतिक्रमण हटवाकर 2 छत ठेले, 2 गुमठी, एक गुमठी फ्रेम, 2 टेबल एवं 20 स्टूल जब्त किए गए।

यहां भी हुई कार्रवाई

अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई अशोका गार्डन, अवधपुरी चौराहा, नारियल खेड़ा, 1100 क्वार्टर्स, ईश्वर नगर, बैरागढ़ चंचल चौराहा से सीहोर नाके तक, माता मंदिर, कोलार सलैया, होशंगाबाद रोड कृष्णापुरम, एम्स, गांधी नगर बस स्टैंड, लिंक रोड नंबर 1, 2-3 पर की गई। इसी तरह अशोका गार्डन थाना, अन्ना नगर, जवाहर चौक सहित विभिन्न क्षेत्रों से भी अतिक्रमण हटाया गया। भोपाल के सेवाय कॉम्पलेक्स के पास से सड़क किनारे रखे 60 बड़े टायरों को हटाया गया।

लगातार कार्रवाई- नगर निगम का अमला शहर में अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई लगातार कर रहा है। बता दें कि भोपाल में 24 और 25 फरवरी को जीआईएस होने वाली है। जिसमें देश-विदेश से 20 हजार से अधिक मेहमान आएंगे।

राइट क्लिक

यह कैसा समाज गढ़ रहे हैं सोशल मीडिया के रणवीर ?

अजय बोकिल

लेखक सुबह सवेरे के कार्यकारी प्रधान संपादक हैं।
संपर्क-
9893699939
ajaybokil@gmail.com

जाने-माने यू ट्यूबर और सोशल मीडिया इंफ्लूएंसर रणवीर इलाहाबादिया तथा एक और इंफ्लूएएंसर समय रैना को उनके विवादित शो 'इंडिया गॉट लेटेंट' में अश्लील टिप्पणी के लिए व्यापक आलोचना और कानूनी कार्रवाई का सामना करना पड़ रहा है। शो में अश्लील और अभद्र भाषा व भाव के चलते मचे देशव्यापी बवाल के बाद रणवीर ने अपने किए पर माफी मांग ली है, लेकिन उसमें भी पश्चाताप के भाव से ज्यादा सोशल मीडिया पर फॉलोअर घटने का भय ज्यादा है। रणवीर का यह एपीसोड भारत सरकार द्वारा यू ट्यूब को की गई शिकायत के बाद हटा लिया गया है, लेकिन मामला यहीं खत्म नहीं होता बल्कि शुरू होता है। चाहे रणवीर अहलाबादिया हो, समय रैना हो या फिर उनकी सहयोगी अपूर्वा माखीजा हो, ये सभी उस आयु वर्ग के हैं, जो अंगरेजी में 'जनरेशन जेड' कहलाती है। यह पीढ़ी इंटरनेट के साथ जन्मी और सोशल मीडिया के साथ जवान हुई। इस पीढ़ी के सामाजिक और नैतिक मूल्य तथा सामाजिक संस्कार वो नहीं हैं, जिसे बीसवीं सदी के आखिरी चौथाई की शुरूआत तक जन्मी पीढ़ी स्वीकार करती आई है। रणवीर का एक विवादित एपीसोड भले ही यू ट्यूब से हटा लिया गया हो, लेकिन ऐसे और कई शो और चैनल धड़ल्ले से प्रसारित किए और लाखों की संख्या में देखे जा रहे हैं, जो परंपरावादी भारतीयों को शर्मसार करने और आत्मग्लानि का कारण हो सकते हैं। मां बाप के अंतरंग सम्बन्धों को लेकर शो में रणवीर ने जो अश्लील टिप्पणी जिस सहजता और मजाकिया अंदाज में की और जिसे सुनकर वहां बैठे युवा जज जिस तरह खी खी कर हंसते रहे, वह इस बात का स्पष्ट संकेत है कि भारत की युवा पीढ़ी के लिए सामाजिक मर्यादा, शालीनता और संस्कारों का अर्थ क्या है? शील और अश्लील की उनकी परिभाषा क्या है? खुलेपन और नंगई के बीच सूक्ष्म भेद के मानी क्या हैं? वो आने वाले दशकों के लिए कैसा समाज गढ़ रहे हैं? जिनके लिए शिष्टता, सार्वजनिक मर्यादा और भाषा की लक्ष्मण रेखा का कोई अर्थ नहीं है बशर्ते की वह मनोरंजन करे। उससे व्यूज और लाइक्स मिलें। इंफ्लूएंसर्स की जेब भरे। आज चालीस से ऊपर आयु वालों के लिए यह वाकई 'न्यू नॉर्मल' हैं, जो भारतीय संस्कृति में माता-पिता देवो भव का पाठ पढ़ते और इस संस्कार को निभाते आए हैं। इसमे अति आदर्शवाद हो सकता है, लेकिन वो हमारे जीवन मूल्यों का सार भी है।

आज सोशल मीडिया के विभिन्न प्लेटफार्मों पर अपवादस्वरूप कुछ काम की सामग्री छोड़ दें तो ऐसे कंटेंट की भरमार है, जो कब आदमी को शैतान बना दे, कब उसे उसके पारंपरिक मूल्यों से डिगा दे, कब सामाजिक शिष्टाचार को धता बता कर मनमर्जी से एंज्वॉय करने दे, कहा नहीं जा सकता। आज के युवा आपस में जिस भाषा, संकेतों और मुद्राओं में बात करते हैं, वह हमारी पारंपरिक मान्यताओं से काफी अलग और हैरान करने वाला है। इसका अर्थ यह नहीं कि भाषा के स्तर पर अवभाषा या बाजारू तथा अश्लील शब्दों से भरी अभिव्यक्ति कोई नई चीज है। लेकिन समाज ने अपने विवेक से शिष्टता और शालीनता की भी एक सफेद लक्ष्मण रेखा खींची हुई है, जो देश काल की सीमाओं से परे समूचे मानव समाज में मान्य रही है। इसीलिए गालियां भाषा का सहज हिस्सा होते हुए भी संस्कारित संभाषण का भाग कभी नहीं होतीं। कोई ऐसा करता भी है तो उसे सम्मान के भाव नहीं देखा जाता। लेकिन अब जिस तरह कॉमेडी शो व्यूअर्स बटोरने के लिए सोशल मीडिया पर अपलोड हो रहे हैं, वो गालियों को ही सभ्य समाज की मान्य और व्यवहार भाषा में बदलने का अट्टहास लिए हुए हैं। ज्यादातर युवा इसमें कुछ भी गैर नहीं देखते। यह अपने आप में खतरनाक सिग्नल है। अगर 'इंडिया गॉट लेटेंट' शो की ही बात करें तो इसका नाम ही बहुत चालाक अश्लीलता से भरा है। हिंदी में जाहिरा तौर पर इसका अर्थ 'भारत को मिला अव्यक्त' होगा, लेकिन यहां अव्यक्त से तात्पर्य केवल भाव से नहीं बल्कि उस 'गुप्त' से है, जिसका इशारा उन मानव अंगों से है, जिनका सार्वजनिक उच्चारण और उनसे जुड़ी गालियों का प्रयोग भी बेहद निजी संवाद या समवयस्क मित्र मंडली के बीच ही किया जाता है। जब शो का अव्यक्त भाव ही अश्लील है तो उसमें शील और शालीन की अपेक्षा करना बेमानी है। लेकिन आश्चर्य कि सोशल मीडिया पर ऐसे शो देखने और उसे भरपूर एंज्वॉय करने वालों की तादाद लाखों में है। इसमें ज्यादा युवा पीढ़ी के वो लोग हैं, जिन पर भावी भारत का समाज गढ़ने की नैतिक और सामाजिक जिम्मेदारी है। यह हकीकत है कि स्त्री-पुरूष के संसर्ग से ही संतान का जन्म होता है। लेकिन यह एक भौतिक सचाई है। सामाजिक मर्यादा में वो स्त्री-पुरूष मां-बाप होते हैं, जो प्रजनन के नैसर्गिक दायित्व के साथ साथ सामाजिक और नैतिक दायित्वों को भी निष्ठा के साथ निभाते हैं। मानव सभ्यता और संस्कृति का अवदान अगली पीढ़ी को सौंपते हैं। परिवार संस्था को जिंदा रखते हैं। मां-बाप का यह शारीरिक सम्बन्ध केवल किसी जोक के लिए अथवा अपने इस अंतरंग रिश्ते को संतान के समक्ष अनावृत्त करने के लिए नहीं होता। वास्तव में यह ऐसा नैसर्गिक सत्य है, जो माता-पिता के रूप में मनुष्य के जन्मदाता के पवित्र आवरण में छिपा रहता है। इसीलिए भारतीय संस्कृति में माता-पिता को ईश्वर के समकक्ष माना गया है। रणवीर की मां-बाप के अंतरंग रिश्तों पर की गई अत्यंत अभद्र और आपबराधिक टिप्पणी पर उनके माता-पिता की प्रतिक्रिया अभी सामने नहीं आई है, लेकिन तय है कि कम से कम एक बार उन्होंने अपने बेटे में डाले संस्कारों पर पुनर्विचार तो किया ही होगा या कि उन्हें करना चाहिए।

इसे दुर्भाग्य कहें या नियति का चक्र कि आज समाज उस दिशा में जा रहा है, जहां पारंपरिक मूल्यों की परिभाषा बदली जा रही है। इसका अर्थ यह नहीं कि सामाजिक मूल्य सदा एक से रहते हैं या रहने ही चाहिए, लेकिन शील-अश्लील, शिष्टता-अशिष्टता, हास्य और अभद्रता, नग्नता और आंख के पर्दे का झीना अंतर भी मनमर्जी से जीने के दुराग्रह से खत्म करने का सुनियोजित वैश्विक षड्यंत्र किया जा रहा है। सोशल मीडिया उसीका कारगर हथियार है। कुछ भाषा विज्ञानियों का मानना है कि गालियां अथवा बाजारू भाषा मानवीय अभिव्यक्ति का सहज रूप है। बावजूद इसके उसे उस सभ्य समाज का हिस्सा कैसे बनाया जा सकता है, जिसने खुद सभ्यता और शालीनता के कुछ पैमाने तय किए हैं? और यही गालियों युक्त भाषा, तेवर और देहबोली अगर सभ्यता का परिचायक बन गई तो सभ्य समाज की परिभाषा क्या होगी? क्या आने वाला वक्त केवल उपभोक्ताओं और वर्जनाओं को भंग करने में आनंद मानने वाले लोगों का होगा? जिनके लिए जितनी ज्यादा गालियां, उतने ज्यादा व्यूज और लाइक्स ही जीवन का अंतिम सत्य है और होगा। उनकी चिंता यह नहीं है कि वो किस तरह के अराजक और वर्जनाविहीन उन्मुक्त समाज को बढ़ावा दे रहे हैं, बल्कि यह है कि वो ऐसा कुछ भी दिखाने से बचें जिससे उनकी कमाई घटे। कुछ समय पहले देश के कॉमेडियन अपनी विवादित राजनीतिक टिप्पणियों के कारण परंपरावादियों के निशाने पर थे, लेकिन अब बात उससे कहीं आगे बढ़ चुकी है। सामाजिक बुराइयां टूटें यह तो समझ आता है, क्योंकि उसके पीछे एक निश्चित तर्क और विवेक का आग्रह होता है, लेकिन जननांगों पर बेहूदा सार्वजनिक जोक, सॉफ्ट पोर्न पर अभिजात्य चर्चा (जैसे कि गहना वशिष्ठ के ' गहना शो' में होता है) या फिर चाइल्ड पोर्न को वर्जनाओं को तोड़ना और समाज को ऐसे खुले आसमान में बदलने की जिद पूरे समाज को रसातल में ही ले जाएगी, ले जा रही है। सामाजिक वर्जनाओं को तोड़ने का अर्थ संस्कारों से मुक्ति पाना नहीं है। चिंता की बात यह है कि आने वाली युवा पीढ़ी रसातल के रास्ते को ही उन्मुक्त आनंद के स्वर्ग में जाने की सीढ़ी मानकर मदहोश है। इसका क्या इलाज है, जरा सोचिए।

॥ मंदिरम् ॥

36

माँ किचकेश्वरी मंदिर, ओड़िसा

किचकेश्वरी मंदिर हिंदू देवी माँ चामुंडा को समर्पित है और यह भांजा शासकों की प्राचीन राजधानी खिचिंग, ओड़िसा में स्थित है। माँ किचकेश्वरी मंदिर मयूरभंज रियासत के सबसे प्रसिद्ध स्थलों में से एक बन गया है। यहाँ की प्रमुख देवी माँ किचकेश्वरी, मयूरभंज की अधिष्ठात्री देवी या राज्य देवी हैं। इस मंदिर का निर्माण 920 और 925 ई. के बीच हुआ था; इसे 1934 में महाराजा प्रताप चंद्र भंजदेव ने 85 हजार रुपये की लागत से पुनः निर्मित करवाया था, क्योंकि यह बर्बरता के कारण जीर्ण-शीर्ण हो गया था।

एसएन मिश्रा बनाए गए प्रशासनिक पुनर्गठन आयोग के सदस्य

रिटायरमेंट के 11 दिन बाद सरकार ने सौंपी नई जिम्मेदारी, सवा महीने से खाली था पद

भोपाल (नप्र)। 31 जनवरी को अपर मुख्य सचिव गृह और परिवहन विभाग के पद से रिटायर एसएन मिश्रा पर मोहन यादव सरकार ने फिर भरोसा जताया है। रिटायरमेंट के 11 दिन बाद राज्य शासन ने मिश्रा को प्रशासनिक पुनर्गठन आयोग के सदस्य की नई जिम्मेदारी सौंपी है।

मिश्रा रिटायर्ड अपर मुख्य सचिव मनोज श्रीवास्तव की जगह लेंगे। श्रीवास्तव को सरकार ने राज्य निर्वाचन आयुक्त बनाया था। मिश्रा अब प्रदेश में नए जिलों, संभागों, तहसीलों, जनपदों और अन्य प्रशासनिक सीमाओं के गठन को लेकर अफसरों, जनप्रतिनिधियों और समाजसेवियों से सुझाव लेकर राज्य शासन को रिपोर्ट सौंपेंगे।

मोहन सरकार ने करीब सवा महीने के अंतराल के बाद मध्य प्रदेश प्रशासनिक पुनर्गठन आयोग के पद पर नए सदस्य के रूप में एसएन मिश्रा की नियुक्ति की है। इसके चलते धीमी पड़ी प्रशासनिक पुनर्गठन आयोग की बैठकों की कार्यवाही अब तेज होगी। उधर जनगणना का काम तीस जून तक चलने की स्थिति को देखते हुए चार माह में प्रशासनिक सीमाओं में बदलाव की संभावना तेज हो गई है ।प्रशासनिक पुनर्गठन आयोग के सदस्य के तौर पर पूर्व एसीएस मनोज श्रीवास्तव ने कई संभागों में बैठक कर लोगों से सुझाव भी लिए थे। इसके बाद आयोग के एक अन्य सदस्य और रिटायर्ड आईएएस मुकेश कुमार शुक्ला अपने स्तर पर जिलों में बैठकें ले रहे थे। बताया जाता है कि अब जल्दी ही आयोग के नए सचिव की नियुक्ति भी सरकार द्वारा की जाएगी। रिपोर्ट आने के बाद नए जिलों के गठन का मौका- 31 दिसम्बर 2024 तक प्रदेश की प्रशासनिक सीमाओं को फ्रीज किए जाने की रिपोर्ट मांग चुका केंद्रीय गृह मंत्रालय का जनगणना निदेशालय अब अपना काम छह माह आगे बढ़ा चुका है। निदेशालय ने 30 जून तक प्रशासनिक सीमाओं में बदलाव की सहमति देते हुए 30 जून की स्थिति में सीमाएं फ्रीज करने की रिपोर्ट मांगी है।

आत्माराम सनातन धर्म कालेज दिल्ली विश्व विद्यालय के छात्र विदेह कानूनगो बीए ऑनर्स अर्थशास्त्र प्रथम वर्ष को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने परीक्षा पर चर्चा कार्यक्रम में आमंत्रित किया। विदेह मूलत: विदिशा निवासी हैं और अध्ययन के लिए इसी वर्ष उन्होंने दिल्ली विश्व विद्यालय में प्रवेश लिया है। विदेह की मां तृप्ति और पिता विवेक कानूनगो विदिशा में निजी स्कूल में शिक्षक हैं।

आचार्य सत्येन्द्र का देवलोक गमन आध्यात्मिक जगत की अपूरणीय क्षति

मुख्यमंत्री ने श्रीराम जन्मभूमि मंदिर के मुख्य पुजारी आचार्य श्री को दी श्रद्धांजलि

भोपाल (नप्र)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने अयोध्या स्थित श्रीराम जन्मभूमि मंदिर, श्री अयोध्या धाम के मुख्य पुजारी आचार्य श्री सत्येन्द्र कुमार दास महाराज के देवलोक गमन पर शोक प्रकट किया।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि परम रामभक्त का निधन अत्यंत दुःखद एवं आध्यात्मिक जगत के लिए अपूर्णीय क्षति है, उनके मंगलकारी विचार और भक्तिमय व्यक्तित्व समस्त सनातन जगत को धर्म और मानव कल्याण के पथ पर चलने के लिए प्रेरित करते रहेंगे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बाबा महाकाल से दिवंगत पुण्यात्मा को अपने श्रीचरणों में स्थान देने और शोक संतप्त शिष्यों और अनुयायियों को यह दुःख सहन करने की शक्ति प्रदान करने की प्रार्थना की है।

आटे से बनाए जानवरों के अंग, असली बताकर बेचे

बाघ की पूंछ-मूंछ बताकर सूअर के बाल थमाए, असम से मंगाते थे नकली दांत

भोपाल(नप्र)। जबलपुर की स्टेट टाइगर स्ट्राइक फोर्स ने डिंडौरी में शिकारी गिरोह को पकड़ा है। ये गिरोह बाघों के प्लास्टिक के दांत और आटे से बने एनिमल के प्राइवेट पार्ट बेच रहा था। गिरोह के सदस्य बाजार में इसे असली बताकर 25 से 30 हजार रुपए में बेचते थे।

जंगली सूअर और अन्य जानवरों के बाल को बाघ की पूंछ और मूंछ के बाल का ताबीज बेचा जा रहा था। गिरोह के पास से 940 किलो गांजा भी पकड़ा गया है। अफसरों का कहना है कि गिरोह पहले से वन्यप्राणियों की तस्करी में शामिल रहा है। आठ महीने पहले ही गिरोह ने असम से बाघों के नकली दांत मंगाए थे। फॉरेस्ट और पुलिस की टीम इनसे पूछताछ कर रही है कि ये गांजा और बाघों के नकली दांत कहां खपाने वाले थे। स्टेट टाइगर स्ट्राइक फोर्स के जबलपुर रीजन के इंचार्ज राजा खरे बताते हैं, 27 जनवरी को महाराष्ट्र के चंद्रपुर से बाघ के शिकारियों को गिरफ्तार किया था। उनमें से एक फरार होने में कामयाब रहा। ये शिकारी मध्यप्रदेश के पारदी समुदाय से थे। जो गिरफ्तार हुए उनसे पूछताछ में पता चला कि गिरोह के तार डिंडौरी के पडरिया कला के पारदी समुदाय के डेरे से जुड़े हैं। 9 फरवरी को इस डेरे पर स्टेट टाइगर स्ट्राइक फोर्स (एसटीएसएफ) और पुलिस की स्पेशल टास्क फोर्स (एसटीएफ) ने मिलकर छापा मारा। बाघ के नकली दांत, गोह के नकली प्राइवेट पार्ट मिले तस्करों के डेरे से फॉरेस्ट विभाग को बाघ के 13 दांत, कुछ नाखून, वन्य जीवों के बाल मिले। साथ ही गोह का प्राइवेट पार्ट जिसे सामान्य भाषा में हत्था जोड़ी कहते हैं, वो भी मिला। बाघ और गोह संरक्षित प्राणियों की कैटेगरी में आते हैं। जब एक्सपर्ट ने इसकी जांच की तो पता चला कि ये नकली है। गोह के प्राइवेट पार्ट को आटे से बनाया गया था। इसी तरह बाघ के दांतों को एक्सपर्ट ने जांचा तो साफ हो गया कि यह हार्ड प्लास्टिक के बने हैं। एसटीएसएफ को पारदियों के डेरे से तलवार, प्राणियों को फंसाने वाला फंदा, करंट लगाकर मारने वाले तार और 44 जिंदा प्रेशर बम भी मिले हैं।राजा खरे बताते हैं कि पारदी समुदाय इन बमों को आटे की लोई में फंसाकर शिकार के अंदर रख देते हैं, जैसे ही जानवर शिकार को चबाता है तो बम फट जाता है और जानवर की मौत हो जाती है।

सीएम यादव मंत्रियों के साथ वॉच करेंगे हर एक्टिविटी

जीआईएस व्यवस्था- संचालन की हाईलेवल कमेटी में बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष को भी मिली जगह

भोपाल (नप्र)। 24 और 25 फरवरी को भोपाल में होने वाली ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट की व्यवस्थाओं और समिट के सुचारू संचालन को लेकर राज्य शासन ने हाईलेवल कमेटी का गठन किया है। इस कमेटी में मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव के साथ मंत्री, सांसद, विधायक और मुख्य सचिव के साथ अन्य आईएएस अफसरों की टीम शामिल की गई है। यह कमेटी देश विदेश से आने वाले निवेशकों के भोपाल आने जाने, रुकने, भोजन और अन्य व्यवस्थाओं के लिए जिम्मेदार अधिकारियों और प्रतिनिधियों के काम काज की रिपोर्ट लेगी और समय समय पर आवश्यक निर्देश देगी।

शासन द्वारा बनाई गई कमेटी में सीएम के अलावा दो डिप्टी सीएम, तीन मंत्री, बीजेपी के प्रदेश अध्यक्ष और सांसद, जिला पंचायत भोपाल की अध्यक्ष, भोपाल सांसद, एक विधायक, मुख्य सचिव तथा चार अन्य आईएएस अधिकारियों को शामिल किया गया है। यह कमेटी व्यवस्थाओं से संबंधित हर काम की रिपोर्ट लेने और उस पर एक्शन कराने का काम करेगी। मंगलवार को हुई कैबिनेट बैठक में इस कमेटी को बनाए जाने के सीएम मोहन यादव के निर्णय के बाद राज्य शासन ने कमेटी गठन के आदेश जारी किए हैं।

औद्योगिक भ्रमण और पर्यटन स्थलों का आकर्षण बनाएगा समिट को खास

भोपाल में होने वाली ग्लोबल इन्वेस्टर समिट-2025 राज्य की मेहमान नवाजी, सांस्कृतिक विरासत और औद्योगिक क्षमता को वैश्विक मंच पर प्रदर्शित करने का सुनहरा अवसर बनने जा रही है। देश-विदेश से आने वाले मेहमानों के लिये भव्य स्वागत, उनके ठहरने की उच्च स्तरीय व्यवस्था, पारंपरिक और अंतर्राष्ट्रीय व्यंजनों की उपलब्धता, औद्योगिक भ्रमण और पर्यटन स्थलों का आकर्षण इस समिट को खास बनायेगा। पहली बार मेहमानों के लिए मॉडर्न लग्जरी टेंट्स की विशेष पहल की जा रही है। जिससे निवेशक प्राकृतिक सौंदर्य के बीच मध्यप्रदेश की समृद्ध आतिथ्य परंपरा का अनुभव कर सकें। यह कमेटी इन सब कामों की रिपोर्ट लेगी।

राजधानी में ताज लेक फ्रंट, कोर्टयार्ड बाय मेरियट और रेडिसन सहित अन्य प्रतिष्ठित होटलों में मेहमानों के लिये उच्च स्तरीय सुविधाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं। भोपाल की प्राकृतिक सुन्दरता के बीच मेहमानों को 5 सितारा सुविधाओं का अनुभव कराने के लिये 100 से अधिक मॉडर्न लग्जरी टेंट्स तैयार किए जा रहे हैं। मेहमानों को भोपाल और आस-पास के प्रमुख पर्यटन स्थलों का भ्रमण कराने की विशेष योजना बनाई गई है।

मेहमानों को भोपाल की रमणीय झीलों, प्राकृतिक सौंदर्य से भरपूर वन विहार और राज्य की जीवंत जनजातीय संस्कृति को प्रदर्शित करने वाले ट्राइबल म्यूजियम का भ्रमण कराया जाएगा। मध्यप्रदेश के औद्योगिक विकास से रूबरू कराने के लिये मंडीदीप और पीथमपुर जैसे प्रमुख औद्योगिक क्षेत्रों का दौरा भी कराया जाएगा, जहां वे राज्य की औद्योगिक क्षमताओं और निवेश के अवसरों से अवगत होंगे।

पारंपरिक और अंतर्राष्ट्रीय व्यंजनों का मिलेगा स्वाद

मेहमानों के लिए प्रदेश के विभिन्न क्षेत्रों से चुने गये पारंपरिक व्यंजन मेन्यू में शामिल किये गए हैं। साथ ही अंतर्राष्ट्रीय मेहमानों की पसंद को ध्यान में रखते हुए कॉन्टीनेन्टल, चाइनीज और मेडिटरेनियन व्यंजनों की भी विशेष व्यवस्था की गई है। विश्व प्रसिद्ध शेफस् की टीम इन व्यंजनों की तैयारियों में जुटी है।

ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट

रिन्युएबल एनर्जी पर 10 घंटे होगी बात

500 उद्योगपति और अफसर शामिल होंगे

भोपाल (नप्र)। ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट (जीआईएस) में इंवेस्टर्स का सबसे ज्यादा फोकस न्यू एंड रिन्युएबल एनर्जी यानी नवीकरणीय ऊर्जा पर रहेगा। 24 और 25 फरवरी को कुल साढ़े 13 घंटे चलने वाली समिट में अकेले रिन्युएबल एनर्जी पर ही साढ़े 10 घंटे बात होगी। अंबानी-अदाणी जैसे बड़े ग्रुप भी इस सेक्टर में निवेश कर सकते हैं। पिछली 7 रीजनल इंडस्ट्री कॉन्क्लेव में भी यही फोकस एरिया रहा है। मध्यप्रदेश सरकार दो साल पहले 2022 में रिन्युएबल एनर्जी पॉलिसी लागू कर चुकी है। इसमें प्रोजेक्ट के लिए निजी भूमि की खरीद पर स्टाम्प शुल्क में 50 प्रतिशत छूट का प्रावधान है। वहीं, एक दिन पहले मंगलवार को सीएम डॉ. मोहन यादव की मौजूदगी में हुई कैबिनेट मीटिंग में इलेक्ट्रिक व्हीकल नीति को मंजूरी दी गई। इसमें ई-वाहन निर्माण और उपयोग को प्रोत्साहन देने की बात कही गई है।

साथ ही साल 2028 तक 20 हजार मेगावाट सोलर एनर्जी प्रोडक्शन का टारगेट रखा गया है। यह अभी 7 हजार मेगावाट है। समिट को लेकर मानव संग्रहालय को आकर्षक तरीके से सजाया जा रहा है।

दो दिन में साढ़े 13 घंटे के 8 सेशन भोपाल के इंदिरा गांधी मानव संग्रहालय में 24 फरवरी को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी समिट का शुभारंभ करेंगे। एमपी स्टेट इंडस्ट्रियल डेवलपमेंट कॉर्पोरेशन के प्लान के अनुसार, पहले दिन दो प्रमुख विभाग- न्यू एंड रिन्युएबल एनर्जी और आईटी एंड टेक्नोलॉजी की समिट होगी।अगले दिन यानी 25 फरवरी को भी न्यू एंड रिन्युएबल एनर्जी की समिट होगी। पहले दिन 7 घंटे 30 मिनट और दूसरे दिन 3 घंटे तक चर्चा होगी यानी 10 घंटे 30 मिनट तक सिर्फ इसी विभाग की समिट होगी। इसमें 500 उद्योगपति और संबंधित अफसर रहेंगे। कुल साढ़े 13 घंटे में 8 विभागों के सेशन होंगे। उद्योगपति न्यू रिन्युएबल एनर्जी, आईटी एंड टेक्नोलॉजी, टूरिज्म, प्रवासी मध्यप्रदेश, टूरिज्म, माइनिंग, एमएसएमई एंड स्टार्टअप, अर्बन डेवलपमेंट पर इन्वेस्टमेंट कर सकेंगे। एनर्जी और आईटी को छोड़कर बाकी विभागों की समिट दो से 4 घंटे तक ही रहेगी। सबसे ज्यादा रिन्युएबल एनर्जी की 10 घंटे 30 मिनट, आईटी की 5 घंटे 45 मिनट, प्रवासी मध्यप्रदेश सेक्टर पर डेढ़ घंटा चर्चा होगी।